फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 10 प्रभात जयपुर, सोमवार 10 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

When A Rifleman Fought The Chinese For 3 Days, Killed 300

By the time he was done, around 300 Chinese soldiers were dead and he managed to delay the Chinese advance by around 72 hours

A Masterpiece of Concealment

Weird Traditions We Still Follow

मोजतबा खामेनेई को जिन्दा दिखाने के लिये ईरान ने वीडियो जारी किया

इज़रायली मीडिया के खामेनेई की बेहद गंभीर हालत के दावे के बाद उनकी सेहत को लेकर चर्चाएं बढ़ गई थीं

- **पश्चिमी देशों से जुड़े सूत्रों के अनुसार ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली गाड़ी में खामेनेई से मिलाया गया था। कहते हैं कि खामेनेई बताया जाने वाला व्यक्ति पहले से पिछली सीट पर बैठा था। दोनों को एक -दूसरे को देखने व हाथ मिलाने से सुरक्षाकर्मियों ने मना किया था।**

तेहरान, 09 अगस्त। इजरायली मीडिया की खबरें हैं कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच तेहरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर ने बिना तारीख वाला एक वीडियो जारी किया जिसमें वे अच्छी सेहत में दिख रहे हैं।

मोजतबा खामेनेई का यह वीडियो पहली बार सरकार से जुड़ी अर्ध-सरकारी ईरानी समाचार एजेंसी मेहर ने जारी किया। इससे पहले शुक्रवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी थी कि खामेनेई बेहद गंभीर हालत में हैं, जिससे उनकी सेहत और ठिकाने को लेकर अटकलें और बढ़ गईं।

खामेनेई ने, अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में मारे जाने के कुछ समय बाद सुप्रीम लीडर का पद संभाला था। पद संभालने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और केवल लिखित बयानों के जरिए ही बातचीत की है।

खबरों में दावा किया गया है कि वे हमलों में घायल हो गए थे और तब से ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के लिए बिचौलियों पर निर्भर हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी अनिश्चितता को और बढ़ा दिया। उन्होंने सरकारी टीवी पर एक इंटरव्यू में कहा कि इस समय खामेनेई से सीधे संपर्क करना बहुत मुश्किल है।

पश्चिमी और विपक्ष से जुड़े सूत्रों ने दावा किया है कि उन्हें गंभीर चोटें आई थीं और तब से वे बातचीत के लिए लिखित बयानों और बिचौलियों पर निर्भर हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को तेहरान में एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई गई जिसे सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई बताया गया।

इस मुलाकात की खबर ने ईरान के नए नेतृत्व से जुड़ी गोपनीयता पर और सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली एक गाड़ी की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई बताए जा रहे व्यक्ति पहले से ही बैठे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, गाड़ी की खिड़कियां ढ की हुई थीं और सुरक्षाकर्मियों ने दोनों व्यक्तियों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के जरिए ही बातचीत कर पाए।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि बाद में पेजेशकियान ने इस बात पर सवाल उठाया कि मुलाकात के दौरान उन्होंने जो आवाज सुनी, वह असल में नए सुप्रीम लीडर की ही थी या नहीं।

एटीएस ने टोंक में दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया

टोंक, 9 अगस्त। पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से कनेक्शन जुड़े होने की संभावनाओं को लेकर प्रदेश की एटीएस और इंटेलिजेंस टीम ने टोंक शहर के दो युवकों को हिरासत में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुफिया एंजेसियों को सूचना मिली कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का कनेक्शन शहर के दो संदिग्ध आरोपियों से है, जिसके बाद

- **पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका।**

एटीएस टीम ने इनपुट के आधार पर ट्रेस कर दबिश देकर कुम्हारों की चौकी निवासी एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जो धन्ना तलाई में ढ ाबा चलाता है।

एटीएस ने धन्ना तलाई निवासी बुरहान को भी हिरासत में लेकर आरोपियों के घरों पर दबिश दी। दोनों युवकों के बैंक अकाउंट संबंधी दस्तावेजों की जाचं की जा रही है तथा उनके एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक आदि भी जब्त किए गए हैं। एटीएस को आशंका है कि कहीं उनके खातों में पाकिस्तान से फंडिंग तो नहीं आ रही है। ऐसी कार्यवाही शहर में पूर्व में भी कई बार आतंकी संगठनों से कनेक्शन के मामले को लेकर की जा चुकी है।

केरल में राजकीय कार्यक्रमों से पहले वंदे मातरम् की दो पंक्तियां ही गाई जायेंगी

वंदे मातरम् पर केन्द्र के निर्देश और केरल सरकार के रुख से टकराव की स्थिति बनी

- **केरल के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने कहा कि राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में पहले भी वंदे मातरम् की केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था जारी रहेगी।**

तिरुवनंतपुरम, 09 अगस्त। केरल में वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर विवाद गहरा गया है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा है कि राज्य सरकार के कार्यक्रमों में पहले की तरह केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाएंगी। कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने भी पूरे गायन का विरोध किया है।

यह विवाद मुख्य सचिव के उस पत्र के बाद सामने आया, जिसमें केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुरूप वंदे मातरम के सामूहिक गायन की बात कही गई थी। वहीं, सीपीआई(एम) ने भी इस निर्देश को वापस लेने की मांग की है और राज्य सरकार पर आरएसएस के एजेंडे के आगे झुकने का आरोप लगाया है।

मुरलीधरन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में पहले भी वंदे मातरम की केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था जारी रहेगी। वहीं, कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने कहा कि केरल में इस जीवनकाल में वंदे मातरम का पूरा गायन नहीं होगा। एक टीवी चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर मुख्य सचिव की ओर से किसी निर्देश की जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका पूरा गायन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा, भले ही नरेंद्र मोदी हमें गोली मारने की धमकी दें, तब भी वंदे मातरम का पूरा गायन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुरलीधरन और उन्नीथन की ये टिप्पणियां केरल के मुख्य सचिव विश्वनाथ सिन्हा की ओर से 6 अगस्त को जारी किए गए पत्र के बाद सामने आई हैं।

पत्र में कहा गया था कि "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत 2022 में शुरू किए गए अभियान के 2026 संस्करण को राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित देशव्यापी समारोह के तीसरे चरण के साथ जोड़ा गया है। इस पहल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति ने मंजूरी दी थी।

निर्देश के अनुसार, इस अवधि के दौरान आयोजित होने वाले सभी प्रत्यक्ष कार्यक्रमों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन और राष्ट्रीय ध्वज फहराना या प्रदर्शित करना शामिल होगा। इसके अलावा, डिजिटल भागीदारी हर घर तिरंगा पोर्टल के माध्यम से की जानी है। इसके तहत नागरिक तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड कर सकते हैं।

रुस ने भारत को सीधे ट्रेन नेटवर्क का प्रस्ताव दिया

रुस की योजना है कि उसकी मालगाड़ियाँ तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान व पाकिस्तान होते हुए भारत पहुंचें

- **रुस के उपप्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने कहा कि इस रास्ते से समुद्री पायरेसी तथा सैन्य नाकेबंदी जैसे खतरों से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी तथा व्यापारिक जहाजों पर लगने वाला हफ्तों का समय बचेगा।**

मॉस्को, 09 अगस्त। मध्य पूर्व में जारी सैन्य संघर्ष और समुद्री रास्तों पर बढ़ ते खतरों के बीच रूस ने एक ऐसा मास्टरप्लान सामने रखा है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार का पूरा नक्शा बदल सकता है। लाल सागर और मध्य पूर्व के समुद्री रास्तों में जहाजों पर मंडराते जोखिमों को देखते हुए रूस अब भारत और हिंद महासागर तक सीधी पहुंच बनाने के लिए जमीन पर रेल नेटवर्क बिछाने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

अगर यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर उतरती है, तो रूस से चलने वाली मालगाड़ियां तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते सीधे भारत तक पहुंच सकेंगी।

रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस को दिए एक इंटरव्यू में इस प्रस्तावित परियोजना से पर्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए रूस को नए और वैकल्पिक रास्तों को खोजना ही होगा।

मरात खुसनुलिन ने कहा, "हिंद महासागर तक रेल लिंक की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों के कारण हमें वैकल्पिक रास्तों की जरूरत है। तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरने वाले मार्ग इसके विकल्प हो सकते हैं। भारत तक पहुंच प्रदान करने वाला कोई भी व्यावहारिक विकल्प हमें स्वीकार्य होगा।"

यह प्रस्तावित नेटवर्क धरातल पर लागू होने के बाद रूस और भारत के बीच बिना किसी समुद्री रुकावट के सीधा मालगाड़ी संपर्क स्थापित कर देगा।

रूस का यह प्रस्ताव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे समुद्री रास्तों पर बढ़ ता अभूतपूर्व संकट है। काला सागर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हर घर तिरंगा' से जुड़ें व विकसित भारत का संकल्प दोहरायें

नई दिल्ली, 09 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि विकसित भारत के निर्माण में

- **प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील की।**

योगदान देने के हमें सामूहिक संकल्प को दोहराना चाहिए। उन्होंने खुशी जाहिर की कि इस वर्ष के प्रयास वंदे मातरम को समर्पित हैं और वह भी ऐसे समय में जब हम इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और राष्ट्र के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा का निरंतर स्रोत है।

प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में संस्कृति मंत्रालय की अपील को साझा किया है। इसमें मंत्रालय ने अपील की है कि इस वर्ष इतिहास को अपनी तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनर्जी ड्रिंक्स पर अजीबो गरीब हंगामा

एनर्जी ड्रिंक लेबल को लेकर पेय कंपनियों और फूड सेफ्टी रैगुलेटर में टकराव

- **पैप्सिको, रैड बुल, मॉन्स्टर बैवरेज और मुकेश अंबानी की रिलायंस आदि कंपनियों को 90 दिन में एनर्जी ड्रिंक लेबल हटाने होंगे।**
- **इन कंपनियों ने लेबल हटाने के लिए एक साल का समय मांगा था। लेकिन फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने सख्ती से इनकार कर दिया।**
- **फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने कहा, अधिक कैफीन वाले पेय पर "एनर्जी ड्रिंक" शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।**

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 अगस्त। सरकार के एक सूत्र के अनुसार भारत का फूड सेफ्टी रैगुलेटर (खाद्य सुरक्षा नियामक) ने कंपनियों की उस मांग को मानने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने 'एनर्जी ड्रिंक' का लेबल हटाने के लिए दी गई 90 दिन की समय सीमा को बढ़ाकर एक साल करने की मांग की थी। इस फैसले से इस उद्योग पर असर पड़ेगा।

पेप्सिको, रेड बुल, मॉन्स्टर बैवरेज और अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फूड रैगुलेटर के साथ टकराव चल रहा है। यह टकराव शराब, पेय और खाद्य कंपनियों द्वारा अपने उत्पादों की लेबलिंग के तरीके पर सख्त नियम लागू होने के कारण हो रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डड्र्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने जुलाई में इन कंपनियों को चुपचाप 90 दिन का समय दिया था कि वे अधिक कैफीन वाले पेय पदार्थों से 'एनर्जी ड्रिंक' या ऐसा ही कोई दूसरा नाम हटा दें। एफएसएसएआई का कहना था एसे उत्पादों के लिए कोई भारतीय स्टैण्डर्ड नहीं हैं और इस शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।

यूरोमॉनिटर के अनुमान के अनुसार, भारत में एनर्जी ड्रिंक की खुदरा बिक्री हर साल 12.6 की दर से बढ़ रही है, जो अमेरिका और चीन से भी तेज है। 2018 से 2023 के बीच खुदरा बिक्री में हर साल लगभग 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और पिछले साल यह 90.7 करोड़ लीटर थी, लगभग 3 अरब से अधिक बोतलों या कैन।

सरकार के सूत्र ने कहा कि एफएसएसएआई समय सीमा बढ़ाने पर सहमत नहीं होगा, क्योंकि कई भारतीय राज्यों ने बताया है कि ऐसे पेय पदार्थों का मौजूदा स्टॉक 60 से 90 दिनों में बेचा जा सकता है। सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि यह फैसला अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

उद्योग के तीन सूत्रों के अनुसार, पेय कंपनियों ने इस फैसले को लागू करने के लिए कम से कम एक साल का समय मांगा है, क्योंकि बाजार में उनके लाखों कैन या बोतलें मौजूद हैं या आयात किए गए कैन के उनके ऑर्डर अभी लंबित हैं।

सरकार के अधिकारी ने कहा, कंपनियों ने इन्हें एनर्जी ड्रिंक के रूप में लेबल करके नियमों का उल्लंघन किया है। उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहा है।

अधिकारी ने आगे कहा, उन्होंने एफएसएसएआई को यह नहीं बताया है कि किस राज्य में कितना स्टॉक पड़ा हुआ है, जबकि उन्हें ट्रेसेबिलिटी (उत्पाद का पता लगाने की क्षमता) सुनिश्चित करने के लिए इसे ट्रैक करना चाहिए था।"

उद्योग के सूत्रों ने कहा कि बड़ी मात्रा में स्टॉक होने के कारण अलग-अलग राज्यों में मौजूद स्टॉक का हिसाब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार को 60.70 लाख कांवड़िये हरिद्वार से रवाना हुए

हरिद्वार, 09 अगस्त। अब डाक कांवड़ यात्रा पर रवाना होने वाले शिवभक्तों का उत्साह चरम पर है। इसके चलते हरिद्वार में आस्था का जनसैलाब देखने को मिल रहा है। 11वें दिन रविवार को शाम 6 बजे तक 60

- **अब तक हरिद्वार से 3 करोड़ 80 लाख शिवभक्त गंगाजल लेकर देश के विभिन्न राज्यों के लिये रवाना हुए हैं।**

लाख 70 हजार शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी और अन्य घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

मेला कंट्रोल रूम के अनुसार कांवड़ मेले के 11वें दिन रविवार को शाम 6 बजे तक 60 लाख 70 हजार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईएसआई द्वारा शहजाद भट्टी मॉड्यूल के जरिये 15 अगस्त को दिल्ली में आतंकी वारदात की आशंका

दिल्ली पुलिस तथा सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर, इंटरनेट मीडिया पर कड़ी नजर

- **पंजाब पुलिस को गिरफ्तार आतंकी वंश कुमार से पूछताछ के दौरान जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश तथा ऑपरेशन दिल्ली के बारे में जानकारी लगी थी। जंतर मंतर से ही एक हैंडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को फोन भी किया।**

नई दिल्ली, 09 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस और तमाम केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अमृतसर पुलिस द्वारा पिछले हफ्ते गिरफ्तार किए गए पाकिस्तान समर्थित आईएसआई आतंकी मॉड्यूल के दिल्ली कनेक्शन सामने आने के बाद स्पेशल सेल ने सक्रियता और बढ़ ा दी है। इंटरनेट मीडिया पर नजर रखी जा रही है।

पाकिस्तान से आने वाली कॉल्स पर नजर रखी जा रही है। मुखबिर को अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को अंदेशा है कि आइएसआइ, शहजाद भट्टी माड्यूल का इस्तेमाल करके दहशत का माहौल पैदा करने के लिए 15 अगस्त से पहले दिल्ली में आतंकी वारदात करा सकती है।

पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त पूछताछ में आतंकी वंश कुमार ने ऑपरेशन दिल्ली और जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। स्पेशल सेल सूत्रों के मुताबिक आतंकी देव सिंह ने विशाल उर्फ गंगू को दिल्ली जाने का निर्देश दिया था। यात्रा का खर्च उठाने के लिए एक स्थानीय दुकानदार के जरिए दो हजार की व्यवस्था की गई थी।

25 जुलाई की शाम अमृतसर रेलवे स्टेशन पर वंश कुमार, विशाल, रोहित, देव सिंह और सुखदीप सिंह एकत्र हुए थे। वहां से सभी ट्रेन में सवार होकर नई दिल्ली आ गए थे। नई दिल्ली से वे सभी सीधे जंतर-मंतर आ गए थे। जंतर-मंतर पर उत्तर प्रदेश का रहने वाला एक अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति (जिसे पाकिस्तानी हैंडलर ने भेजा था) इन आतंकियों से मिला था।

संदिग्ध व्यक्ति ने इन आतंकियों को आठ कांच की बोतलें सौंपीं थी और जंतर-मंतर पर तैनात दिल्ली पुलिस के जवानों, सेना और अर्धसैनिक बलों पर पेट्रोल बम से हमला करने के निर्देश दिए थे। जंतर-मंतर से ही एक हैंडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को फोन भी किया था। उक्त सूचना के बाद स्पेशल सेल की एक टीम फिलहाल अमृतसर में डेरा डाले हुए है।

सेल की टीम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से लेकर जंतर-मंतर तक के सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाल जांच में जुटी हुई हैं, ताकि आतंकियों और यूपी के संदिग्ध हैंडलर के दावों की पुष्टि की जा सके। पुलिस आतंकियों की गतिविधियों, उत्तर प्रदेश के संदिग्ध संपर्क, जंतर-मंतर पहुंचने के रूट तथा अन्य फोरेंसिक व तकनीकी साक्ष्यों को जुटाने में पंजाब पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है।

पटना, कलकत्ता, बॉम्बे व पंजाब को नये मुख्य न्यायाधीश मिलेंगे

- **भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सिफारिश की**

नई दिल्ली, 09 अगस्त। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पटना, कलकत्ता, बॉम्बे और पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के पद के लिए चार न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा गया, "6 अगस्त 2026 को हुई सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धार में गुजरात के श्रद्धालुओं की बस दुर्घटनाग्रस्त, 6 की मौत

धार, 09 अगस्त। मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में

- **बड़ोदरा के श्रद्धालु महाकाल के दर्शन करके लौट रहे थे, जब गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रोले ने सामने से वैन को जोरदार टक्कर मारी।**

सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उपदेश देना सरल है, उपाय बताना कठिन है। – टैगोर

क्या किताबें अब मशीनों के लिए हैं?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत तेज़ी से हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बनती जा रही है। कल तक जो लोग इसके नाम से बिदकते थे, वे भी आज इसका उपयोग करने लगे हैं। इसकी क्षमताओं का कल्पनातीत विकास हुआ है और यह क्रम लगातार जारी है। इसी सिलसिले की कुछ घटनाएँ समय-समय पर अख़बारों की सुर्खियाँ बनती हैं और चिंता भी पैदा करती हैं। हाल में एक समाचार आया कि ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के पुस्तक विक्रेताओं ने पुस्तकों की असामान्य ख़रीद को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ख़बर यह बाहर आई कि एक एआई कंपनी ऐसी स्कैनिंग सुविधाएँ देने वालों की तलाश में थी जो छह महीनों के भीतर पाँच लाख से बीस लाख तक किताबें स्कैन करके दे सकें। यह संख्या इतनी बड़ी है कि स्वाभाविक प्रश्न उठता है– कोई कंपनी इतनी बड़ी मात्रा में किताबें क्यों खरीद रही है, और क्यों उन्हें स्कैन करवाया जा रहा है।

ये समाचार पढ़ते हुए मुझे बचपन में सुना गया एक प्रसंग याद आया। कहा जाता था कि शाहजहां ने ताजमहल के कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे ताकि वे वैसा दूसरा ताजमहल न बना सकें। इतिहासकार इस कथा की पुष्टि नहीं करते, किंतु ज्ञान और सृजन पर एकाधिकार की मानसिकता को समझने के लिए इससे बेहतर प्रतीक शायद ही मिले।

इसी संदर्भ में चर्चा के केंद्र में है अमरीकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान एवं सुरक्षा कंपनीएंथ्रोपिककी एक गुप्त परियोजना–प्रोजेक्ट पनामा। सन 2021 में डारियोअमोदेई और डेनिएलाअमोदेई द्वारा स्थापित यह कंपनी अपने लोकप्रिय एआई सहायकक्लॉडके कारण दुनिया भर में जानी जाती है।क्लॉड आज ओपनएआई के चैटजीपीटी और गूगल के जेमिनी का प्रमुख प्रतिस्पर्धी है। प्रोजेक्ट पनामा की शुरुआत 2024 में हुई और कंपनी ने इसे जानबूझकर गोपनीय रखा। इस परियोजना के अंतर्गत उसने पुस्तक विक्रेताओं से बड़ी संख्या में पुरानी और सेकेंड हैंड किताबें खरीदीं। गूगल बुक्स से जुड़े रहे टॉमटर्वे इस परियोजना के प्रमुख बताए जाते हैं। उद्देश्य था–मानव द्वारा लिखित उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों का एक विशाल डेटाबेस तैयार करना, जिससे एआई को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके। एआई को लगातार प्रशिक्षित किया जाता है। उसे जितनी बेहतर सामग्री मिलती है, उसके उत्तर उतने ही स्वाभाविक और परिष्कृत होते जाते हैं। लंबे समय से यह शिकायत की जाती रही है कि उसकी भाषा कृत्रिम और किताबी लगती है। संभवतः उसी कमी को दूर करने के लिए यह परियोजना शुरू की गई।

लेकिन इस परियोजना का सबसे विचलित करने वाला पक्ष इसके बाद सामने आता है।

प्रोजेक्ट पनामा के अंतर्गत खरीदी गई पुस्तकों के आवरण हटाए गए, विशेष औद्योगिक कटरों से उनकी जिल्दें काट दी गईं, पन्नों को अलग किया गया और अत्याधुनिक स्कैनरों से प्रत्येक पृष्ठ को डिजिटल रूप में सुरक्षित कर लिया गया। इसके बाद उन पुस्तकों को नष्ट कर दिया गया। कंपनी ने इसे रीसाइक्लिंग कहकर अपनी पर्यावरण–सजगता का प्रमाण बताया। पर्यावरण तो बच गया, लेकिन पुस्तक अपनी जान नहीं बचा पाई। कागज़ पुनर्चक्रित हो गया, किंतु पुस्तक हमेशा के लिए समाप्त हो गई।

यहीं एक मूलभूत प्रश्न सामने आता है। एआई के लिए किताब क्या है?

एआई के लिए किताब ज्ञान का नहीं, डेटा का स्रोत है। उसके लिए प्रेमचंद का उपन्यास और टेलीफोन डायरेक्टरी दोनों समान रूप से डेटा हैं। मनुष्य ऐसा नहीं सोचता। उसके लिए पुस्तक केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती। उसमें लेखक का समय, समाज, अनुभव, संवेदना, भाषा, संस्कार और सांस्कृतिक स्मृति भी उपस्थित रहती है। मशीन शब्द ग्रहण करती है; मनुष्य अर्थ और अनुभव ग्रहण करता है। यहीं एक और प्रश्न उठता है। किताबें आख़िर किसके लिए होती हैं–पाठकों के लिए या मशीनों के लिए? और यह यक्ष प्रश्न भी कि एआई के पास इंटरनेट पर उपलब्ध अरबों–खरबों शब्द पहले से मौजूद हैं, तो फिर उसे किताबों की आवश्यकता क्यों पड़ रही है?

दरअसल, इंटरनेट और पुस्तक के बीच एक बुनियादी अंतर है। इंटरनेट तात्कालिक है। वहाँ अधूरी, अपुष्ट और क्षणभंगुर सामग्री की भरमार है। इसके विपरीत किसी पुस्तक का प्रकाशित होना एक लंबी बौद्धिक प्रक्रिया का परिणाम होता है। लेखक लिखता है, बार–बार संशोधन करता है, संपादक उसे परखता और सँवारता है, प्रकाशक जोखिम उठाता है, तब कहीं जाकर एक पुस्तक पाठकों तक पहुँचती है। यही कारण है कि सामान्यतः पुस्तकों की भाषा अधिक परिष्कृत, तर्क अधिक सुसंगत और तथ्य अधिक विश्वसनीय होते हैं। शायद इसी कारण एआई कंपनियाँ इंटरनेट से संतुष्ट नहीं हैं; वे पुस्तकों तक पहुँचने के लिए इतनी व्याकुल दिखाई देती हैं। वे भी समझ चुकी हैं कि अच्छी भाषा और गंभीर विचार का सबसे बड़ा स्रोत अब भी पुस्तकें ही हैं।

> **दरअसल, इंटरनेट और पुस्तक के बीच एक बुनियादी अंतर है। इंटरनेट तात्कालिक है। वहाँ अधूरी, अपुष्ट और क्षणभंगुर सामग्री की भरमार है। इसके विपरीत किसी पुस्तक का प्रकाशित होना एक लंबी बौद्धिक प्रक्रिया का परिणाम होता है। लेखक लिखता है, बार-बार संशोधन करता है, संपादक उसे परखता और सँवारता है, प्रकाशक जोखिम उठाता है, तब कहीं जाकर एक पुस्तक पाठकों तक पहुँचती है।**

यहीं से उन आशंकाओं को भी समझा जा सकता है जो लेखकों, प्रकाशकों और पुस्तक संरक्षण से जुड़े संगठनों ने व्यक्त की हैं। कोई व्यक्ति या कंपनी किसी पुस्तक को खरीदकर उसका वैधानिक उपयोग करे, यह उसका अधिकार है। इसलिए केवल किताबें खरीद लेना या उन्हें स्कैन करना अवैध नहीं है। वस्तुतःयह प्रश्न कानून का नहीं, ज्ञान–संस्कृति के भविष्य का भी है।चिंता का पहला कारण यह है कि इस प्रक्रिया में अनेक दुर्लभ अथवा अनुपलब्ध पुस्तकें हमेशा के लिए नष्ट हो सकती हैं। चिंता का दूसरा कारण यह है कि बहुमूल्य साहित्य एआई कंपनियों के निजी डेटाबेस का हिस्सा बन जाएगा, और पाठक की उस तक सीधी पहुँच नहीं होगी।

इसे इस प्रकार समझा जा सकता है। हमारे यहाँ लोकप्रिय ई–पुस्तकालयों की परियोजनाएँ हों या वैश्विक स्तर परप्रोजेक्ट गुटेनबर्ग, दोनों में पुस्तकों का डिजिटलीकरण किया जाता है। अंतर यह है कि वहाँ स्कैन की गई सामग्री इसके बाद भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहती है। कॉपीराइट संबंधी मुद्दों को अलग रख दें तो ऐसी परियोजनाएँ ज्ञान के प्रसार का माध्यम बनती हैं। पुस्तकालय–चाहे वे भौतिक हों या डिजिटल–ज्ञान को साझा करते हैं। इसके विपरीत एआई कंपनियाँ उसी ज्ञान को अपने निजी एल्गोरिद्म का हिस्सा बना लेती हैं। पुस्तकालय में पुस्तक पाठक को बेहतर बनाती है; यहाँ वही पुस्तक मशीन को बेहतर बनाती है। विडंबना यह है कि इस प्रक्रिया में पुस्तक स्वयं पाठक की पहुँच से दूर होती चली जाती है। एक तकनीक ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करती है, दूसरी उसी ज्ञान को निजी पूँजी में बदल देती है। अंतर बहुत छोटा दिखाई देता है, लेकिन उसके परिणाम अत्यंत दूरगामी हैं।

एक और गंभीर प्रश्न कॉपीराइट का है। प्रोजेक्ट पनामा और इसी प्रकार की अन्य परियोजनाओं के बारे में आरोप है कि वे सामान्यतः लेखकों या प्रकाशकों से अनुमति लेने की ज़हमत नहीं उठातीं। वे थोक के भाव पुस्तकें खरीदती हैं और उन्हें अत्याधुनिक तकनीक से तेज़ी से स्कैन कर लेती हैं। इतना ही नहीं, अनेक मामलों में उन पर पाइरेटेड प्रतियों के उपयोग के आरोप भी लगे हैं, जो न केवल अनुचित बल्कि गैरकानूनी भी हैं। एआई क्षेत्र की कई बड़ी कंपनियाँ आज लेखकों द्वारा दायर मुकदमों का सामना कर रही हैं।एंथ्रोपिक के विरुद्ध भी ऐसा ही एक मुकदमा चल रहा है, जिसमें लेखकों और प्रकाशकों ने लगभग डेढ़ बिलियन डॉलर के हर्जाने की माँग की है। दुनिया भर के लेखक यह नहीं कह रहे कि एआई पुस्तकों का उपयोग न करे। उनकी माँग केवल इतनी है कि यदि उनके लेखन से एआई को प्रशिक्षित किया जा रहा है, तो अनुमति, पारदर्शिता और उचित पारिश्रमिक भी सुनिश्चित किया जाए। प्रश्न तकनीक के विरोध का नहीं, रचनाकार के अधिकार और सम्मान का है।

इतिहास पर दृष्टि डालें तो पुस्तकों का विनाश कोई नई घटना नहीं है। अलेक्ज़ेंड्रिया के पुस्तकालय का विनाश, नालंदा की ज्ञान–संपदा का दहन, चीन में चिन शिहुआंग द्वारा पुस्तकों को जलाया जाना औरनाज़ी जर्मनी में पुस्तक–दहन–ऐसे अनेक उदाहरण इतिहास में मिलते हैं। किंतु उन सबके पीछे तत्कालीन सत्ता की यह इच्छा थी कि ज्ञान पर उसका नियंत्रण बना रहे। आज परिस्थिति भिन्न है, लेकिन आशंका कहीं अधिक सूक्ष्म है। अब पुस्तकों को जलाने की आवश्यकता नहीं है; उन्हें केवल अपने निजी उपयोग के लिए समेट लेना ही पर्याप्त है। पहले पुस्तकालय इसलिए बनाए जाते थे कि अधिक से अधिक लोग पुस्तकों तक पहुँच सकें। अब निजी डेटाबेस इसलिए बनाए जा रहे हैं कि एक मशीन अधिक से अधिक पुस्तकों तक पहुँच सके। इतिहास की यह कितनी बड़ी विडंबना है कि ज्ञान का केंद्र धीरे–धीरे मनुष्य से खिसककर मशीन की ओर जाता दिखाई दे रहा है।

यहीं भविष्य का सबसे गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है। आज एआई को मनुष्य द्वारा लिखी गई पुस्तकें पढ़ाई जा रही हैं। लेकिन दस–बीस वर्ष बाद यदि अधिकांश पुस्तकें स्वयं एआई लिखने लगे तो वह सीखेगा किससे? यदि मनुष्य का मौलिक लेखन कम होता गया और मशीनें अंततः मशीनों के लिखे हुए से ही स्वयं को प्रशिक्षित करने लगीं, तो भाषा की ताजगी, विचारों की मौलिकता और रचनात्मकता का क्या होगा? क्या तब हम धीरे–धीरे ऐसी दुनिया में प्रवेश नहीं करेंगे जहाँ शब्द तो बहुत होंगे, पर अनुभव कम होते जाएंगे?

विडंबना देखिए कि आज एआई को अधिक मानवीय बनाने के लिए अंततः मनुष्य द्वारा रचित पुस्तकों की ही शरण लेनी पड़ रही है। यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि सृजन का मूल स्रोत अभी भी मनुष्य ही है, मशीन नहीं।किताबें केवल काग़ज़ के पन्नों का संग्रह नहीं होतीं; वे किसी सभ्यता की स्मृति, किसी समाज की चेतना और मनुष्य के अनुभव का संचय होती हैं। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अधिक सक्षम और अधिक मानवीय बनाने के लिए हमें उसी मानवीय धरोहर को नष्ट करना पड़े, जिससे वह सीखना चाहती है, तो इसे तकनीकी प्रगति नहीं कहा जा सकता। यह हमारी सांस्कृतिक चेतना के लिए एक गंभीर चेतावनी होगी। प्रश्न एआई का नहीं है; प्रश्न उस नैतिक विवेक का है जिसके साथ हम उसे विकसित करना चाहते हैं। सवाल यह नहीं है कि एआई किताबें क्यों पढ़ रहा है; प्रश्न यह है कि भविष्य में किताबों का स्वामी कौन होगा–मनुष्य या मशीन?

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

सुखमय लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ठ गुरुदेवों के देव महादेव से जुड़े रोचक रहस्य

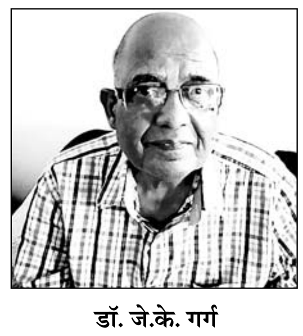

डॉ. जे.के. गर्ग

परिवार संतुलन की पारिवारिक सुखों का मूल आधार

'हम दो हमारे दो एवं छोटा परिवार सुखी परिवार' का शाश्वत प्रतीक है शिवजी के दो पुत्र गणेश एवं कार्तिकेय हैं। सुखी और सम्पन्न परिवार वाले मुखिया का सबसे बड़ा गुण यह होना चाहिये कि वह अपने सुख से अधिक अपने परिजनों के सुख की चिन्ता करे और इसके निमित्त खुद की सुख सविधा त्याग करे। मनुष्य के जीवन में तीन मूल जरूरतें रोटी, कपड़ा और मकान ही होते है। भगवान शिव ने इन तीनों ही चीजों की समस्त सुविधाएं अपने परिवार को देकर, स्वयं सात्विक जीवन अपनाया है। उन्होंने परिवार के लोगों के लिए नाना प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों, बहुमूल्य वस्त्रों और भव्य भवनों की व्यवस्था की है। उनका अपना आहार बना आक, धतूरा, बेल पत्र, वस्त्र बना बाघम्बर और निवास स्थान बनी श्मशान भूमि। जिस परिवार में दिन–रात कलह मची हो, ईर्ष्या, द्वेष, वैर, स्पर्धा का बोल बाला हो, वह परिवार नर्क बन जाता है। स्वर्ग वहाँ है जहाँ एकता, प्रेम और शांति हो।

अब देखिये शिव का वाहन बैल, माता उमा का वाहन सिंह, शिव का कंठहार सर्प, श्री गणेश का वाहन मूषक और कार्तिक का वाहन मयूर। सब आपस में एक दूसरे के पुश्तैनी जानी दुश्मन है। मगर वाह रे शिव का प्रताप! सबको प्रेम और एकता के ऐसे धागे में बांध रखा है कि वे आपस में हिलमिल कर रहते हैं। सर्वमान्य और सर्वोच्च निर्णय शांत चित्त ठण्डे दिमाग से ही लिये जा सकते हैं। महादेव के मस्तक पर चंद्रमा और गंगा का होना इस बात का संकेत है कि मस्तिष्क और दिमाग को सदा शीतल रखो। भोले नाथ तामसी प्रवृत्ति का त्याग और अपने अंतर्मन से पूर्ण नीतियों का बहिष्कार करने, दीन हीनों, सेवक दास को प्रेम और आदर प्रदान करने का भी एक अनूठा उदाहरण स्थापित किया। चित्त की एकाग्रता के लिये ध्यान विशुद्ध भारतीय वैज्ञानिक पद्धति है। भगवान शिव का ध्यान मग्न होना यह प्रकट करता है कि उनका अधिकांश समय परिवार एवं जगत के कल्याण के चिंतन करने में बीतता है। परिवार संतुलन की पारिवारिक सुखों का मूल आधार है। नीलकंठ महादेव हम शिव की उपासना भक्ति करते हुए सुखमय स्वस्थ जीवन का आनन्द लेने के लिए उनके गुणों से प्रेरणा लेनी चाहिए और उसी के अनुरूप जीवन जीना चाहिए।

सनातन धर्मी फाल्गुन के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी यानी 11अगस्त 2026 को शिवरात्रि धूमधाम से मनाएंगे। फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को ही शिवरात्रि क्यों मनाई जाती है? धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक ऐसा माना जाता है कि सृष्टि की रचना इसी दिन हुई थी। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन चतुर्दशी की अर्द्धरात्रि में भगवान शंकर लिंग के रूप में अवतरित हुए। चतुर्दशी तिथि के महानिशीथ काल में महेश्वर के निराकार ब्रह्म स्वरूप प्रतीक शिवलिंग का अविभार्व होने से भी यह तिथि महाशिवरात्रि के नाम से जानी जाती है। कहा जाता है कि शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और आदिशक्ति का विवाह हुआ था। मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान कालकेतु विषनिकला था। भोले नाथ को सांसारिक होते हुये भी श्मशान का निवासी बोला जाता है इसके पीछे भी लाइफ मैनेजमेंट का महत्वपूर्ण रहस्य छिपा है।

जानिये कैसे? सच्चाई तो यही है कि संसार मोह–माया का प्रतीक है वहीं दूसरी तरफ श्मशान वैराग्य का प्रतीक है। संसार में रहते हुए भी आदमी को किसी से मोह नहीं रखते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने के साथ–साथ एक बैरागी की तरह जीना चाहिये। मन के अंदर सवाल उठता है कि शिवलिंग मंदिरों में बाहर क्यों होता है? निसंदेह भोलेनाथ जन साधारण के देवता हैं, इसीलिए भोलेनाथ वहां रहते हैं जहाँ छोटे–बड़े, जवान–बुजुर्ग आसानी से पहुंच सके। इसी मान्यता के कारण शिवलिंग को मन्दिरों में बाहर ही स्थापित किया जाता हैं। इसी वजह से शिवजी अकेले ही वो देव हैं जो गर्भ गृह में भक्तों को दूर से ही दर्शन देते हैं। शिवजी को भोग लगाने और अर्पण करने के लिए कुछ भी नहीं हो तो भक्त उन्हें पत्ता, फूल,याअंजलि भर के भोले नाथ को खुश कर सकता और उनकी पूजा–अर्चना कर सकता है। आईये जाने भोलेनाथ शिवजी की पूजा–अर्चना में बेलपत्र और जल क्यों चढ़ाया जाता है? निसंदेह बेलपत्र भगवान शिव को बेहद प्रिय है और इसलिए शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाए बिना शिव की पूजा को पूर्ण नहीं माना जाती है।

ध्यान देने योग्य बात है कि कहीं बेलपत्र में तीन पतियों को तीन आदि ध्वनियां जिनकी सम्मिलित गुंज से ऊं बनता है का प्रतीक माना गया है। बेलपत्र की इन तीन पत्तियों को महादेव त्रिनेत्र और भोलेनाथ के हथियार त्रिशूल का भी प्रतीक माना जाता है। भांग–धतूरे को भगवान शिवजी पर क्यों चढ़ाया जाता है? भोले नाथ को आक, धतूरा, भांग आदि शिव को चढ़ाने की जो परिपाटी है, उसके पीछे यही तथ्य छिपा है कि प्रत्येक वस्तु और व्यक्ति के अंदर अच्छे–बुरे दोनों पहलू होते हैं, इन नशीले और विषाक्त पदार्थों को शिव को अर्पित करने का अर्थ हुआ उनके द्वारा शिव–शुभ (औषधीय गुण) को स्वीकार करना किन्तु उनकी अशुभ–व्यसनप्रवर्ती का त्याग कर देना। लाइफ मैनेजमेंट के अनुसार, भगवान शिव को भांग धतूरा चढ़ाने का अर्थ है अपनी बुराइयों को भगवान को समर्पित करना। ऐसा करने से भगवान की कृपा आप पर बनी रहेगी और जीवन सुखमय होगा। आदिकाल से लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ठ गुरु भोलेनाथ से जुड़े रोचक रहस्य पार्ट–5 शिवजी केवल मृगछाल ही क्यों धारण करते हैं? निसंदेह समाज में वो ही व्यक्ति वंदनीय होता हैं जो अपरिग्रही हो जिसके जीवन संसार में शांति स्थापित करने के लिए हो। महावीर स्वामी से हजारों साल पहिले भोलेनाथ ने अपरिग्रही बनने का सन्देश देते हुए खुद के शरीर पर मात्र मृगछाल धारण किया क्योंकि केवल मृगछाल धारण करना अपरिग्रह का प्रतीक है। निसंदेह शिव सर्व समाज के सर्वमान्य देवता हैं। शिवरात्रि व्रत मनाने का अधिकार ब्राह्मण से लेकर चंडाल तक सभी को है। भोले बाबा के लिए सब एक समान हैं। भगवान शिव महायोगी भी कहलाते हैं, उन्होंने योग साधना के द्वारा अपने जीवन को पवित्र कियाहै, वे असीमित गुणों के अक्षय भंडार हैं।

देवों के देव महादेव का वाहन नंदी बैल क्यों? जहाँ बैल को खामोश एवं उत्तम चरित्र समर्पण भाव वाला बताया गया है, वहीं दूसरी तरफ बैल बल और शक्ति का भी प्रतीक है। बैल जब क्रोधित होता है तो सिंह से भी भिड़ लेता है। जिस तरह गायों में कामधेनु को श्रेष्ठ माना जाता है उसी प्रकार बैलों में नंदी श्रेष्ठ है। शिवरात्री के पावन पर्व हम सभी सनातन धर्मी भारत वाशी संकल्प लें कि हम समाज के विभिन्न धर्मालंबी लोगों के साथ मिलजुल कर रहेंगे एक–दूसरे का सम्मान करके प्रेम पूर्ण समंध बनायेंगे। समाज के अंदर ऊँच नीच का भेदभाव मिटाने के लिये काम करेंगे। आदिकाल के सर्वश्रेष्ठ मेनेजमेंट गुरु भोलेनाथ अपने परिवार के अंदर निवास करने वाले विपरीत स्वभाव वालों के साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो हम विभिन्न धर्मो के अनुयायियों हिदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, फ़ारसी, जैन देशवासियों को साथ लेकर क्यों नहीं जीवन व्यापन कर सकते हैं? सही मायने में भगवान शिव की सच्ची पूजा आराधना तभी होगी जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन के अंदर धारण करके मिलजुल कर प्रेमपूर्वक एक परिवारकी भार्ती रहगें। ॐनमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय,ॐ नमः शिवाय परिवार संतुलन की पारिवारिक सुखों का मूल आधार है। 'हम दो हमारे दो एवं छोटा परिवार सुखी परिवार' का शाश्वत प्रतीक है। शिव जी के दो पुत्र गणेश एवं कार्तिकेय हैं। सुखी और सम्पन्न परिवार के मुखिया का सबसे बड़ा गुण यह होना चाहिये कि वह अपने सुख से अधिक अपने परिजनों के सुख की चिन्ता करे और इसके निमित्त खुद की सुख सविधा का त्याग करे। मनुष्य के जीवन में तीन मूल जरूरते–रोटी, कपड़ा और मकान ही होते है।

'सनातन धर्मी भगवान की साकार और निराकार रूप भक्ति भाव के साथ पूजा–अर्चना, आराधना करते हैं। साकार रूप में शिव जी की देवों के देव महादेव नीलकंठ महादेव, भोले नाथ आदि रूपों में पूजा–अर्चना करते है। शिव जी के मस्तक पर अर्ध चन्द्रमा दर्शाता है कि अर्ध चन्द्रमा धीमे–धीमे अपने आकार मे विस्तार करके पूर्णिमा को विशाल आकार प्राप्त करके समस्त धरती के प्राणियों को शीतलता स्नेह प्रेम का अमृत पान करवाता है। इसीलिए मनुष्य को महादेव के निराकार रूप में पूजा–अर्चना करते हुए जीव निर्जीव पेड़–पौधे मे सदेव उपस्तिथि भगवान शिव को अनुभव करना चाहिए और शिव बन की प्रत्येक वस्तु मे शिव ही उपस्थित है ऐसा मान कर उनकी इस विराट स्वरूप को प्रतिक्षण देखना चाहिए और शिवमय बन जाना चाहिए, ऐसा करने पर हम सभी के अंदर शिव को देखगें और सभी को अपना स्नेह प्यार सम्मान दे कर खुद का और लोगो का जीवन सुखमय मनाने में सफल होंगे। शिव शिव का निरंतर स्मरण करें। हम शिव की उपासना भक्ति करते हुए सुखमय स्वस्थ जीवन का आनन्द लेने के लिए उनके गुणों से प्रेरणा लेनी चाहिए और उसी के अनुरूप जीवन जीना चाहिए। नीलकंठ महादेव की स्तुति उनके मन्त्र ॐ शिवाय नमः ॐ त्रिनेत्राय नमः .ॐ इन्द्रमुखाय नमः ॐ श्री कंठाय नमः से निरंतर करना चाहिए।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

हिंदी और राजस्थानी साहित्य में प्रो. कुन्दन माली का साहित्यिक अवदान अतुलनीय

गौरीकांत शर्मा

प्रदेश के समकालीन साहित्यकारों की अग्रिम पंक्ति में गिने जाने वाले उदयपुर के वरिष्ठ कवि, अनुवादक, आलोचक एवं सम्पादक प्रो. कुंदन माली का साहित्यिक अवदान हिंदी एवं राजस्थानी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। प्रो. माली को केंद्रीय साहित्य अकादमी का सर्वोच्च राजस्थानी साहित्य पुरस्कार के अतिरिक्त राजस्थान साहित्य अकादमी तथा राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, गुजरात हिंदी अकादमी सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। वे गुजरात विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त हुए, लेकिन हिन्दी और राजस्थानी दोनों भाषाओं में समान अधिकार के साथ उत्कृष्ट लेखन कर उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उन्हे राजस्थानी में आलोचना को स्थापित करने का श्रेय प्राप्त है। साथ ही कविता, अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने राजस्थानी साहित्य अकादमी की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका 'मधुमती' के आलोचना विशेषांक के संपादन सहित कुल 14 अंकों के संपादन के साथ ही अनेक संपादकीय दायित्वों का सफल निर्वहन किया है। अंग्रेजी से हिंदी तथा गुजराती से हिंदी में किए गए अनुवादों ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय पहचान दिलाई।

प्रो. माली के बारे में यह चर्चा इसीलिए समीचीन है कि हाल ही में उनके व्यक्तित्व एवं बहुआयामी साहित्यिक अवदान पर केन्द्रित पुस्तक 'निज के भीतर निज से इतर' का लोकार्पण हुआ, जिसमें समय–समय पर देशभर में प्रकाशित आलेखों, टिप्पणियों एवं समालोचनाओं के संकलन के साथ ही अनेक नामचीन साहित्यकारों द्वारा उनके व्यक्तिव व कृतित्व पर लिखे गए लेखों का संग्रह किया गया है। प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण उनके बारे में कहते हैं कि प्रो. कुन्दन माली का साहित्य मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक सरोकारों और जीवन मूल्यों का सशक्त दस्तावेज है। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्य को समाज से जोड़ते हुए नई वैचारिक दृष्टि प्रदान की है। श्रीनाथद्वारा के वरिष्ठ साहित्यकार माधव नागदा भी कमोबेश यही राय रखते हैं। वे कहते है कि कुंदन माली के आलोचनात्मक लेखन ने साहित्य को नई दिशा और गंभीर वैचारिक आधार प्रदान किया है। माली का रचना संसार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। इसी प्रकार बीकानेर के वरिष्ठ साहित्यकार नीरज दइया के अनुसार प्रो. माली का व्यक्तित्व जितना सहज है, उनका साहित्य उतना ही गहन और व्यापक है। हिंदी एवं राजस्थानी के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. माधोसिंह इन्दा कहते हैं कि प्रो. माली का लेखन जीवन, समाज और संस्कृति के गहरे सरोकारों को अभिव्यक्त करता है तथा नई पीढ़ी को गंभीर साहित्य सृजन की प्रेरणा देता है। इसी प्रकार उदयपुर की डॉ. मंजु चतुर्वेदी और बीकानेर के डॉ. मदन गोपाल लड्ढा प्रो. माली के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित पुस्तक निज के भीतर निज के इतर का जिक्र करते हुए इसकी विषयवस्तु को साहित्य जगत की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हैं।

बकौल पुस्तक के संपादक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय राजस्थानी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी, यह ग्रंथ डॉ. कुन्दन माली के समग्र साहित्यिक अवदान को एक स्थान पर प्रस्तुत करने का विनम्र प्रयास है। प्रो. माली नवोदित साहित्यकारों को आगे लाने में विशेष रूचि रखते हैं। उनके द्वारा प्रेरित कई युवा आज साहित्य के क्षेत्र में अच्छा योगदान कर रहे हैं। प्रो. माली उदयपुर के एक किसान परिवार से आते हैं लेकिन अपने गंभीर एवं स्तरीय लेखन के बल पर साहित्य के क्षितिज पर नक्षत्र की भांति चमक रहे हैं। निज के भीतर निज से इतर पुस्तक उस चमक को और बढ़ाने का कार्य करेगी।

गौरीकांत शर्मा, उप निदेशक,
सूचना एवं जनसंपर्क,
उदयपुर।

वोट आपका, भविष्य गांव-शहर का

आगामी ग्रामीण और शहरी चुनाव में आइए, कसम खाएं। न जाति पर वोट देंगे, न बिरादरी पर। वोट देंगे तो सिर्फ विकास पर। क्योंकि आपका एक वोट, आपके गांव–शहर को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाकर विकास की नई दिशा दे सकता है। लोकतंत्र का असली पर्व अब नजदीक है। गांव की पंचायत से लेकर शहर की नगरपालिका तक, सरपंच–पंच से लेकर पार्षद–चेयरमैन, एमपीएस, जिला परिषद सदस्य से लेकर प्रधान और जिला प्रमुख तक सभी के चुनाव होने वाले हैं।

लेकिन सवाल ये है–क्या हम फिर वही गलती दोहराएंगे? क्या फिर जात–बिरादरी, भाई–भतीजावाद और पैसे के लालच में वोट देकर 5 साल पछताएंगे? या इस बार ठानेंगे कि "विकास चाहिए, भ्रष्टाचार नहीं"। जैसे जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, उम्मीदवार घर–घर दस्तक देंगे। हर कोई बड़े–बड़े सपने दिखाएगा। कोई मोदी के नाम पर वोट मांगेगा। कोई मोदी और भाजपा की बुराई करके स्थानीय मुद्दे गिनाएगा। झूठे वादों और राष्ट्रीय नेताओं के नाम पर आपको अपना कीमती वोट नहीं गंवाना है।

याद रखिए आपके गांव की नाली, सड़क, पानी बिजली और स्कूल का जिम्मा उसी चुने हुए जनप्रतिनिधि का है। डिजिटल इंडिया के दौर में हमें "शिक्षित, ईमानदार और बेदाग छवि" वाले युवा चाहिए जो नए आइडिया से नवाचार कर गांव–शहर को भ्रष्टाचार मुक्त कर विकास की राह पर ले जाएं। ना कि चुनाव जीतकर सफाई बिजली सड़क के टेंडर पाने के लिए अपने सेवा के इमान को भूला कर ठेकेदार बन जाए और कमाई करने में लग जाएं। ध्यान रखें बिना ज्ञान वाला प्रतिनिधि 5 साल सिर्फ कुर्सी तोड़ेगा।

अबकी बार चुनें ईमानदार, शिक्षित और बेदाग चेहरा

पंचायत और नगरपालिका लोकतंत्र की सबसे छोटी और सबसे मजबूत इकाई होती है। वोट देने से पहले एक बार जरूर मंथन करें और सोचें अगर जड़ में ही दीमक लग जाएगी तो पेड़ कैसे हरा होगा? चुनाव आते ही जाति के नाम पर, रिश्तेदारी के नाम पर, शराब और पैसों के नाम पर वोट मांगे जाते हैं। और जीतने के बाद वही लोग विकास के पैसों को अपनी जेब और अपने चहेतों तक सीमित कर देते हैं। नतीजा 5 साल तक जनता सिर्फ वादे सुनती रह जाती है।

डिजिटल इंडिया का जमाना है। अब गांव में भी इंटरनेट है, मोबाइल है, जानकारी है। अब जरूरत है ऐसे प्रतिनिधियों की जो:शिक्षित हों ताकि सरकारी योजनाओं को समझकर उसका लाभ जनता तक पहुंचा सकें । युवा हों और नए आइडिया वाले हों जो परंपरागत तरीके से हटकर नवाचार करें। एक युवा सरपंच पूरे गांव को वाई–फाई से जोड़ सकता है। एक ईमानदार पार्षद शहर को कचरा मुक्त बना सकता है। इसलिए अबकी बार वोट देते समय ये 3 बातें याद रखें। चुनाव के दिन बटन दबाने से पहले खुद से ये 3 सवाल पूछें क्या यह व्यक्ति शिक्षित है और समस्या को समझता है। डिग्री नहीं, सोच और समझ देखें। क्या वो गांव–शहर की मूलभूत समस्याओं पर बोलता है? क्या इसकी छवि बेदाग है? क्या इस पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं? क्या ये सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करेगा या पूरे वार्ड/गांव के लिए? क्या इसके पास विकास का विजन है? सिर्फ वादे नहीं, प्लान पूछें। गांव और शहर का भाग्य 5 साल के लिए आप 1 दिन में तय करते हैं। अगर इस बार भी हमने जाति और भाई–भतीजावाद में वोट दिया, तो अगले 5 साल तक भ्रष्टाचार और अविकास को कोसते रहेंगे। लेकिन अगर इस बार हमने एकजुट होकर योग्य, ईमानदार और शिक्षित युवा को मौका दिया, तो यकीन मानिए – आपका गांव "आदर्श गांव" बन सकता है और आपका शहर "स्मार्ट सिटी"।

आगामी ग्रामीण और शहरी चुनाव में आइए, कसम खाएं। न जाति पर वोट देंगे, न बिरादरी पर। वोट देंगे तो सिर्फ विकास पर। क्योंकि आपका एक वोट, आपके गांव–शहर को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाकर विकास की नई दिशा दे सकता है।

मुकेश सोनी, वरिष्ठ पत्रकार।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 10 अगस्त, 2026

सावन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, आर्द्रा नक्षत्र दिन 12:27 तक, वज्र योग रात्रि 10:27 तक, तैतिल करण प्रातः 8:01 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:43 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा रात्रि 4:35 से आरम्भ होगी। आज सोम प्रदोष व्रत, दूसरा सावन वन सोमवार व्रत है। आज त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 2:38 तक, शुभ 9:16 से 10:54 तक, चर 2:10 से 3:49 तक, लाभ-अमृत 3:49 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:05

मेष
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मनः स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

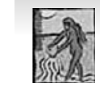

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना बन सकती है।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

बेंगलुरु के प्रवासी राजस्थानी संगम में मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिया ''पधारो म्हारे देश'' का निमंत्रण

जयपुर में 10 दिसम्बर को होगा प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह का आयोजन

-कार्यालय संवाददाता-

बेंगलुरु/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की मिट्टी की खुशबू पूरी दुनिया में फैला रहे हैं और अपनी संस्कृति, परंपरा एवं ऐतिहासिक गौरव को भी प्रतिष्ठित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम और योगदान की भावना को 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान में दिखाया है और पूरे उत्साह, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी भागीदारी भी निभाई है। राजस्थान से अपने अटूट नाते के साथ जल संरक्षण के क्षेत्र में सामाजिक सरोकार के कार्यों को बढ़ावा दिया है।

उन्होंने जयपुर में 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह के लिए 'पधारो म्हारे देस' का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से राजस्थान की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान भी किया। मुख्यमंत्री रविवार को बेंगलुरु में आयोजित प्रवासी राजस्थानी संगम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, प्रवासी भारतीय समुदाय को देश का ब्रांड एंबेसडर मानते हैं। मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान सऊदी अरब, दुबई, रियाद और बहरीन में प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स द्वारा भारतीयों की सहायता के कार्यों की सराहना की। देर शाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेंगलुरु में राजस्थान फाउंडेशन के विभिन्न चैप्टर्स के अध्यक्षों के साथ चर्चा भी की।

बेंगलुरु में आयोजित प्रवासी राजस्थानी संगम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सांसद डॉ. सतीश पूनियां का प्रवासी राजस्थानियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

- प्रवासी राजस्थानी पूरी दुनिया में फैला रहे मातृभूमि की महक और संस्कृति : भजनलाल शर्मा
- व्यापार केवल ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ट्रांसफॉर्मेशन का भी माध्यम बने। प्रवासी, सेवा-सरोकार के जरिए प्रदेश की विकास यात्रा में भागीदारी निभाएं : मुख्यमंत्री

तेज आर्थिक विकास की राह पर राजस्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान तेज आर्थिक विकास कर रहा है और देश के अग्रणी राज्यों के रूप में उभर रहा है। राजस्थान देश की 7वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। राज्य की जीएसडीपी वृद्धि दर 12 प्रतिशत से अधिक है और प्रति व्यक्ति आय 2 लाख रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 2030 तक 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कारोबार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनमें एमएसएमई के लिए कन्सेंट टू ऑपरेट की अधिकतम समय सीमा 120 दिन से घटाकर 30 दिन तथा बड़े उद्यमों के लिए 60 दिन करना शामिल है। वहीं, अप्रदूषणकारी व्हाइट कैटेगरी उद्योगों की सूची 104 से बढ़ाकर 877 की गई है। निवेशकों की सुविधा के लिए राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली राज निवेश से प्रदान की जा रही सेवाओं का विस्तार किया गया है। राजस्थान इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी-2026 के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों के सुव्यवस्थित विकास को बढ़ा रहे है। साथ ही राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम, राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024 और एक जिला-एक उत्पाद पॉलिसी के माध्यम से उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

टेक्नोलॉजी और उद्यमशीलता का संगम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के बाद प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग बढ़ा है। बेंगलुरु की टेक्नोलॉजी और राजस्थान की उद्यमशीलता को मिलाकर विकास का नया अध्याय लिखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार केवल ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वह ट्रांसफॉर्मेशन का माध्यम भी बनना चाहिए। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से व्यापार को केवल बैलेंस शीट तक सीमित ना रखकर सेवा और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से राजस्थान को समृद्ध बनाने में योगदान देने का आ ान किया।

कर्नाटक में राजस्थान भवन के लिए प्रयास

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया और कहा कि उनके अनुभव, सुझाव और सहभागिता के जरिए राजस्थान की विकास यात्रा को और गति मिलेगी। साथ ही, कर्नाटक में राजस्थान भवन की स्थापना की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों को स्थायी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक केंद्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कर्नाटक सरकार से संपर्क किया गया है और इस दिशा में हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। राजस्थान फाउंडेशन के बेंगलुरु चैप्टर के अध्यक्ष सचिन पांड्या ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी संगम कार्यक्रम व्यापार, विकास और संस्कृति का ऐतिहासिक संगम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के बाहर शुरू की गई ई-मित्र सेवा से प्रवासी राजस्थानियों को काफी फायदा मिल रहा है। प्रवासी राजस्थानी अपनी जन्मभूमि राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में सांसद डॉ. सतीश पूनिया, लहर सिंह सिरोया, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर, ख्यातनाम संगीतकार डॉ. रिकी केज, राजस्थान फाउंडेशन के विभिन्न चैप्टर्स के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

'प्रदेशभर में आज रात 12 बजे से बंद होगा निजी बसों का संचालन'

परिवहन विभाग की कार्रवाई के विरोध में निजी बस ऑपरेटरों ने किया आंदोलन का ऐलान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। परिवहन विभाग की लगातार चालानी और अन्य कार्रवाई के विरोध में प्रदेश के निजी बस ऑपरेटरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन की ओर से 10 अगस्त की रात 11.59 बजे से प्रदेशभर में निजी बसों का संचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। हड़ताल के चलते निजी बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

- एसोसिएशन ने सभी बस ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों को हड़ताल समाप्त होने तक बसों की अग्रिम और ऑनलाइन बुकिंग बंद रखने के निर्देश दिए हैं

राजधानी जयपुर के एक निजी होटल में प्रदेशभर के बस ऑपरेटरों और विभिन्न बस संगठनों की प्रांतीय बैठक में एसोसिएशन अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि परिवहन विभाग की ओर से बस संचालकों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई से व्यवसायियों में रोष है। बैठक में प्रदेशभर से आए बस मालिकों और ऑपरेटरों ने सामूहिक रूप से आंदोलन का निर्णय लिया।

एसोसिएशन ने सभी बस ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों को हड़ताल समाप्त होने तक बसों की अग्रिम और ऑनलाइन बुकिंग बंद रखने के निर्देश दिए हैं। ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म पर भी बुकिंग विंडो बंद रखने को कहा गया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि हड़ताल के दौरान निर्देशों का उल्लंघन कर बुकिंग करने वाले ऑपरेटर या एजेंट के खिलाफ संगठनात्मक स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बस ऑपरेटरों ने कहा कि आंदोलन किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि प्रदेश के बस व्यवसाय से जुड़े लोगों के हितों के लिए है। उनका कहना है कि परिवहन विभाग की कार्रवाई और उनकी मांगों का स्थायी समाधान होने तक हड़ताल जारी रहेगी। संगठनों ने सभी बस ऑपरेटरों और एजेंटों से सामूहिक निर्णय का पालन करते हुए आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

90 वर्षीय बुजुर्ग से 3 साल में 9 लाख रुपए ठगे

मैरिज ब्यूरो के नाम पर बदमाशों ने बातों में फंसाकर बदनाम करने की धमकी देकर डराया

जयपुर। महेश नगर थाना इलाके में मैरिज ब्यूरो के कर्मचारी बनकर शातिर जालसाजों ने 90 वर्षीय बुजुर्ग को अपने जाल में फंसाकर करीब 9 लाख रुपए ऐंठ लिए। आरोपियों ने बुजुर्ग को बदनाम करने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देकर करीब तीन साल तक ब्लैकमेल किया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बुजुर्ग के बेटे ने बैंक खाते की जानकारी जांची। पीड़ित के बेटे ने महेश नगर थाने में मामला दर्ज कराया है।

एएसआई कैलाश चंद ने बताया कि महेश नगर निवासी 79 वर्षीय व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार उनके 90 वर्षीय पिता के मोबाइल पर वर्ष 2022 में 'शादी सेंटर डॉट कॉम' नाम की कंपनी से जुड़े कुछ अनजान कर्मचारियों ने फोन किया था। बातचीत के दौरान आरोपियों ने बुजुर्ग को अपनी बातों में फंसा लिया। इसके बाद उन्हें झूठे मामलों में फंसाने और बदनाम करने की धमकियां देकर डराया-धमकाया जाने लगा।

आरोपियों ने धमकियों का भय दिखाकर बुजुर्ग से रुपए मांगना शुरू कर दिया। पिछले करीब तीन साल में अलग-अलग समय पर ब्लैकमेल कर उनसे करीब 9 लाख रुपए वसूल लिए। इस दौरान बुजुर्ग ने परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी।

कुछ समय बाद जब बेटे को रुपयों की जरूरत पड़ी तो उसने अपने पिता से बैंक खाते को लेकर बातचीत की। पिता की ओर से बैंक खाते की जानकारी देने में आनाकानी करने पर बेटे ने तसल्ली देकर पूछताछ की।

इसके बाद बुजुर्ग ने बेटे को आरोपियों की ओर से किए जा रहे ब्लैकमेल और रुपए वसूलने की पूरी बात बताई। बेटे ने बैंक खाते की डिटेल निकाल कर जांच की तो पिछले करीब तीन साल में अलग-अलग लेन-देन के जरिए करीब 9 लाख रुपए दिए जाने का पता चला। इसके बाद महेश नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर ब्लैकमेल करने वाले आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

लोकतंत्र सैनानियों ने जताया आभार

जयपुर। लोकतंत्र सैनानियों ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का आपातकाल बंदियों को लोकतंत्र सेनानी का सम्मान दिए जाने के लिए समवेत स्वर से आभार जताया है। लोकतंत्र सेनानी संघ, जयपुर के रविवार को यहां आयोजित संभागीय समारोह में आभार सहित कई प्रस्ताव पारित किए गए। प्रदेश महामंत्री राजेंद्र राज ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने आपातकाल में मीसा और डीआईआर के बंदियों को पहली बार प्रदेश में लोकतंत्र सैनानी के सम्मान से नवाजा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया ''वन स्टॉप सेंटर'' का निरीक्षण

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुरिया अस्पताल स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री ने वन स्टॉप सेंटर पर उपस्थित पीड़ित महिला से उसकी समस्या के संबंध में विस्तार से जानकारी ली तथा उसे उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध एवं संवेदनशील तरीके से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वन स्टॉप सेंटर पर पूर्व में दर्ज प्रकरणों की भी जानकारी ली तथा संबंधित मामलों में पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई गई सहायता एवं वर्तमान स्थिति के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने केंद्र में संधारित रिकॉर्ड, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त महिला अधिकारिता राकेश राजोरिया, उप निदेशक कुंतल बिश्नोई, डॉ. राजेश डोगीवाल, सुनीता मीणा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुरिया अस्पताल में वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान पीड़ित महिला से फीडबैक लिया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर पर आने वाली पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा, परामर्श, चिकित्सा, विधिक सहायता सहित आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाली प्रत्येक पीड़ित महिला की समस्या को संवेदनशीलता से सुनते हुए उसे आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

दुष्कर्म आरोपी समेत 5 गिरफ्त में

जयपुर। खोह नागोरियान पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अलग-अलग कार्रवाई करते हुए नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक युवक को भी पकड़ा। इसके अलावा लंबे समय से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर उनके वारंट का निस्तारण किया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा कि नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ अलग-अलग स्थानों पर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी सौरभ मीणा (23) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मूल रूप से सलेमपुर खुर्द, भूसावर, भरतपुर का निवासी है और वर्तमान में सेक्टर-6, इंदिरा गांधी नगर, खोह नागोरियान में रह रहा था।

'नड्डा का जयपुर आकर भी प्रसूताओं की मौतों पर समीक्षा न करना दुर्भाग्यपूर्ण'

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के जयपुर दौरे के दौरान प्रदेश में प्रसूताओं की मौतों के मामले में समीक्षा बैठक नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे भाजपा सरकार की असंवेदनशील कार्यशैली बताते हुए कहा कि महिला स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता में नहीं है।

जूली ने कहा कि नड्डा रविवार को जयपुर में थे। ऐसे में उन्हें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सरकारी अस्पतालों में प्रसूताओं की मौतों के मामलों की जानकारी लेकर स्वास्थ्य मंत्री और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि बैठक में मौतों के कारणों की समीक्षा के साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर चर्चा होनी चाहिए थी। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से इस गंभीर मुद्दे पर अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई।

उन्होंने कहा कि माताओं की मौतों पर सरकार की चुप्पी से स्पष्ट है कि भाजपा के लिए जनस्वास्थ्य से ज्यादा राजनीतिक गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं। जयपुर में आयोजित तिरंगा रैली पर भी जूली ने निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस विचारधारा ने भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया और तिरंगे के सम्मान को लेकर सवालों के घेरे में रही, वही आज तिरंगा यात्राएं निकालकर देशवासियों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने इसे राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित बताते हुए कहा कि जनता भाजपा के इस कथित दोहरे चरित्र को समझ चुकी है।

नाम परिवर्तन

मैंनें अपनी पुत्री का नाम ELIN FATEMA ANSARI से बदल कर ELIN FATIMA ANSARI पुत्री अब्दुल शाहिद निवासीः- 25 अलेक्जेण्डर कॉलोनी, अमृतपुरी, घाटगेट, जयपुर रख लिया है, भविष्य में उसे ELIN FATIMA ANSARI के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैं राधा देवी मेरी जन्म दिनांक 01.01.1961 गलत है मेरी सही जन्म दिनांक 01.02. 1960 है आगे से मेरी जन्मदिन 01.02.1960 मानी जावे पता E-51 जगदंबा कॉलोनी अंबाबाड़ी नया खेड़ा जयपुर

मैं, संतरा कुमावत D/o हंसराज कुमावत, निवासी गोवेर्धनपुरा, सरवाड़, अजमेर राजस्थान- 305403. मैने अपना नाम संतरा कुमावत से बदलकर सुनिता कुमावत कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाएं।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजधानी जयपुर में शनिवार देर रात से लेकर रविवार शाम तक रिमझिम बारिश का दौर चला। इससे जयपुर परकोटे समेत शहर के अधिकांश इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गयी। इस कारण वाहन चालकों और पैदल जाने वाले लोगों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। फोटो-राष्ट्रदूत

छापरवाड़ा बांध में डूबे युवक का शव एसडीआरएफ ने निकाला

जयपुर। दूदू क्षेत्र स्थित छापरवाड़ा बांध में डूबे 27 वर्षीय युवक का शव रविवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाल लिया। मृतक की पहचान गिरधारीपुरा थाना करणी विहार जयपुर निवासी विकास पुत्र कालूराम हरिजन के रूप में हुई है। एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया के अनुसार रविवार सुबह जयपुर ग्रामीण पुलिस कंट्रोल रूम से छापरवाड़ा बांध में युवक के डूबने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही बटालियन मुख्यालय गाडोता में तैनात ए-05 रेस्क्यू टीम के प्रभारी हेड कांस्टेबल पोखरमल के नेतृत्व में नौ जवानों की टीम को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। एसडीआरएफ टीम घटनास्थल पहुंची। पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में ग्रामीणों ने भी अपने स्तर पर युवक की तलाश की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसडीआरएफ के रेस्क्यू टीम जवान रामधन, झाबरमल, फूलचन्द, पुरुषोत्तम, मुनेश, नरेश, अनिल, ओमप्रकाश और लखन ने बांध में उतरकर तलाश शुरू की।

5 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपए के इनामी वांछित बदमाश नवरतन बैरवा (30) को गिरफ्तार किया है। आरोपी वारदात के बाद से पुलिस को चकमा देकर लगातार ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और सूचना तंत्र की मदद से उसे पकड़ लिया। वारदात के बाद से फरार होने के कारण डीसीपी जयपुर दक्षिण की ओर से उसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी को पकड़ने में कांस्टेबल उमेश और रामस्वरूप की विशेष भूमिका रही।

प्राचार्य एवं अध्यक्ष, महारानी जया राजकीय महाविद्यालय विकास समिति, भरतपुर (राज.)

क्रमांकः 1968-71 | दिनांक : 8/8/26

ई-निविदा सूचना संख्या 06/2026-27

महाविद्यालय के विभिन्न कार्यों के सम्पादन हेतु महाविद्यालय विकास समिति मद से बोलीदाताओं / संवेदकों / सेवा प्रदाताओं से एक वर्ष हेतु कार्मिकों की आपूर्ति हेतु दिनांक 17.08.2026 सांय 4:00 बजे तक ई निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना प्रपत्र एवं शर्तें http://sppp.rajasthan.gov.in एवं eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं। निविदा संबंधी अन्य जानकारी हेतु महाविद्यालय के कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

NIB NO. CODE : ECD2627A0372
UBN NO IS : EDC2627SLOB00389

प्राचार्य

तीये की बैठक

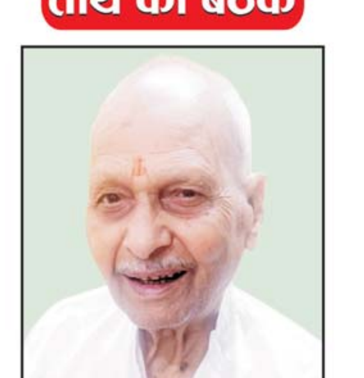

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूजनीय पिताजी

आर्किटेक्ट विश्वनाथ शर्मा (फलोड)

का बैकुण्ठवास दिनांक 08.08.2026 को हो गया है। तीये की बैठक आज दिनांक 10.08.2026 को सायं 5 से 6 बजे तक महावीर स्कूल सी-स्कीम, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल परिवार

हरीमोहन-शिवबाला, कृष्णमोहन-सन्तोष, शिवमोहन-इन्द्रा (पुत्र-पुत्रवधू), नरेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार (भ्राता), नरेश, दिनेश, लोकेश, प्रतीक, प्रवीण, प्रशान्त (भतीजे), नवीन, हर्ष, डॉ.गौरी, डॉ.ऋषि, एडवोकेट लक्ष्य, उदय, धनंजय, आयुष्मान, अद्विक (पौत्र), स्वाती-अरविन्द भाभडा, श्वेता-नितीश शर्मा (पौत्री-दामाद) एवं समस्त फलोड परिवार

विश्व प्रेम चैम्बर्स, अजमेर रोड, जयपुर

मो.: 9660961113, 9828011025, 9828112525

नाबालिग से गैंगरेप मामले में पुलिस ने 600 पन्नों की चार्जशीट पेश की

चार्जशीट में 22 लोगों को आरोपी बनाया, स्पायर इन होटल का प्रबंधक राकेश अभी भी फरार है

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहा 13 साल की नाबालिग से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने चार्जशीट पेश कर दी है। विशेष अदालत में करीब 600 पन्नों की चार्जशीट में 22 लोगों को आरोपी बनाया गया है। वहीं, स्पायर इन होटल का प्रबंधक राकेश अभी भी फरार है। चार्जशीट में होटलों की रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल, लोकेशन डेटा और सोशल मीडिया चैट शामिल हैं।

- **मामला 22 जून को सामने आया था, आरोप है कि 13 साल की नाबालिग से तीन होटलों में ले जाकर गैंगरेप किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था**
- **पुलिस अब पीड़िता और उसकी मां के बयान जल्द दर्ज करवाने की कोशिश कर रही है**

जानकारी के अनुसार मामला 22 जून को सामने आया था। आरोप है कि 13 साल की नाबालिग से तीन होटलों में ले जाकर गैंगरेप किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। प्रशासन ने तीनों अवैध होटलों को ध्वस्त करवा दिया है। पुलिस अब पीड़िता और उसकी मां के बयान जल्द दर्ज करवाने की कोशिश कर रही है। वहीं, इससे पहले 6 अगस्त को नगर परिषद आयुक्त मिलखराज चुघ के आदेश पर टीम ने पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में कार्रवाई की। बस स्टैंड के सामने स्थित होटल वैलकम और मिनी मायापुरी स्थित होटल किंग स्टार को सीज कर उनका संचालन रोक दिया गया। होटल संचालकों को पहले नोटिस जारी कर दस्तावेज, लाइसेंस और जरूरी अभिलेख पेश करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय में ये पेश नहीं किए गए। नियमों की लगातार अनदेखी देखते हुए सीज की कार्रवाई की गई। टीम को विरोध का सामना भी करना पड़ा, लेकिन पुलिस मौजूदगी में प्रक्रिया शांतिपूर्वक पूरी हुई।

कोटा में कार से 46 किलो डोडा चूरा बरामद, एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स टीम की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नारकोटिक्स टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 46.360 किलो डोडा-चूरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक कार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा को मारवाड़ा क्षेत्र की ओर ले जाया जा रहा है एवं कार को एक बाइक सवार द्वारा एस्कॉर्ट किया जा रहा है। सूचना पर सीबीएन चित्तौड़गढ़ के अधिकारियों की टीम का गठन कर टीम को मौके पर रवाना किया गया। टीम द्वारा संदिग्ध मार्ग पर निगरानी रखी गई, टीम ने मौके पर एस्कॉर्ट कर रही बाइक की पहचान कर बाइक को रोका गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम द्वारा पूछताछ में सामने आया कि बाइक सवार एक किलोमीटर पीछे चल रही कार को घोसुंडा बांध की ओर से एस्कॉर्ट कर रहा है। टीम ने मौके पर कार की तलाश शुरू की, टीम ने घोसुंडा बांध भदेसर चित्तौड़गढ़ के पास एक स्कूल के पीछे कार को बरामद किया, मौके पर कार चालक को काफी तलाश किया, लेकिन कार चालक का कुछ पता नहीं चला। टीम द्वारा मौके से वाहन को कार्यालय लाकर कार की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कार में से तीन बैगो में अवैध मादक पदार्थ 46.360 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। समस्त कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत अवैध बरामद डोडा चूरा व कार को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए बाइक सवार को गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

नशे के आदी 10 व्यक्तियों को नशामुक्ति केन्द्र दाखिल कराया : कोटा में नशे की प्रवृति पर अंकुश लगाने के लिये पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत नयापुरा पुलिस टीम ने नशे के आदी 10 लोगों को नशामुक्ति केन्द्र में दाखिल कराया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि युवाओं और आमजन में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने तथा पीड़ितों के पुनर्वास के लिए जिला पुलिस द्वारा चलाई जा रही विशेष सुधारात्मक मुहिम के तहत नयापुरा थानाधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा रविवार को नशा पिडित अली खान, बन्टी, बन्टी सिंह, खलील मोहम्मद, अब्दुल अजीज, प्रेमचन्द, ओमप्रकाश, नर सिंह, रोशन व सुमित को चिन्हित कर उन्हें उचित इलाज देखभाल और काउंसलिंग के लिए कोटा के प्रमाणित नशा मुक्ति केंद्र में दाखिल करवाया गया है।

महाजन फायरिंग रेंज में 1500 लीटर डीजल चोरी

रात में घुसे 15 अज्ञात चोर, सैन्य जवानों को देखकर फरार हो गये

अरजनसर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के पूर्वी कैंप में एक बार फिर डीजल चोरी का मामला सामने आया है। रात के अंधेरे में लगभग 15 अज्ञात लोग दो वाहनों में सवार होकर रेंज की सीमा तोड़कर अंदर घुस गए। उन्होंने तीन अलग-अलग स्थानों से करीब 1500 लीटर डीजल ड्रमों में भर लिया। आरोपी डीजल को वाहनों में भरकर ले जाने की तैयारी में थे, तभी सैन्य जवानों की उन पर नजर पड़ गई। जवानों ने संदिग्धों को ललकारा, जिसके बाद वे डीजल से भरे ड्रम वाहनों में डालकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद सैन्य अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। इसके उपरांत महाजन पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। जांच के दौरान वारदात में इस्तेमाल किए गए संदिग्ध वाहनों के पंजीकरण से जुड़े अहम सुराग लगभग छह घंटे के भीतर जुटा लिए गए हैं। इन सुरागों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, रेंज से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले संभावित संदिग्धों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज एक अत्यंत संवेदनशील सैन्य क्षेत्र है, जहां आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित है। ऐसे में रात के समय लगभग 15 लोगों का दो वाहनों के साथ रेंज की सीमा तोड़कर अंदर घुसना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जांच एजेंसियां संदिग्ध वाहनों, रेंज से जुड़े प्रवेश मार्गों, आसपास के ग्रामीण इलाकों और डीजल चोरी की इस वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की गहन पड़ताल कर रही हैं। इस घटना ने फील्ड फायरिंग रेंज की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अलवर में लैपर्ड ने आठ बकरियों का शिकार किया

अलवर, (निसं)। अलवर के निकट रायबका से आगे बुआका गांव में लैपर्ड ने 8 बकरियों का शिकार कर दिया। गांव में अचानक लैपर्ड के आने और बकरियों को मारने की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, घटना आज सुबह करीब 4 बजे की है। लैपर्ड ने गांव में 3 अलग-अलग जगहों पर हमला किया। लैपर्ड ने एक बकरे का मांस खाया, जबकि अन्य बकरियों की गर्दन मरोड़ दी। हालांकि लैपर्ड के बाजरे के खेतों में छुपे होने के कारण अभी तक पकड़ में नहीं आया।

गांव के निवासी ने बताया कि तड़के करीब चार बजे लैपर्ड ने हमला कर 8 बकरियों को अपना शिकार बनाया। इसमें से डहकीन खान पुत्र रहमान की 5 बकरी, हज्जू की 2 बकरी और आशू की 1 बकरी शामिल है। लैपर्ड ने एक बकरे के हिस्से को नुकसान पहुंचाया और बाकी की गर्दन मरोड़कर उन्हें मार डाला। सुबह करीब 9 बजे गांव की महिला जुम्मी ने बाजरे के खेत में संदिग्ध जानवर देखे जाने की सूचना दी। गांव के युवक अशोक डाबड़ ने बताया कि लैपर्ड फिलहाल बाजरे के खेतों में छिपा हुआ है और ग्रामीण उसे तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। हालांकि, बाजरे की खड़ी फसल होने के कारण लैपर्ड को पकड़ने में दिक्कत आ रही है और देर शाम तक वह पकड़ से बाहर था।

इस मामले में वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि वन क्षेत्रों में मानव जाति का दखल बढ़ा है। आधुनिकीकरण की दौड़ में हम दौड़ रहे हैं। वन्यजीव भी गांवों में आ जाते हैं। अभी लैपर्ड के आने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कुछ बकरियों पर हमला किया गया है। नियम के अनुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। लैपर्ड का अभी वहां विचरण है तो उसे पकड़कर जंगल छोडा जाएगा।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर बचाव में आए युवक की चौकीदार ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी तथा एक युवक को घायल कर दिया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात में सविना थाना क्षेत्र तितरड़ी कैलाश कंवर उर्फ सपना कंवर के मकान में चौकीदारी करने वाले अन्नासिंह पुत्र रूपसिंह निवासी रूनारेल आसिन्द भिलवाड़ा ने हेमराम जाट पुत्र रामूराम जाट निवासी बालवा सदर नागौर की चाकू घोंप कर हत्या कर दी तथा साथी सुखदेव को घायल कर फरार हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर पुलिस टीम ने आरोपी अन्नासिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बिजली सप्लाई को लेकर ट्रांसफार्मर पर चढ़ी महिला

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के रैणी इलाके में बिजली सप्लाई को लेकर एक अजीबोगरीब और खतरनाक ड्रामा देखने को मिला। भूड़ा गांव में एक महिला गुस्से में थ्री-फेज ट्रांसफार्मर के ऊपर जा चढ़ी। नीचे खड़े बिजली विभाग के कर्मचारी उसे समझाते रहे, लेकिन महिला तार खींचने और बहस करने में लगी रही।

- **नीचे खड़े बिजली विभाग के कर्मचारी समझाते रहे, लेकिन महिला तार खींचने और बहस करने में लगी रही**

अलवर के रैणी क्षेत्र से सामने आया यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला ट्रांसफार्मर के सबसे ऊपरी हिस्से पर जान जोखिम में डालकर खड़ी है। वह वहां लगे बिजली के तारों को हाथ से खींचती और हटाती दिख रही है। नीचे मौजूद विद्युत निगम के कर्मचारी उसे बार-बार नीचे उतरने की मिन्नतें करते नजर आए। निगम कर्मचारियों के समझाने के बावजूद महिला लगातार उनसे बहस करती रही। हद तो तब हो गई जब नीचे खड़ा उसका पति भी कर्मचारियों से उलझ पड़ा। वह कर्मचारियों से कहता सुनाई दिया कि मरती है तो मर जाने दो, ये तो लाइन काटकर ही नीचे आएगी। काफी देर तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों ने काफी मशक्कत कर महिला को समझा-बुझाकर सुरक्षित नीचे उतारा।

बिजली विभाग के अनुसार, बीते 4 अगस्त को इलाके में हुई बारिश और जलभराव के कारण भूड़ा फीडर के करीब छह बिजली के खंभे गिर गए थे। इसके चलते क्षेत्र के लगभग 400 उपभोक्ताओं की बिजली गुल हो गई थी। स्थिति को देखते हुए निगम ने आखोदा फीडर से अस्थाई रूप से सिंगल-फेज सप्लाई शुरू कर दी थी। हालांकि, खेतों में पानी भरा होने और खड़ी फसल के कारण थ्री-फेज सप्लाई चालू करने में कर्मचारियों को भारी दिक्कत आ रही थी। शाम को बिजली निगम के कर्मचारी शटडाउन लेकर थ्री-फेज सप्लाई को दुरुस्त करने का काम कर रहे थे, तभी यह पूरा विवाद खड़ा हो गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कनिष्ठ अभियंता ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दी है। बिजली विभाग ने पुलिस से विद्युत तंत्र के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में कार्रवाई करने की मांग की है। बिजली विभाग के अनुसार इस तरह की हरकत से विभाग को सरकारी कार्य करने में काफी बाधा का सामना करना पड़ा है।

अवैध नल कनेक्शन काटने गई जलदाय टीम से मारपीट

टोंक, (निसं)। अवैध नल कनेक्शन काटने पहुंची सदर थाना क्षेत्र में जलदाय विभाग की टीम के साथ दिव्यांग सरकारी टीचर, उसकी पत्नी और मकान मालकिन ने मारपीट करने और टीम को थप्पड़ व लात मारने जैसा मामला सामने आया है। इस घटना में एक कर्मचारी की बाइक को गिराकर तोड़फोड़ की गई है।

- **दिव्यांग सरकारी टीचर, उसकी पत्नी और मकान मालकिन ने मारपीट कर इंजीनियर को थप्पड़ जड़ दिया**

मामला सदर थाना क्षेत्र की द्वारिका नगरी का बताया गया है, जहां शनिवार देर शाम को हुआ, जिसके अन्तर्गत जलदाय विभाग के जेईएन व उनकी टीम को अवैध नल कनेक्शनों के सर्वे के बाद द्वारिका नगरी के निवासी एक पति-पत्नी ने उनसे झगड़ा करने के बाद दिव्यांग टीचर ने फीटर सुशील कुमार वर्मा पर डंडे से हमला कर दिया तथा पति-पत्नी और मकान मालकिन ने इंजीनियर अभिमन्यु जैना के साथ भी धक्का-मुक्की करते हुए विजय लक्ष्मी ने इंजीनियर को थप्पड़ भी जड़ दिया।

जिसके बाद जलदाय विभाग की टीम ने सदर थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराते हुए बताया कि कुछ दिन पहले इलाके में अवैध नल कनेक्शनों का सर्वे किया गया था, जिसमें आरोपियो के कुछ कनेक्शन अवैध मिले थे। इन्हीं कनेक्शनों को काटने के लिए शनिवार को जेईएन सुमन पटेल, फीटर सुशील कुमार वर्मा और सुपरवाइजर मोरवाल कुमावत गए थे। टीम एक मकान के सामने पहुंची, जिसमें अवैध कनेक्शन था, टीम ने बाहर से आवाज लगाई तो किरायेदार नेनू लाल (सरकारी टीचर) और उसकी पत्नी कविता गुर्जर बाहर आए। टीम ने उन्हें मकान में पानी के अवैध कनेक्शन के बारे में बताया। इस पर दोनों पति-पत्नी झगड़ा करने लगे। आरोप है कि नेनू ने फीटर सुशील कुमार वर्मा पर डंडे से हमला कर दिया। इसके बाद जलदाय विभाग की टीम कार्यालय लौट गई।

सदर थाना प्रभारी अंकेश कुमार ने बताया कि जेईएन की रिपोर्ट पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नेनू लाल इस कॉलोनी में किराए से परिवार सहित रहता है। नेनू लाल ने तो रिपोर्ट नहीं दी, लेकिन नेनू लाल के मकान मालिक ने बीती देर रात को एक रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया कि कई लोग उसके मकान में आए, मेरे किरायेदार नेनू लाल और उसके परिवार के साथ मारपीट की। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। नेनू लाल को देर रात शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया।

डूंगरपुर में विश्व आदिवासी दिवस पर संस्कृति की झलक दिखी

डूंगरपुर, (निसं)। सिर पर साफा और उस पर गोफन-पंख, हाथों में तीर-कमान... पुरुषों का यह पारंपरिक अंदाज और चांदी की हांसली-कड़े पहने महिलाओं की मौजूदगी रविवार को डूंगरपुर में आदिवासी संस्कृति की जीवंत तस्वीर पेश कर रही थी। विश्व आदिवासी दिवस पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में समाज ने महापुरुषों को याद किया और अपनी संस्कृति, परंपराओं के संरक्षण के साथ हक-अधिकारों की आवाज बुलंद की। आदिवासी दिवस के तोरण द्वार और झंडे लगाए।

- **पारंपरिक वेशभूषा में एकजुट हुए लोग, हक-अधिकारों की आवाज बुलंद की**

आदिवासी परिवार, भारत आदिवासी पार्टी और विभिन्न संगठनों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सुबह से ही समाज के लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पुरुष सफेद कुर्ता-धोती, सिर पर साफा और पारंपरिक प्रतीकों के साथ पहुंचे। महिलाओं ने लहंगा-चोली और दुपट्टे के साथ चांदी के पारंपरिक आभूषण पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया। शहर में भी जगह-जगह आदिवासी दिवस के तोरण द्वार और झंडे लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी समाज के महापुरुषों की तस्वीरों पर माल्यार्पण और पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद लोकगीतों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर चला। महिलाओं और पुरुषों ने गैर नृत्य सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की रीति-रिवाज, लोक परंपराओं और संस्कृति को आने वाली पीढ़ि यों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल रोत, संस्थापक सदस्य कांतिलाल रोत, जिलाध्यक्ष अनुतोष रोत सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज आज भी शिक्षा, रोजगार और आर्थिक स्तर पर पिछड़ा हुआ है। आदिवासी क्षेत्रों के विकास और समाज को उसके हक-अधिकार दिलाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज के विकास और अधिकारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रावधान किए गए हैं, लेकिन इनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में की गई हाई सिक्योरिटी के कारण इस बार न तो ट्रैफिक व्यवस्था में किसी प्रकार की आमजन को परेशानी हुई और न ही कहीं पर भी उड़दंग जैसी बाते सामने आई। खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आने वाले ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी विभिन्न मार्गों में भी आमजन को भी कोई परेशानी नहीं हुई।

टीनशेड भरभराकर ढहा, स्कॉर्पियो गाड़ी दबी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के रातानाडा क्षेत्र में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां एक पेट्रोल पंप के पास नाले पर टीन शेड लगाकर किया गया निर्माण अचानक ढह गया। इस हादसे में वहां खड़ी एक स्कॉर्पियो गाड़ी मलबे के नीचे दब गई, जिसे बाद में क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, यह हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ। मंदिर ट्रस्ट के राजशेखर ने बताया कि नाले के ऊपर मंदिर की दीवार बनी हुई थी, जो अचानक गिर गई।

नकली सोना देकर बैंक से लोन लेने के आरोप में सात जने गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 8 सोने जैसी धातु की चूड़ियां व कार जप्त की

टोंक, (निसं)। कोतवाली थानाधिकारी भँवरलाल वैष्णव के नेतृत्व में गठित टीम ने गोल्ड लोन कम्पनियों में नकली सोना रखकर लोन लेने वाली अन्तरराज्य गैंग का खुलासा करते हुये सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से 8 सोने जैसी धातु की चूड़ियां व दो कार जप्त की है।

मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुये तकनिकी संसाधनों व मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी अंकित शर्मा से पूछताछ के बाद अन्य वारदात करने की फिराक में जयपुर से आया हुये गिरोह जिसमें 6 अन्य सदस्यों को राउण्डअप किया जाकर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दोनों कारों से सोने जैसी धातु की चूड़ियां जप्त कर अनुसंधान प्रारम्भ कर दिया है। घटना में विजय बैंक मैनेजर केप्री गलोबल केपिटल लि. टोंक द्वारा गत 6 अगस्त को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि ब्रॉन्च में अंकित शर्मा पुत्र रामेश्वर शर्मा निवासी लाम्बा चमनपुरा को लोन की आवश्यकता है व उसके पास सोने की 4 चूड़ियां है, जिसके उपर लोन लेना चाहता है, अंकित शर्मा 8-9 महिने पहले भी हमारी ब्रान्च से 40000 रुपये का गोल्ड लोन ले चुका है, जो अभी चल रहा है। इसी वजह से हमे अंकित शर्मा पर विश्वास था।

- **आरोपी अंकित शर्मा से पूछताछ के बाद जयपुर से आया हुये गिरोह जिसमें 6 अन्य सदस्यों को राउण्डअप किया**

पुलिस द्वारा जब्त की गई आरोपियों की कारें।

कम्पनी के नियमानुसार हमारे द्वारा सोने की चूडियों को नियमानुसार चेक किया चूड़ियां सोने की होना प्रतित हुई। गहराई से चेक करने के लिये उन चूड़ियों पर हमने कट विधि के अनुसार एक चूड़ी पर कट लगा कर चेक किया तो वह सही होना प्रतित हुई, जिसके बाद अंकित शर्मा ने नाराजगी जाहीर करते हुए बोला कि एसे कट लगाने से तो मेरी चूड़ियां खराब हो जायेगी, जिसके बाद अंकित शर्मा पर भरोसा करके उन्होंने उसे 4 लाख 39 हजार रुपये स्वीकृत कर दिया। जिसके बाद व दुबारा 8 अगस्त को आया और बोला कि उसके मिलने वालों के पास 4-5 चूड़ियां सोने की है, जिस पर वह गोल्ड लेना चाहता है। जिसके बाद मैनेजर को अंकित शर्मा पर शक हुआ और पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया। जिसके बाद मौके पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी अंकित शर्मा को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो वह दोस्तों के साथ मिलकर बैंक के साथ धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया। जिसके बाद आरोपी अंकित शर्मा पुत्र रामेश्वर शर्मा निवासी लाम्बा चमनपुरा थाना मेहन्दवास, अजहरूद्दीन पुत्र अल्लानूर, भंवर सिंह पुत्र चैन सिंह, दीपक शर्मा पुत्र चौथमल शर्मा, सिकन्दर कुमावत पुत्र महेश कुमावत, शहजाद पुत्र शमशाद, भंवर लाल खारोल पुत्र कानाराम खारोल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरु किया गया।

देशभर में साइबर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

भोले-भाले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाकर साइबर ठगों को सौंप देते थे

कोटपूतली, (निसं)। जिला पुलिस की साइबर क्राईम टीम ने फर्जी और किराए के बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो भोले-भाले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाते थे और फिर उन्हें साइबर ठगों को सौंप देते थे।

पुलिस द्वारा चलाये जा रहे विशेष साइबर अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार पुलिस निरीक्षक दयाराम के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो मुख्य आरोपियों दीपान्शु (25) पुत्र कल्याण सिंह राजपूत व सूरज (24) पुत्र सत्यनारायण राजपूत दोनों निवासी बूटेरी, बानसूर को गिरफ्तार किया है।

- **खाता खुलते ही आरोपी एटीएम , पासबुक, सिम कार्ड और नेट बैंकिंग के क्रेडेंशियल्स आईडी व पासवर्ड अपने पास रख लेते थे**

पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि आरोपी स्थानीय ग्रामीणों और सीधे-साधे लोगों को सरकारी योजनाओं, भारी कमीशन और आसान पैसों का झांसा देकर अलग-अलग बैंकों में उनके नाम से फर्जी खाते खुलवाते थे। खाता खुलते ही आरोपी उनके एटीएम कार्ड, पासबुक, सिम कार्ड और नेट बैंकिंग के गोपनीय क्रेडेंशियल्स आईडी व पासवर्ड अपने पास रख लेते थे। इन म्यूल अकाउंट्स को ऑनलाइन गेमिंग, सट्टा, ट्रेडिंग और ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों को किराये पर दिया जाता था, ताकि देश भर से ठगी गई रकम को आसानी से ट्रांसफर किया जा सके। पुलिस ने जनता के लिए जरूरी चेतावनी जारी की है कि किसी भी अनजान या परिचित व्यक्ति के बहकावे में आकर अपना बैंक खाता, आधार कार्ड, पैन कार्ड या सिम कार्ड इस्तेमाल के लिए बिल्कुल ना दें। पैसों के लालच में अपना बैंक खाता किसी को देना या किराए पर देना कानूनी रूप से गंभीर अपराध है। इन खातों का उपयोग देश विरोधी गतिविधियों और साइबर ठगी में होता है, जिससे खाताधारक भी कानूनी कार्यवाही के घेरे में आ सकता है।

नियमों की अनदेखी पर चार फर्मों से जुर्माना वसूला

भीलवाड़ा (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर उपभोक्ता मामले विभाग ने विधिक माप विज्ञान (डिब्बाबंद वस्तुएं) नियमों के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विधिक माप विज्ञान अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान 4 फर्मों की जांच की गई। नियमों के उल्लंघन मिलने पर विभाग ने 75 हजार रुपए का जुर्माना वसूला।

सनरक्षक उद्योग इंडिया लिमिटेड, हमीरगढ़ पर जांच के दौरान पैकर रजिस्ट्रेशन नहीं पाये जाने पर 35 हजार का जुर्माना वसूला। अंजली फूड उद्योग, ईरास पर बाट एवं माप उपकरण असत्यापित पाए जाने पर 10 हजार का जुर्माना किया। उत्सव उद्योग, सुवाणा पर पैकर रजिस्ट्रेशन व बाट एवं माप उपकरण असत्यापित पाये जाने के कारण 15 हजार का जुर्माना वसूला। बजरंग रोलर फ्लोर मिल, रिको, पुर रोड पर पैकर रजिस्ट्रेशन नहीं होने एवं बाट व माप असत्यापित पाये जाने के कारण 15 हजार जुर्माना वसूला। लीगल मेट्रोपोलिटन के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित हो, इसके लिए जांच जारी रहेगी।

झांसा देकर नकदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी व साथियों के खिलाफ शादी कराने का झांसा देकर नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित भुपेन्द्र गोतम पटवा निवासी गप्तेश्वर नगर सेक्टर 4 हॉल ब्लॉक बी रिको उमरड़ा ने आरोपी जगन्नाथ, भानुराम, किशराराम भाऊ, बसंत महादु मोरे, ज्योति संजय काबले निवासी मेहकर महाराष्ट्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने अप्रेल 2026 में मेरी शादी ज्योति से करवाई थी। इसको लेकर 3 लाख रूपये का भुगतान किया था। शादी के मेहहानों को छोड़कर घर आया तो ज्योति गायब थी। इस पर उसकी तलाश की तो उसके भाग जाने की जानकारी सामने आई।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक :- 07.08.2026

आयोग द्वारा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाऐं राजस्थान, जयपुर के लिए गैर अनुसूचित क्षेत्र हेतु फिजियोथेरेपिस्ट के कुल 20 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या 05/2026-27 दिनांक 21.07.2026 जारी किया गया जिसके तहत् ऑनलाईन आवेदन की अंतिम दिनांक 21.08.2026 निर्धारित है। उक्त विज्ञापन के तहत् One Time Registration (OTR) के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे है एवं अभ्यर्थियों से अन्य कोई आवेदन शुल्क प्राप्त नहीं किया जा रहा है।

विभाग से प्राप्त पत्रानुसार उक्त भर्ती से संबंधित राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियम, 1965 में आवश्यक संशोधन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन होने के फलस्वरूप फिजियोथेरेपिस्ट के पदों पर भर्ती हेतु जारी विज्ञापन संख्या 05/2026-27 दिनांक 21.07.2026 को एतद् द्वारा प्रत्याहारित (Withdrawal) किया जाता है।

DIPR/C/____/2026 (आशुतोष गुंप्ता) सचिव

परीक्षा देकर लौट रहे युवकों को अगवा कर फिरौती वसूलने वाले गिरोह का पर्दाफाश

मुहाना थाना पुलिस ने गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया, पूछताछ शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। स्टेट हाईवे और रिंग रोड पर राहगीरों व वाहन चालकों से लूटपाट करने वाले गिरोह का मुहाना थाना पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जानकारी के अनुसार आरोपियों ने रेलवे ग्रुप-डी की परीक्षा देकर बाइक से घर लौट रहे दो युवकों को कार में अगवा कर लिया। एक युवक को कुछ दूरी पर छोड़ दिया, जबकि दूसरे को जंगल में ले जाकर हाथ-पैर बांधकर मारपीट की और परिजनों से 50 हजार रुपए की फिरौती वसूलने के बाद छोड़ा। पुलिस के अनुसार गिरोह का मुख्य सरगना कुशाल सांसी वारदात में इस्तेमालकार लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

■ **स्टेट हाईवे और रिंग रोड पर राहगीरों व वाहन चालकों से लूटपाट करते थे बदमाश**

डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि परिवादी कमलेश मीणा ने 6 अगस्त को मुहाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 5 अगस्त की शाम अपने दोस्त मीठालाल मीणा को रेलवे ग्रुप-डी की परीक्षा दिलाकर बाइक से घर लौट रहा था। रिंग रोड-डिग्गी रोड के पास कार सवार बदमाशों ने दोनों को रोककर अगवा कर लिया।

बदमाशों ने मीठालाल को करीब 5 से 7 किलोमीटर आगे ले जाकर छोड़ दिया, जबकि कमलेश को कार में डालकर जंगल की तरफ ले गए। वहां उसके हाथ-पैर बांध दिए और बुरी तरह मारपीट की। आरोपियों ने उसका मोबाइल, तीन चांदी की अंगूठियां और चांदी की चेन भी छीन ली। बदमाशों ने कमलेश को छोड़ने के बदले पहले 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी। बाद में रकम घटाकर 50 हजार रुपए कर दी। जान से मारने की धमकी देकर उसके भाई को 50 हजार रुपए लेकर बुलाया गया। रकम मिलने के बाद बदमाशों ने कमलेश को छोड़ दिया।

इधर वारदात को गंभीरता से लेते हुए मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने वारदात के स्थान से लेकर बदमाशों के संभावित रास्तों तक 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

तकनीकी अनुसंधान और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर घेराबंदी की और गिरोह के तीन सदस्य सुरेश चौधरी (22), निवासी केरिया वाली ढाणी, नेवटा रोड, मुहाना, जयपुर, दीपक बलाई उर्फ दीपू (23) निवासी पत्रकार कॉलोनी जयपुर और सुनील जांगिड़ (21), निवासी टोंक हाल निवासी सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया। वहीं पुलिस कार्रवाई के दौरान गिरोह का मुख्य सरगना कुशाल सांसी वारदात में इस्तेमाल कार लेकर मौके से फरार होने में सफल रहा।

पुलिस ने हाईवे और आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर उसकी तलाश तेज कर दी है। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आशंका है कि पूछताछ में हाईवे और रिंग रोड पर हुई लूट की अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल अन्नाराम और संजीव की कार्रवाई में विशेष भूमिका रही। तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल लोकेश और रामसिंह ने भी आरोपियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

10 अत्याधुनिक रक्त संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी प्रदेशवासियों को सौगात

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जयपुर (कासं)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, सांसद मदन राठौड़ सहित मंत्रिपरिषद् के सदस्य, सांसद, विधायक और संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में कुल 286 ब्लड बैंक संचालित हैं, जिनमें 66 राजकीय ब्लड बैंक हैं। प्रदेश में प्रतिवर्ष करीब 9 लाख यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है और स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग 5 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया जाता है। नवीन रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों के माध्यम से अब दूर-दराज के क्षेत्रों में भी सुविधाजनक रूप से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित हो सकेंगे तथा रक्त संग्रहण को बढ़ाया जा सकेगा। प्रदेश में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कुल 4 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से इन वाहनों को राज्य के 10 राजकीय ब्लड बैंकों को आवंटित किया गया है। इन वाहनों में 3 डोनर काउच, 2 ब्लड कलेक्शन मॉनिटर, ट्यूब सीलर, 200 यूनिट क्षमता वाला रेफ्रिजरेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर, डिजिटल थर्मामीटर तथा रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए एलईडी टीवी एवं पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

■ **इस वाहनों से दूर-दराज क्षेत्रों में स्वैच्छिक रक्तदान को मिलेगा प्रोत्साहन**

कालवाड़ रोड पर जलभराव से परेशान होकर पुन: निकाली ''नाव यात्रा''

क्षेत्र में ड्रेनेज-सीवरेज की व्यवस्था की मांग गूंजी

कालवाड़ रोड पर मंगलम सिटी के गेट के सामने बारिश के जलभराव से परेशान लोगों ने रविवार को यहां जल समाधि प्रदर्शन और नाव यात्रा के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की।

जयपुर (कासं)। कालवाड़ रोड यूं तो कहने को 300 फीट हाईवे हैं, परंतु यहां ना तो 60 फीट से ज्यादा चौड़ी सड़क हैं और ही सीवरेज-ड्रेनेज जैसी मूलभूत सुविधाएं, ऐसे में मूलभूत सुविधाओं के अभाव में लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। बारिश के दिनों में यह समस्या अब नासूर का रूप लेती जा रही है।

कालवाड़ रोड पर रावण गेट से लेकर हाथोज़ तक मुख्य सड़क पर बारिश के जलभराव के कारण हालात ऐसे बने हुए हैं, जैसे यहां से सड़क नहीं, बल्कि नदी गुजरती हो। रविवार को इसी जलभराव के विरोध में स्थानीय युवा नेता देवेन्द्र प्रताप सिंह ने ''नाव यात्रा'' निकालकर व ''जल समाधि'' प्रदर्शन के जरिए क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, सांसद राव राजेन्द्र सिंह एवं जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों का ध्यान खींचा है।

देवेन्द्र सिंह ने कहा कि, कालवाड़ रोड का क्षेत्र झोटवाड़ा विधानसभा में आता हैं, विधायक कर्नल राठौड़ मंत्री भी हैं, इसके बावजूद कालवाड़ रोड के निवासी आज भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। मानसून की बारिश अभी जयपुर में अच्छे से हुई भी नहीं हैं कि कालवाड़ रोड की मुख्य सड़क जलमग्न हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसा कोई दिन नहीं, तब जलभराव के बीच लोग फिसलकर गिरते नहीं। गत दिनों भी ''नाव यात्रा'' निकालकर समस्या और अपनी पीड़ा जाहिर की थी, जिसके बाद देर रात जेडीए ने यहां मड पंप लगाकर सड़क पर भरा हुआ पानी, सड़क के दूसरी तरफ छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ''मड पंप से पानी निकालना सिर्फ जुगाड़ हैं, समस्या का असली समाधान तब हो पाएगा, जब यहां सीवरेज-ड्रेनेज की व्यवस्था होगी। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान एडवोकेट कृष्ण सिंह तंवर और दिनेश सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर 5 लाख रु.ऐंठे

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा इलाके में फेसबुक के जरिए युवक से दोस्ती कर उसे ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल की रहने वाली आरोपी महिला ने युवक को झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर करीब 5 लाख रुपए ऐंठ लिए। आरोप है कि महिला ने युवक के निजी फोटो और उसके परिजनों की जानकारी हासिल कर उसे लगातार धमकाया। अब और रुपए नहीं देने पर फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी जा रही है। परेशान युवक ने शिवदासपुरा थाने में आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि गोनेर निवासी 28 वर्षीय युवक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार करीब तीन साल पहले फेसबुक पर महिला ने उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। महिला ने बातचीत के दौरान युवक को अपनी बातों में फंसा लिया और जरूरत बताकर रुपए मांगने लगी।

पीड़ित का आरोप है कि करीब एक साल बाद महिला युवक से मिलने जयपुर आई। वह उसे घुमाने के बहाने अजमेर दरगाह ले गई। वहां महिला ने कथित तौर पर युवक के खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। इसके बाद उसके मोबाइल से परिजनों के फोटो और मोबाइल नंबर निकाल लिए। आरोप है कि महिला ने युवक के कुछ निजी फोटो भी अपने मोबाइल में ले लिए।

इसके बाद महिला ने निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर युवक को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोप है कि उसने युवक पर अलग-अलग मोबाइल ऐप से लोन लेने का दबाव बनाया और लोन के रुपए भी अपने पास ले लिए। पीड़ित के अनुसार जुलाई 2026 में महिला दोबारा जयपुर आई। इस दौरान उसने डरा-धमकाकर युवक से अपने लिए शॉपिंग करवाई और हवाई जहाज का टिकट भी बुक कराया। आरोप है कि महिला ने युवक के गले से सोने की चेन छीन ली और 2 लाख रुपए नकद भी ले लिए।

पीड़ित का आरोप है कि महिला झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर अब तक उससे करीब 5 लाख रुपए ऐंठ चुकी है। अब और रुपए देने की मांग पूरी नहीं होने पर वह युवक और उसके परिवार की तस्वीरें फेसबुक पर वायरल करने की धमकी दे रही है। लगातार ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने पुलिस से शिकायत की।

तीसरा ऑल इंडिया काजू कन्वेंशन संपन्न

जयपुर। जयपुर में तीसरा ऑल इंडिया काजू कन्वेंशन संपन्न हुआ। ऑल इंडिया काजू एसोसिएशन और इवेंटेल ग्लोबल एडवाइजरी द्वारा एपीडा के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में 845 से अधिक प्रतिनिधियों, 1000 से अधिक विजिटर्स और 100 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया। कन्वेंशन में काजू प्रसंस्करण से जुड़ी 10 नई मशीनरी तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया गया। पहली बार आयोजित 'काजू महोत्सव' में 8 सेलिब्रिटी शेफ ने काजू से बने 80 से अधिक नए व्यंजन प्रस्तुत किए। वहीं, एक्सपीरियंस जोन के माध्यम से काजू के पोषण और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई, जिसमें 1000 से अधिक परिवार शामिल हुए। सम्मेलन में काजू उद्योग में आधुनिकीकरण, निर्यात बढ़ाने, तकनीकी विकास और व्यापारिक विवादों के समाधान पर भी चर्चा हुई।

सार-समाचार

रामप्रकाश भारी को पीएचडी की उपाधि

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी राम प्रकाश भारी को पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने 'सतत विकास एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना : गांधी के ग्राम स्वराज के संदर्भ में एक अध्ययन' विषय पर शोध कार्य किया। शोध कार्य राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं पीजी स्कूल ऑफ सोशल साइंस के निदेशक डॉ. राजेश कुमार शर्मा के निर्देशन में पूरा हुआ। बाह्य परीक्षक जेएनयू, नई दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. संजय भारद्वाज रहे। डॉ. भारी राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्रसंघ अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने राजनीति विज्ञान विभाग से एमए व एमफिल तथा राजस्थान कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। समसामयिक विषयों पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सेमिनार एवं सम्मेलनों में भाग लेने और शोध पत्र लेखन में उनकी विशेष रुचि है।

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना सम्मानित

जयपुर। कथा व उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से दुर्गापुरा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के सियाम सभागार में साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जयपुर के वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि प्रोफेसर डॉ. राजीव सक्सेना को साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। उन्हें ये सम्मान कविता लेखन व समीक्षा वर्ग में उत्कृष्ट लेखन, प्रदर्शन के लिए दिया गया। सम्मान स्वरूप संस्था के पदाधिकारियों ने उन्हें शॉल, दुपट्टा ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया व बधाई दी। प्रो. सक्सेना वर्तमान में स्वास्थ कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक है।

संगीत जगत को मिली 'श्री वीणा'

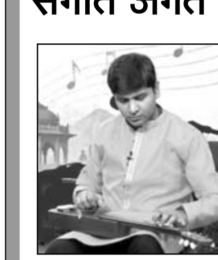

जयपुर। भारतीय शास्त्रीय संगीत के वाद्य जगत में एक अनूठी पहल के रूप में श्री वीणा' का लोकार्पण किया गया। इस वाद्य की परिकल्पना एवं निर्माण सुप्रसिद्ध स्लाइड गिटार वादक एवं वीणा वादक पं. श्री कृष्ण शर्मा ने किया है, जबकि इसका लोकार्पण उनके पुत्र एवं शिष्य अक्षत शर्मा ने किया। पं. श्री कृष्ण शर्मा ने अपनी दूरदृष्टि और प्रयोगशीलता से ऐसे वाद्य की कल्पना की, जिसकी ध्वनि विचित्र वीणा के समान गहरी और मधुर हो, लेकिन आकार में वह अपेक्षाकृत छोटी और सुविधाजनक हो। वर्षों की साधना और प्रयोग के बाद उन्होंने 'श्री वीणा' को साकार किया। आज उनके पुत्र एवं शिष्य अक्षत शर्मा इस वाद्य को अपनी साधना और वादन से नई पहचान दे रहे हैं। अक्षत के हाथों में 'श्री वीणा' के स्वर इसकी अद्भुत ध्वनि-संभावनाओं को सामने लाते हैं। 'श्री वीणा' भारतीय संगीत की परंपरा और नवाचार के सुंदर संगम का प्रतीक है और पं. श्री कृष्ण शर्मा की संगीत-दृष्टि एवं रचनात्मकता को समर्पित एक अनूठी देन है।

लहरिया पहनकर झूमी महिलाएं

जयपुर। गणगौर महिला ग्रुप की ओर से आयोजित ''रिमझिम सावण री तीज'' कार्यक्रम में महिलाओं ने सावण के लोकगीत और लोकधुनों पर जमकर नृत्य किया। ग्रुप की फाऊन्डर और डायरेक्टर सुशीला भारती ने बताया की सभी महिलाएँ पारंपरिक रंग बिरंगे लहरिया पोशाक में नजर आई। लहरिया थीम पर हुए इस कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाई और विशेष राजस्थानी शृंगार किया। इठलाती हुई महिलाओं ने जब मंच पर नृत्य किया तो राजस्थानी संस्कृति साकार हो उठी। कार्यक्रम के दौरान कई मनोरंजक गतिविधियाँ भी आयोजित की गई। राजस्थानी पोशाक में सजी-धजी महिलाओं का सामूहिक नृत्य और रैम्प वॉक कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। गणगौर महिला ग्रुप समय समय पर राजस्थान के तीज त्यौहारों पर ऐसे कार्यक्रम करता रहता है ताकि घरेलू और काम-काजी महिलाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए मंच मिल सके।

राज्यपाल ने बसंत मेघवाल को बधाई दी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अमेरिका के ओरेगन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 पुरुषों की हाई जंप चैंपियनशिप में भारत को रजत पदक दिलाने पर राजस्थान के बसंत कुमार मेघवाल को बधाई एवं शुभकामनायें दी है।

ई-रिक्शा में जेब काटकर नकदी चुराने वाली उत्तरप्रदेश की गैंग का पर्दाफाश किया

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर थाना पुलिस ने ई-रिक्शा में सवारी की जेब ब्लेड से काटकर 50 हजार रुपए चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने यूपी के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई 50 हजार रुपए की पूरी रकम बरामद कर ली। आरोपी अन्य वारदात को अंजाम देने की फिराक में आदर्श नगर स्थित कब्रिस्तान के पास घूम रहे थे, जहां पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को मेहंदीपुर बालाजी निवासी पुरुषोत्तम प्रजापत ने आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह सामान खरीदने आए थे। ट्रांसपोर्ट नगर से घाटगेट जाने के लिए वह ई-रिक्शा में सवार हुए। रास्ते में दो युवक हाथों में थैला लेकर उनके अगल-बगल आकर बैठ गए। घाटगेट बत्ती से पहले दोनों युवक चलते ई-रिक्शा से कूदकर फरार हो गए। कुछ देर बाद पीड़ित ने जेब संभाली तो उसमें चीरा लगा हुआ था और 50 हजार रुपए गायब मिले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इधर वारदात के खुलासे के लिए थानाधिकारी छगन डांगी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आरोपियों के संभावित रास्तों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में सामने आए हुलिए के आधार पर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस को आरोपियों के जयपुर में होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने आदर्श नगर स्थित कब्रिस्तान के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे कथित तौर पर एक और वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे। पुलिस के गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुणाल कुमार (21) निवासी कमालगंज जिला फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश, हाल मालपुरा गेट जयपुर पूर्व और गोविंद उर्फ लाला (27) ठठिया जिला कन्नौज, उत्तर प्रदेश, हाल मालपुरा गेट जयपुर पूर्व के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीड़ित से चोरी किए गए 50 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं।

पिस्टल लेकर घूम रहा बदमाश दबोचा

जयपुर। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन ''आग'' के तहत बजाज नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध देशी पिस्टल बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह इलाके में अपना वर्चस्व कायम करने और लोगों में दहशत फैलाने के लिए पिस्टल लेकर घूम रहा था। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि बजाज नगर थानाधिकारी रामधन डोभाल और डीएसटी प्रभारी सुखवीर सिंह के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने सूचना तंत्र विकसित कर संदिग्धों पर नजर रखी। इसी दौरान शिवराम कॉलोनी और दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास एक युवक संदिग्ध स्थिति में घूमता मिला। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और तलाशी ली। उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी विजय मीणा (22) निवासी 24, शिवराम कॉलोनी, थाना बजाज नगर, जयपुर पूर्व को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने अवैध पिस्टल कहां से और किस व्यक्ति से खरीदी थी। हथियार की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

लेखिका रजनी मिश्रा की पुस्तक का विमोचन

साहित्य समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम : अवधेशाचार्य महाराज

लेखिका रजनी मिश्रा की पुस्तक 'मंथन' का विमोचन गलता पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के सानिध्य में हुआ।

जयपुर। छोटी काशी जयपुर की साहित्यिक और आध्यात्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लेखिका रजनी मिश्रा की नवीनतम पुस्तक 'मंथन' का विमोचन रविवार को होटल गणगौर के सभागार में किया गया। गलता पीठाधीश्वर स्वामी सम्पतकुमार अवधेशाचार्य महाराज के सानिध्य में आयोजित समारोह में पुस्तक विमोचन के साथ साहित्य संगोष्ठी एवं पुस्तक परिचर्चा भी हुई। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा और आध्यात्मिक जगत से जुड़ी अनेक हस्तियां मौजूद रहीं।

गलता पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज ने कहा कि जयपुर की साहित्यिक परंपरा समृद्ध रही है और इसे जीवंत बनाए रखना समाज की जिम्मेदारी है। साहित्यकारों को समाज के विभिन्न विषयों पर निर्भीक एवं सार्थक लेखन करना चाहिए, ताकि साहित्य के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन हो और नई पीढ़ी को सही दिशा मिल सके।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सूरज सिंह नेगी ने कहा कि साहित्य में समाज का हित निहित हो तो सृजन सार्थक होता है। उन्होंने रजनी मिश्रा के लेखन में सामाजिक प्रतिबद्धता, सांस्कृतिक सरोकार और उद्देश्यपरकता की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं आईएएस अधिकारी टीकम चंद बोहरा ने की। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो पाठक के मन में प्रश्न पैदा कर उसे चिंतन के लिए प्रेरित करे। वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा गुप्ता ने पुस्तक की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए इसके विषय-विस्तार, भाषा-शैली और सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डाला। समीक्षक एवं कहानीकार डॉ. आशा शर्मा ने काव्यात्मक शैली में कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. बजरंग सोनी ने पुस्तक के आलेखों में निहित विचारों पर चर्चा की। लेखिका रजनी मिश्रा ने अपनी रचना-यात्रा साझा करते हुए बताया कि 'मंथन' को पूरा करने में दो वर्ष का सतत लेखन लगा। पुस्तक में विभिन्न विषयों को संक्षिप्त, सारगर्भित और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक के माध्यम से पाठकों को विचार और आत्ममंथन के लिए प्रेरित करना उनका उद्देश्य रहा है।

समारोह में साहित्यकारों, साहित्यप्रेमियों और विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साहित्य, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों का सम्मान भी किया गया। उल्लेखनीय है कि 'मंथन' रजनी मिश्रा की चौथी पुस्तक है और उन्हें लेखन के क्षेत्र में कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

31 स्कूली बच्चों ने भरी ''फ्लाइट ऑफ फैंटेसी''

पहली हवाई यात्रा से विद्यार्थियों में बढ़ा आत्मविश्वास

राउंड टेबल इंडिया, जयपुर पिंकसिटी राउंड टेबल 171 और सहयोगी संस्थाओं की पहल पर सरकारी स्कूलों के 31 बच्चों ने हवाई यात्रा की।

जयपुर। राउंड टेबल इंडिया, जयपुर पिंकसिटी राउंड टेबल 171 एवं सहयोगी संस्थाओं की पहल 'फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' के तहत जयपुर के सरकारी स्कूलों के 31 बच्चों ने पहली बार हवाई यात्रा की।

बच्चे सांगानेर एयरपोर्ट से जेवर एयरपोर्ट पहुंचे और इसके बाद राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट व राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का भ्रमण किया। राष्ट्रपति भवन में बच्चों ने देश के इतिहास, लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था की जानकारी ली, जबकि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जवानों के शौर्य व बलिदान से परिचित हुए। यात्रा से पहले बच्चों ने शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर से उनके आवास पर मुलाकात की। दिलावर ने बच्चों को बड़े सपने देखने और मेहनत से उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया तथा आयोजकों की पहल की सराहना की। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जिज्ञासा और जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल करने की भावना विकसित करना है।

151 जोड़ों ने किया पार्थिव शिवलिंग का महारुद्राभिषेक

जयपुर। श्रावण मास के अवसर पर विजयबाड़ी स्थित श्री भवानी निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में हरिओम जन सेवा समिति (राजस्थान) की ओर से 19वें विशाल पार्थिव शिवलिंग महारुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। 151 जोड़ों ने एक साथ पार्थिव शिवलिंग बनाकर विधि-विधान से पूजन और अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्रपाठ और शंखनाद के बीच पांच पवित्र नदियों के जल, गंगाजल, दूध और पंचामृत से शिवलिंगों का अभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, पुष्प व अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर 'ॐ नम: शिवाय' का जाप किया। आयोजन स्थल पर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि श्रावण मास में पार्थिव शिवलिंग पूजन और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है।

''कैसे जानें भाग्य विज्ञान'' सेमिनार में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, जयपुर के तत्वावधान में आचार्य श्री महाश्रमण के शिष्य मुनि सुधाकर के सानिध्य में 'कैसे जानें भाग्य विज्ञान' विषय पर सेमिनार का आयोजन भिक्षु साधना केंद्र, श्याम नगर में किया गया। सेमिनार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, प्रबुद्धजनों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। सभागार में उमड़े जनसैलाब से ऐसा लगा मानो भाग्य विज्ञान को जानने और समझने के प्रति लोगों में विशेष जिज्ञासा हो।

मुनि सुधाकर ने कहा कि हर व्यक्ति अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है। पुरुषार्थ चेतना के जागरण से व्यक्ति अपने जीवन की दिशा बदल सकता है। ग्रह-नक्षत्र हमारे कर्मों के फल को दर्शाते हैं, लेकिन साधना, पुरुषार्थ और कर्मों में परिवर्तन के माध्यम से जीवन में सकारात्मक बदलाव संभव है। व्यक्ति जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है। साधना के माध्यम से भाग्य के निर्माण और भाग्योदय की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया जा सकता है। मुनि श्री ने मंत्र विज्ञान, ज्योतिष विज्ञान एवं जैन दर्शन के आधार पर भाग्य विज्ञान से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रयोग एवं सूत्र बताए, जिनसे व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हुए भाग्योदय की दिशा में आगे बढ़ सकता है। समारोह के दौरान मुनि नरेश कुमार ने गीत का संगान किया। वहीं तेरापंथ महिला मंडल, सी-स्कीम द्वारा 'श्रद्धा से नमन करें हम' विषय पर भावपूर्ण गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम का स्वागत सेमिनार संयोजक प्रवीण बाठिया ने किया, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन सेमिनार संयोजक रणजीत हीरावत ने किया।

Lights, Camera, Celebrate!

Vlogging Day celebrates the art of sharing life, stories, and passions through video. Observed on August 10, it honours the creators who turn everyday moments into engaging content, whether it's travel adventures, daily routines, beauty tutorials, or food diaries. Vlogging has transformed how we connect, learn, and entertain ourselves in the digital age. It's not just about holding a camera; it's about storytelling, creativity, and community. Whether you're a seasoned vlogger or just getting started, today is a great time to hit record, share your voice, and join a global movement of digital expression.

#TIGER STRIPES

A Masterpiece of Concealment

The stripes of a tiger are not merely superficial designs painted onto its fur; they are an integral part of its skin, shaped by its genetics

When we think of tigers, the first thing that often comes to mind is their stunning, orange-and-black striped fur. But what many people don't know is that these stripes are not only found on the tiger's fur, but also on its skin underneath. This unique pattern plays a significant role in helping tigers blend into their environment, offering them an edge in their wild habitats. Here's why tiger stripes are so special, and how they help these majestic creatures survive.

Stripes: A Genetic Blueprint

The stripes of a tiger are not merely superficial designs painted onto its fur; they are an integral part of its skin, shaped by its genetics. Every tiger has a distinctive pattern of stripes, much like human fingerprints. These stripes appear as a series of dark vertical lines against the tiger's orange background. However, it's important to note that the stripes are formed on the tiger's skin even before the fur begins to grow. This means that if you shaved a tiger, you'd still be able to see the stripes on its skin, proof that the pattern is genetically encoded beneath the surface.

This characteristic is the result of the tiger's skin pigmentation, where specific areas are darker, and others are lighter. The fur simply grows along the lines of this underlying pattern, giving the tiger its iconic appearance. This skin-based design is present from birth, which means that the fur patterns are not just a superficial feature but an essential part of the animal's camouflage system.

The most crucial role of a tiger's stripes is for concealment in its natural habitat. Tigers are solitary hunters, and they rely heavily on stealth to stalk their prey. The vertical stripes break up the tiger's outline in the wild, especially in areas with long grasses, dense foliage, or the dappled sunlight found in forests. This makes it much harder for prey animals, like deer or wild boar, to spot them until it's too late.

In particular, the alternating light and dark patterns of a tiger's stripes help it blend with the natural patterns of shadows and light that play on the ground and plants. This is especially effective in forests where the sun shines through the canopy in streaks. As the tiger moves through such environments, the stripes mimic the patterns of sunlight filtering through leaves, allowing the tiger to stay hidden.

This camouflage system is crucial for the tiger's survival. The ability to stay hidden allows the tiger to approach prey more closely, without alarming it. In fact, tigers often prefer to hunt at dawn or dusk when the lighting conditions are ideal for them to use their stripes effectively.

When A Rifleman Fought The Chinese For 3 Days, Killed 300

As the final and most ferocious wave of the Chinese assault came, most of his men had either been killed or severely wounded. Subedar Joginder Singh himself was gravely injured but refused to give up. Taking personal control of a light machine gun, he continued to fire upon the enemy, inflicting significant losses. When the ammunition was completely exhausted, he and his remaining soldiers fixed bayonets to their rifles and charged out of their bunkers shouting their battle cry, "Bole So Nihal, Sat Sri Akaal!" In this desperate but valiant last stand, they fought hand-to-hand with the advancing Chinese, bayoneting many before being finally overpowered.

#REVISITING '62 WAR

● Bulbul Joshi

After the Chinese People's Liberation Army or PLA launched an attack against India in October 1962, India's brave soldiers fought against all adversities to protect the country. Some went much beyond the call of duty to protect India's territorial integrity. Subedar Joginder Singh fought valiantly when the PLA launched an attack through the Bum La Pass, sparking a battle named after the location; the Chinese soldiers, as they advanced, met with a few more valiant Indian soldiers. These heroes went on to etch their names in the annals of history as they fought against all odds.

The structure is built in the memory of Jaswant Singh Rawat, a rifleman of 4 Garhwal Rifles. This was the spot where the 21-year-old took a heroic stand against the Chinese, creating the impression of a full contingent of Indian soldiers while fighting single-handedly.

Subedar Joginder Singh was born on 26th September 1921 in Mahakalan village, located in the Moga district of Punjab, into an agricultural Saini Sikh family. He was the son of Shri Sher Singh Saini and Smt Bibi Krishnan Kaur. From a young age, he displayed qualities of sincerity, determination, and an eagerness to learn. He went to primary school in village Nathu Ala and to village Daroli for his middle school. He was unable to pursue further studies due to the modest financial condition of his family. Determined to build a meaningful life through service to the nation, he joined the British Indian Army on 28th September 1936 and was enrolled in the 1 Sikh battalion of the Sikh Regiment, a renowned regiment of the Indian Army known for its valour, discipline, and glorious battle traditions. As a young soldier, he saw active combat during World War II on the Burma front, where Indian troops played a decisive role in halting the Japanese advance. Later, following India's independence, he also participated in the Indo-Pak War of 1947-48, fighting bravely in the defence of Srinagar. His battlefield experiences during these operations shaped him into a seasoned and composed soldier, known for his courage under fire.

In his personal life, Subedar Joginder Singh married Ms. Bibi Gurdyal Kaur Banga, who hailed from a Saini family of Kothay Rara Singh village near Kot Kapura. The couple was blessed with a son and two daughters, and he remained a devoted husband and father, deeply rooted in family values even while serving in demanding field conditions. A man of perseverance, Subedar Joginder Singh continued his education within the Army by passing several professional examinations and qualifying as a unit instructor, a role that required deep knowledge, leadership, and dedication. His commitment to excellence, uncompromising discipline, and genuine concern for the welfare of his men earned him immense respect among both his peers and subordinates. Known for his integrity and unwavering sense of duty, he became a role model within his regiment, embodying the true spirit of a soldier who lived and served with honour.

Indo-China War: 23 Oct 1962

A fierce and historic battle was fought at Tongpen La, near Bum La, in the Tawang sector during the 1962 Sino-Indian War. This region, known then as the North East Frontier Agency (NEFA), is today the Indian state of Arunachal Pradesh. As tensions with China escalated and the possibility of war became inevitable, 1 Sikh battalion was urgently mobilized from its peacetime location in Jaipur to the eastern front. The movement to the forward area was arduous and physically demanding. The soldiers had to traverse dense jungles en route to Tenga Valley, negotiate the treacherous mountain paths of Bomdila, descend into Dirang, and climb again towards the frozen expanse of Sela Lake before finally reaching Tawang. Amidst the freezing temperatures and harsh terrain, Subedar Joginder Singh, who was then a platoon commander, stood out for his strength, composure, and unshakeable resolve. A veteran of World War II and the 1947-48 war in Kashmir, he was deeply respected in the battalion for his discipline, tactical skill, and exemplary leadership in combat. Subedar Joginder Singh's platoon was tasked with defending a strategic ridge in the Tongpen La area along the Bum La axis in Tawang.

On 20 October 1962, the Chinese launched their first major offensive at Namka Chu against the 7th Infantry Brigade. Having prepared meticulously for years and equipped with superior weapons and logistics, the Chinese forces swiftly overran the Indian positions and advanced towards Tawang, where Subedar Joginder Singh and his men were holding their ground. As the enemy began to gather across the stream and dig defensive trenches, it became evident that an attack on his post was imminent. Anticipating the confrontation, Subedar Joginder Singh prepared his men for the battle that lay ahead. At dawn on 23 October 1962, around 5:30 a.m., while the soldiers were preparing tea in the camp kitchen, the Chinese forces launched a sudden and heavy assault on the position. Despite being outnumbered and outgunned, the brave men of 1 Sikh met the attack head-on. Subedar Joginder Singh's platoon fought with exceptional courage, catching the enemy off guard and inflicting heavy casualties. The battle cry "Jo Bole So Nihal, Sat Sri Akaal" echoed through the icy mountains, lifting the spirits of the defenders. The enemy regrouped and launched a second, more determined wave of attack. Undeterred, Subedar Joginder Singh displayed remarkable courage and tactical acumen. Even as casualties mounted and ammunition ran low, he continued to inspire his men, urging them to fight with the spirit of the Khalsa and to defend their motherland with honour. His calm composure under pressure and his words of encouragement kept the platoon's morale unbroken despite overwhelming odds.

As the final and most ferocious wave of the Chinese assault came, most of his men had either been killed or severely wounded. Subedar Joginder Singh himself was gravely injured but refused to give up. Taking personal control of a light machine gun, he continued to fire upon the enemy, inflicting significant losses. When the ammunition was completely exhausted, he and his remaining soldiers fixed bayonets to their rifles and charged out of their bunkers shouting their battle cry, "Bole So Nihal, Sat Sri Akaal!" In this desperate but valiant last stand, they fought hand-to-hand with the advancing Chinese, bayoneting many before being finally overpowered. Ultimately, sheer numbers and superior firepower prevailed, and Subedar Joginder Singh was captured after being severely wounded. Even as a prisoner of war, he upheld his dignity and the honour of his regiment. His indomitable courage, leadership, and refusal to surrender became legendary. For his unparalleled bravery, leadership of the highest order, and supreme sacrifice in the defence of the nation, Subedar Joginder Singh was posthumously awarded the "Param Vir Chakra," India's highest wartime gallantry award. In a rare gesture of respect, the Chinese forces later returned his ashes upon learning of the honour conferred upon him.

The Jaswantgarh War Memorial, located in Tawang district of Arunachal Pradesh, welcomes visitors year-round with a compelling tale of valour.

The plaque at the memorial says that for 72 gruelling hours, he inflicted heavy casualties on the enemy entirely on his own before making the ultimate sacrifice. He was posthumously awarded the *Maha Vir Chakra*.

According to the Ministry of Defence, in November 1962, Jaswant Singh Rawat and his two aides, Lance Naik Trilok Singh Negi and Rifleman Gopal Singh Gusain, had volunteered to destroy a Medium Machine Gun that was brought in by the Chinese.

Under the cover of boulders, scraggy bushes and trees, they crawled forward amid heavy enemy fire and reached within 10 to 15 yards of target. While Lance Naik Negi provided covering fire with his Sten gun, Rawat and Gusain hurled grenades on the enemy's Medium Machine Gun and managed to capture it.

In the battle that followed, Rawat refused to give up his post.

He displayed remarkable agility, shifting between bunkers to maintain the illusion of a full-scale Indian battalion. His only helpers were two local Monpa women, Sela and Nura. They provided him with food, supplied ammunition and loaded the guns at different posts to help Rawat create the illusion of a full contingent.

By the time he was done, around 300 Chinese soldiers were dead and he managed to delay the Chinese advance by around 72 hours.

Today, the Rifleman is remembered as Baba Jaswant Singh Rawat. His personal belongings have been kept at Jaswantgarh.

The Sela Pass is named after Sela and the Nurarang falls (Jang Falls) has been named after Nura to honour their sacrifice.

Both locations are located close to Jaswantgarh, which is adorned with a camouflaged temple-like structure to mark the bravery of Rifleman Jaswant Singh Rawat.

rajeshsharma1049@gmail.com

#THE PAST

Weird Traditions We Still Follow

Have you ever wondered why we do these things? Here's a look at some of the most bizarre customs that we still keep alive today

Some of the traditions we follow today have ancient origins, and while they may seem quirky or strange to us now, they carry centuries of symbolism and meaning. From throwing rice at weddings to knocking on wood for good luck, many of these practices have stood the test of time. But have you ever wondered why we do these things? Here's a look at some of the most bizarre customs that we still keep alive today, and their surprisingly fascinating origins.

1. Throwing Rice at Weddings

One of the most common wedding traditions involves guests tossing rice at the newlyweds as they leave the ceremony. While it may seem like a harmless way to celebrate, the origins are rooted in ancient fertility rituals. In many cultures, rice has been seen as a symbol of prosperity and fertility. In ancient Rome, for instance, wheat (often substituted with rice today) was thrown to represent abundance and to ensure the bride and groom would have many children. Some also believed that the rice, as a symbol of grain, could ward off evil spirits and bring good fortune to the couple.

Interestingly, the practice of throwing rice has faced criticism in recent years, with some venues discouraging it due to concerns about littering or birds ingesting the rice, which is harmful to them. Some couples now opt for biodegradable alternatives, like flower petals or birdseed.

2. Blowing Out Birthday Candles

Blowing out candles on a birthday cake may seem like a fun and harmless activity, but it has a deep-rooted history that stretches back to ancient Greece. The tradition of lighting candles on cakes began with the ancient Greeks, who would make round cakes to honour Artemis, the goddess of the moon. They placed candles on the cakes to mimic the moon's glow. The custom of blowing out the candles comes from a belief that the smoke could carry wishes or prayers to the gods. It was thought that if you could blow out all the candles with one breath, your wish would be granted. In medieval Europe, blowing out candles was also associated with warding off evil spirits and bringing good fortune.

3. Knocking on Wood for Good Luck

Knocking on wood is a superstition many of us are familiar with, but have you ever wondered why we do it? This practice dates back to ancient pagan beliefs. The idea was that spirits or gods resided in trees, particularly oak trees, which were seen as sacred in many cultures. When someone wanted to avoid bad luck or invoke a bit of good fortune, they would knock on the wood of a tree to ask for protection or blessings.

The phrase "knock on wood" evolved from this custom, and even today, people knock on furniture or wooden objects as a way to ward off bad luck or to prevent jinxing themselves. Though the superstition is often seen as a lighthearted gesture, its ancient roots are tied to the idea of appeasing nature's spirits.

4. Carrying the Bride Over the Threshold

The image of a groom carrying his bride over the threshold is an iconic part of wedding ceremonies around the world. But where did this practice originate? It actually comes from a blend of superstition and old-world customs. In medieval Europe, it was believed that evil spirits could enter a home through the threshold, and that carrying the bride over it would prevent her from stumbling or falling, which was thought to be a sign of bad luck.

In some cultures, it was also believed that if the bride tripped or fell upon entering her new home, it would bring misfortune to the marriage. So, the groom carrying the bride over the threshold became a protective gesture. Additionally, it could be seen as a way to show that the groom was taking on the responsibility of providing and caring for his bride in their new life together.

THE WALL

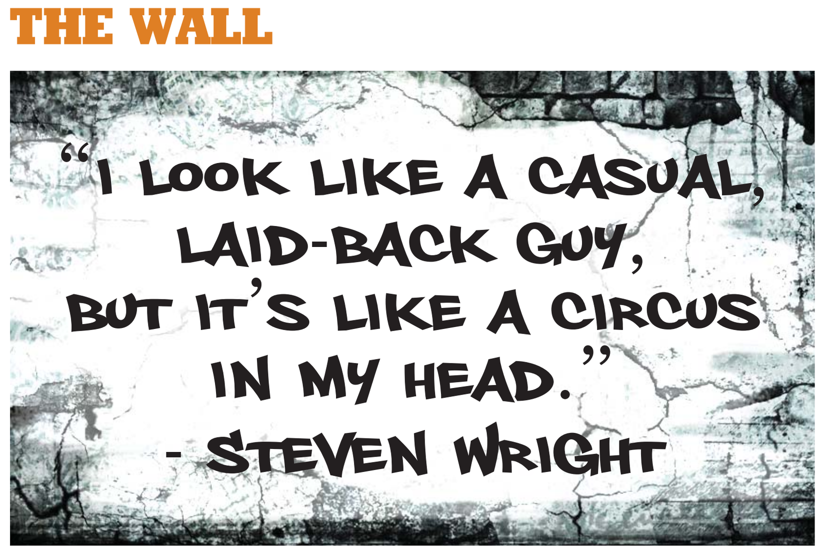

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

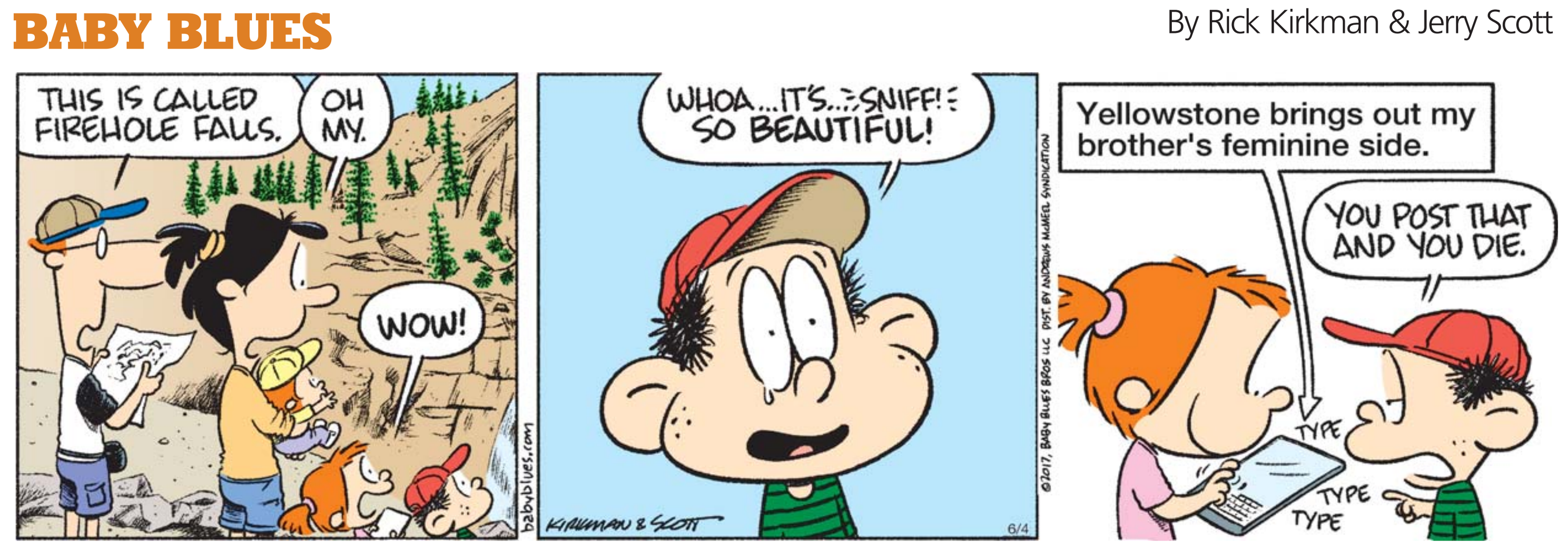

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

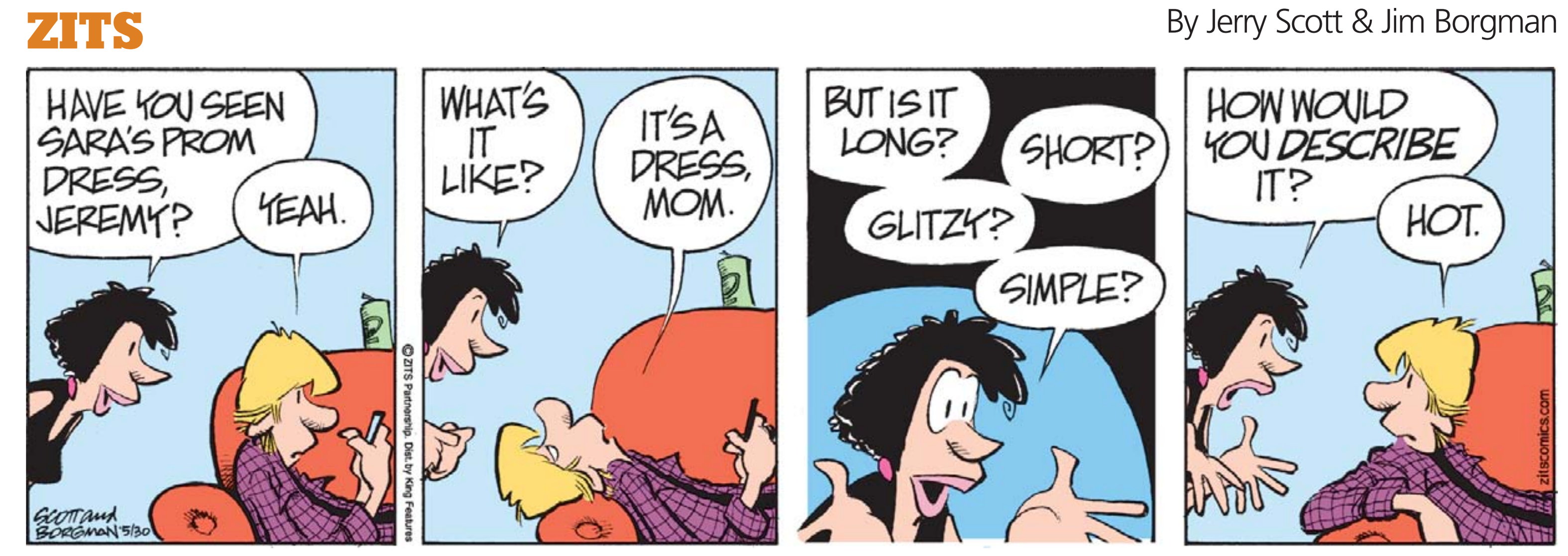

इलाज के दौरान बच्चे की मौत को लेकर परिजन और समाज के लोग धरने पर बैठे

परिजन ने आरोप लगाया कि प्राइवेट क्लिनिक के डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाया था

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के एक प्राइवेट क्लिनिक में ढाई साल के बच्चे की मौत के दूसरे दिन परिजन और समाज के लोग महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए, जहां उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने दूसरे दिन भी शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए मना कर दिया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्लिनिक और डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से समझाइश के प्रयास जारी है, लेकिन देर शाम तक कोई सहमति नहीं बन पाई है।

- **तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर डॉक्टर ने बच्चे को उम्मेद अस्पताल रैफर कर दिया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया**

मामला जोधपुर शहर के महामंदिर थाना क्षेत्र का है, जहां मानजी का हत्था इलाके में स्थित राज क्लिनिक में शनिवार को ढाई साल के जियांश को परिजन इलाज के लिए लेकर आए थे। उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उम्मेद अस्पताल लेकर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने हंगामा किया था और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला था। परिजनों के साथ धरने पर बैठी जियांश की मां ने बताया कि बच्चे को 2-3 दिन से उल्टी-दस्त की तकलीफ थी। गांव में दिखाया तो कोई फर्क नहीं पड़ा। इसलिए जोधपुर लेकर आए। शनिवार सुबह यह सोचकर जल्दी आ गए कि जल्दी पर्ची कट जाएगी और बच्चे का चेकअप हो जाएगा। सुबह 9 बजे क्लिनिक पर पहुंचे, जहां सुबह 11.40 बजे डॉक्टर आया। तब तक बच्चा बातचीत कर रहा था और फ्रूट भी खाए। इसके बाद बच्चे को ड्रिप चढ़ाई तो उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।

इस पर डॉक्टर को बताया तो उन्होंने एक और इंजेक्शन ड्रिप में डाल दिया। इसके बाद तबीयत और बिगड़ गई तो डॉक्टर ने उम्मेद अस्पताल रैफर कर दिया। वहां से बच्चे को लेकर परिजन तुरंत उम्मेद हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और बच्चे को न्याय मिले, यही हमारी मांग है।

वहीं, डॉक्टर राज धारीवाल ने कहा कि बच्चे को पिछले तीन दिनों से गंभीर उल्टी-दस्त (डायरिया) की शिकायत थी। जब दो महिलाएं शनिवार सुबह उसे लेकर क्लिनिक आईं, तो बच्चे का ऑक्सीजन लेवल केवल 68 प्रतिशत था और उसका सोडियम भी काफी कम हो चुका था। वे सुबह 7 बजे से ही क्लिनिक के बाहर बैठी थीं, जबकि उन्हें पता था कि मैं सुबह 10:30 बजे आता हूं। मैंने आते ही तुरंत इलाज शुरू किया और उसका ऑक्सीजन लेवल 85 प्रतिशत तक लेकर आया। इसके बाद मैंने खुद उम्मेद अस्पताल में फोन कर डॉक्टर को केस की जानकारी दी और अपने पास से टैक्सी करवाकर परिवार को वहां भेजा। इतना सब करने के बाद भी मुझ पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।

मृतक बच्चा जियांश पाली का रहने वाला है। वह बावड़ी, जोधपुर में अपने नाना के पास आया हुआ था। परिजनों के अनुसार, जियांश के पिता अतीश बीमार रहते हैं जबकि मां सुशीला मेड का काम करती हैं।

महामंदिर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि बच्चे के शव को महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मेडिकल बोर्ड से बच्चे का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। फिलहाल परिजनों से समझाइश का प्रयास चल रहा है।

शाहपुरा के कल्याणपुरा में खेत पर सो रहे दंपती से मारपीट

अज्ञात लोग महिला से मारपीट कर जेवर व अन्य सामान ले गये

शाहपुरा, (निसं)। सुरली कल्याणपुरा क्षेत्र में एनएच-148 बाइपास के समीप रविवार मध्यरात्रि एक गंभीर वारदात सामने आई है। खेत पर बने छप्पर में सो रहे पति-पत्नी के साथ अज्ञात लोगों ने मारपीट की और महिला के जेवर सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गए।

पार्षद दुर्गा लाल कहार ने बताया कि धानमंडी शाहपुरा निवासी धन्ना कहार अपनी पत्नी के साथ खेत पर बने छप्पर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात लोग वहां पहुंचे और दोनों के साथ कथित रूप से बेरहमी से मारपीट की। आरोपियों ने महिला के जेवर एवं अन्य सामान ले लिया। वहीं धन्ना कहार के हाथ-पैर बांधकर उन्हें मौके पर छोड़ दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद घायल धन्ना कहार व उनकी पत्नी केशी देवी कहार को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया गंभीर चोट की वजह से दोनों को भीलवाड़ा उपचार के लिए भेज दिया गया। वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस द्वारा मामले की जांच कर अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना के कारणों और लूटे गए सामान की वास्तविक जानकारी पुलिस जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगी।

हमले में घायल धन्ना कहार को अस्पताल ले जाया गया।

खेत में जुआ खेलते नौ जने गिरफ्तार, नगदी व तीन बाइक जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में संगठित अपराध और अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़लियास थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने गोठड़ा सरहद में देवनारायण मंदिर के पास स्थित एक खेत की टपरी पर दबिश देकर घोड़ी दाने पर दांव लगा रहे 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। मौके से 1.95 लाख रुपये की नगदी, जुआ उपकरण और 3 मोटरसाइकिलें जब्त की गई है।

- **जांच में गिरफ्तार आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया**

जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशों पर थानाधिकारी जसवंत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। गश्त के दौरान डीएसटी से सूचना मिली कि गोठड़ा में बालू गुर्जर द्वारा सिजारे (बंटाई) पर लिए गए खेत में 10-12 लोग समूह बनाकर जुआ खेल रहे हैं। सवाईपुर चौकी से अतिरिक्त जाब्ता मंगवाकर पुलिस टीम ने खेत को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस की आहट मिलते ही बाहर निगरानी कर रहे और अंदर मौजूद कुछ लोग खेत की तारबंदी फांदकर अंधेरे में भाग निकले। हालांकि, कच्ची टपरी में दांव लगा रहे 9 आरोपियों को पुलिस ने मौके पर ही धर दबोचा। बड़लियास थाने में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। पुलिस ने मौके से 1.95 लाख की नगदी, दो प्लास्टिक के घोड़ी दाने और दो प्लास्टिक के गिलास बरामद किए हैं। इसके अलावा सट्टेबाजी में प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद जाहिद निवासी गुलनगरी थाना सुभाषनगर भीलवाड़ा, शाहरूख हुसैन निवासी रामा का कोट थाना बीगोद भीलवाड़ा, मोहम्मद आरीफ निवासी हसमत कॉलोनी थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़, कैलाश चन्द्र निवासी खटीक मोहल्ला थाना सिटी कोतवाली (चित्तौड़गढ़), वसीम निवासी मक्कड़ मस्जिद थाना बीगोद भीलवाड़ा, अब्दुल हकीम निवासी कांवा खेड़ा थाना कोतवाली भीलवाड़ा, फरमान मंसूरी निवासी जूना बाजार थाना सिटी कोतवाली चित्तौड़गढ़, सबीर पठान निवासी भवानी नगर थाना भीमगंज भीलवाड़ा और सद्दाम हुसैन (32) निवासी कस्बा चौकी थाना सिटी कोतवाली (चित्तौड़गढ़) शामिल हैं।

जोधपुर में हल्की बारिश हुई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में रविवार दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और शहर के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से कुछ राहत मिली। मौसम सुहाना हो गया। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, पाल लिंक रोड़, शास्त्री नगर, नेहरू पार्क सहित कई इलाकों में बूंदाबांदी और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 दिन हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने 11 से 14 अगस्त तक यलो अलर्ट जारी करते हुए बारिश की संभावना जताई है। इससे पहले बूंदाबांदी और हल्की बारिश की संभावना है। ऐसे में आने वाले दिनों में मानसून के सक्रिय होने की उम्मीद है। शनिवार को भी शहर में बारिश का इंतजार रहा, मगर को निराश होना पड़ा। तेज धूप निकली और मौसम बिल्कुल साफ रहा। जिले में बादलों की आवाजाही के चलते तापमान में भी गिरावट आने की संभावना है।

दस हजार का इनामी गिरफ्तार

शाहपुरा, (निसं)। फूलियाकलां उपखंड क्षेत्र के ग्राम रूपपुरा में घर में घुसकर महिला से चाकू की नोक पर सोने के जेवर लूटने के मामले में फरार 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी रोशन उर्फ लोकश कालबेलिया (45) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी 11 फरवरी 2025 की वारदात के बाद से फरार था और बार-बार मोबाइल नंबर बदलकर पुलिस से बच रहा था। साइबर सेल की मदद से पुलिस ने 5 अगस्त को उसे गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस पूछताछ कर रही है। कार्रवाई एसपी सागर राणा के निर्देशन में फूलियाकलां थानाधिकारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में की गई।

रेवदर-कांडला हाइवे पर ट्रक ने कैंपर गाड़ी को टक्कर मारी, चार घायल

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर कैंपर को करीब 20 फीट तक घसीटते हुए ले गया

रेवदर, (निसं)। रेवदर-कांडला हाइवे पर राजेश्वर स्कूल के पास रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। करोटी की ओर से आ रहे बेकाबू ट्रेलर ने रेवदर से करोटी की तरफ जा रही कैंपर गाड़ी को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर कैंपर को करीब 20 फीट तक घसीटते हुए मारुति शोरूम तक ले गया। हादसे में कैंपर सवार एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद कैंपर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग गाड़ी में फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर घायलों को कैंपर से बाहर निकाला और रेवदर अस्पताल पहुंचाया।

- **राहगीरों और आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर घायलों को कैंपर से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया**

टक्कर के बाद कैंपर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस थाना रेवदर एएसआई गणेशराम सहित हैड कांस्टेबल हुक्माराम सहित पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारू करते हुए ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर थाने ले गए। साथ ही घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना दर्दनाक था कि कैंपर चकनाचूर हो गई। जानकारी के अनुसार यह बात भी बताई जा रही है कि ट्रेलर चालक चालक के नशे में होने की संभावना भी जताई जा रही है, यह तो पुलिस द्वारा मेडिकल जांच के बाद में ही ज्ञात हो पाएगा कि चालक शराब के नशे में था या नहीं। गौरतलब है कि पिछले कई समय से इस हाइवे पर कई लोगों ने अपनी जान गवाई है पूर्व में भी क्षेत्र के ग्रामीणों ने हाइवे आंदोलन भी किया, लेकिन अभी तक हादसों का दौर चालू है। गनीमत रही कि हादसा स्थल पर ही विद्यालय है, जहां रोजाना सैकड़ों बच्चे पढ़ने आते हैं, लेकिन रविवार अवकाश होने की वजह से किसी अन्य जनहानि नहीं हुई अन्यथा विद्यालय सुचारु होता तो बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से बड़े हादसे की भी संभावना हो सकती थी।

जहरीले जानवर के काटने से महिला की मौत

सादुलपुर, (निसं)। धीरु खां की ढाणी राजगढ़ निवासी खरतवास तारानगर में लिव एंड रिलेशनशिप में रह रही 45 वर्षीय महिला शीला देवी की जहरीले जानवर के काटने से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि नौ जून को विकास खत्रा पुत्र विजय पाल निवासी वार्ड नं. 26 धीरू खां की ढाणी राजगढ़ ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि उसकी सगी भुआ शीला देवी उम्र 45 साल की शादी बजरंग लाल धानक निवासी खरतवास तारानगर के साथ करीब 25 साल पहले हुई थी, जिसके पांच पुत्रियां है। करीब 15 साल पहले उसकी भुआ की बजरंग के साथ अनबन होने के कारण उसकी भुआ राजु नायक निवासी खरतवास के साथ लिव एंड रिलेशनशिप में रहने लग गई। राजू नायक के साथ रहने से तीन संतान एक बेटी व दो पुत्र और हो गए। करीब 2-3 दिन पहले शीला देवी को किसी जहरीले जानवर ने पैर पर काट लिया था। घाव का इलाज करवाया गया तथा झाड़ फूंक करवाया गया परंतु कोई असर नहीं हुआ तथा तबियत ज्यादा बिगड़ गई। स्थिति बिगड़ने पर नौ जून को दोपहर 1:15 बजे शीला देवी की मौत हो गई। राजगढ़ थाना पुलिस ने मृतका के भतीजे की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह भाडी को सौंपी है।

जोधपुर में दो वाहन चोर गिरफ्तार, सात बाइक बरामद

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के भगत की कोठी थाना पुलिस ने दो शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 7 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी शहर के अलग-अलग इलाकों से गाड़ियां चुराते थे। पुलिस ने इस कार्रवाई के लिए करीब 700 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और गुप्त सूचनाओं के आधार पर आरोपियों को दबोच लिया।

- **पुलिस ने 700 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और आरोपियों को दबोच लिया**

भगत की कोठी थाने में जनता कॉलोनी निवासी मुकेश कुमार मीणा (42) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि 23 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे उन्होंने अपनी बाइक पाई क्लासेज, सेंट एन्स स्कूल के पास दीवार के पास खड़ी की थी। शाम 5:30 बजे जब वे वापस लौटे तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए थानाधिकारी संतोष चौधरी ने चोरी की घटनाओं का एक डेटाबेस तैयार किया। इसके बाद एएसआई सैठाराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने इलाके के लगभग 700 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्धों को चिन्हित कर हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने 7 मोटरसाइकिलें चुराने की बात कबूल कर ली। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर अलग-अलग स्थानों से चोरी की 7 मोटर साइकिलें बरामद की गईं। पुलिस ने सुनील चौधरी (30) निवासी 48, सांगरिया और जोगसिंह (20) निवासी सांगरिया, बासनी को गिरफ्तार किया। आरोपी सुनील के खिलाफ पहले से वाहन चोरी के 5 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

"एक शिक्षक-एक वृक्ष" अभियान में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

झुंझुनूं, (निसं)। श्री राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय, झुंझुनूं में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) की स्थानीय इकाई की ओर से शुक्रवार को "एक शिक्षक-एक वृक्ष" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के साथ अधिकाधिक पौधे लगाने का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सिंह ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना भी आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधे को पेड़ बनाने का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। मुख्य अतिथि प्रो. सुरेंद्र डी. सोनी, प्रदेश सेवा आयाम प्रमुख, ने कहा कि शिक्षक समाज में सकारात्मक बदलाव के सबसे प्रभावी माध्यम हैं। शिक्षकों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। इस अवसर पर जिला सचिव डॉ. विकास भड़िया, जिला उपाध्यक्ष डॉ. शशि प्रकाश, इकाई सचिव प्रो. मान सिंह मान तथा इकाई सह-सचिव डॉ. शुभ करण सहित महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान महासंघ की स्थानीय इकाई के पदाधिकारियों ने कहा कि अभियान को निरंतर आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक शिक्षकों और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सिंघाना में नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ मेडिकल स्टोर पर दबिश, एक युवक हिरासत में

सिंघाना, (निसं)। कस्बे के बाइपास सर्किल स्थित एक मेडिकल स्टोर पर रविवार को पुलिस एवं जिला औषधि नियंत्रक विभाग की संयुक्त टीम ने नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने मेडिकल स्टोर की जांच के दौरान ट्रामाडोल की चार पत्तियां बरामद कीं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में नशीली दवाओं का अवैध कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया।

- **ट्रामाडोल की चार पत्तियां बरामद, सप्लाई नेटवर्क खंगालने में जुटी टीम**

जानकारी के अनुसार डीएसटी प्रभारी हेमराज मीणा को बाइपास सर्किल स्थित मेडिकल स्टोर से नशीली दवाओं की बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस एवं जिला औषधि नियंत्रक विभाग की संयुक्त टीम ने मेडिकल स्टोर पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम को ट्रामाडोल की चार पत्तियां मिलीं, जिन्हें जब्त कर लिया गया। कार्रवाई के बाद पुलिस ने मौके से एक युवक को हिरासत में लिया और उससे दवाओं के संबंध में पूछताछ शुरू की। पुलिस एवं औषधि विभाग की टीम बरामद दवाओं की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दवाओं की आपूर्ति कहां से हुई और इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जा रहा था। मामले में दवाओं के दस्तावेज, बिक्री एवं सप्लाई से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। सिंघाना थाना प्रभारी सीआई सुगन सिंह ने कहा कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों की बिक्री और अवैध कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए पुलिस द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। नशीली दवाओं की अवैध बिक्री करने वालों के खिलाफ किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी। कार्रवाई के दौरान जिला औषधि नियंत्रक सरीता मीणा, लोकेश सिंह, सीआई सुगन सिंह, डीएसटी प्रभारी हेमराज मीणा, सुरेंद्र काजला, हरकेश मीणा और हर्ष फोगाट सहित पुलिस एवं औषधि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

किशोरी की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। स्थानीय लाटा गली स्थित मीना मोहल्ला में एक किशोरी की पानी के टैंक में डूबने से मौत हो गई। उदेई मोड थानाधिकारी ने बताया कि लाटा वाली गली में किशोरपुर निवासी अरविन्द मीना की पुत्री श्वेता मीना रात्री करीब दो बजे टॉयलेट करने के लिए गई थी जो कि अचानक घर में छह फीट से अधिक गहरे पानी के टैंक में गिर गई। पता चलने पर परिजनों ने किशोरी को टैंक से बाहर निकाला और हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सकों ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। रात्री में शव को मोर्चरी में रखवाया गया। सुबह पुलिस ने परिजनों के पोस्टमार्टम नहीं कराने की लिखित में देने के बाद पंचनामा बनाकर शव परिजनों के सुपर्द कर दिया।

धौलपुर जिले में नाकाबंदी में संदिग्ध वाहनों की जांच

धौलपुर, (निसं)। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में धौलपुर पुलिस द्वारा रविवार प्रातः पांच बजे से नौ बजे तक जिलेभर में 'ए' श्रेणी की विशेष नाकाबंदी की गई।

- **नाकाबंदी के दौरान जिलेभर में पुलिस टीमों द्वारा 2,086 वाहनों को चैक किया गया**

जिले के समस्त थानाधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों द्वारा प्रमुख मार्गों, संवेदनशील स्थानों एवं चेकिंग प्वाइंट्स पर प्रभावी एवं सुनियोजित तरीके से नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की गहन जांच की गई।

'ए' श्रेणी की नाकाबंदी के दौरान जिलेभर में पुलिस टीमों द्वारा 1,329 दुपहिया एवं 757 चौपहिया सहित कुल 2,086 वाहनों को चैक किया गया। चेकिंग के दौरान वाहनों की तलाशी लेने के साथ वाहन चालकों के ड्राइविंग दस्तावेजों, वाहनों के पंजीकरण एवं स्वामित्व तथा सवार व्यक्तियों की पहचान का सत्यापन किया गया। वाहनों की त्वरित जांच एवं सत्यापन के लिए राजकॉप एप का भी प्रभावी उपयोग किया गया। पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार कार्रवाई की गई। नाकाबंदी के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 189 वाहन चालकों के विरुद्ध भी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

प्रस्तावित कोटपुतली-किशनगढ़-अजमेर ग्रीन एक्सप्रेस-वे को निरस्त करने मांग

पाटन, (निसं)। प्रस्तावित कोटपुतली-किशनगढ़-अजमेर ग्रीन एक्सप्रेस-वे को निरस्त करने की मांग को लेकर रविवार, 9 अगस्त को नीमकाथाना किसान महापंचायत के नेतृत्व में सैकड़ों किसान नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी के छावनी स्थित आवास पर एकत्रित हुए। किसानों ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे का मुद्दा विधानसभा में उठाने तथा किसानों की मांग को सरकार तक पहुंचाने की अपील की।

किसान महापंचायत की ओर से कहा गया कि प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे के लिए करीब 100 मीटर चौड़ी जमीन अधिग्रहण किए जाने तथा लगभग 15 फीट ऊंचे सड़क मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के किसानों की बेशकीमती कृषि भूमि प्रभावित होगी। किसानों ने परियोजना को निरस्त करने की मांग करते हुए कहा कि उनकी जमीन और आजीविका से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। किसानों के अनुसार पनियाला मोड़, कोटपुतली से लेकर किशनगढ़-अजमेर तक प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे के विरोध में विभिन्न उपखंड स्तर पर आयोजित जनसुनवाई, ट्रैक्टर रैली और अन्य विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से लगातार आवाज उठाई जा रही है। किसानों और किसान महापंचायत ने इन कार्यक्रमों में परियोजना का विरोध दर्ज करवाते हुए सरकार से इसे निरस्त करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान किसान महापंचायत के प्रदेश महामंत्री एवं संघर्ष समिति के संयोजक सुंदर लाल बाबरिया, प्रदेश मंत्री गोवर्धन सिंह तेतरवाल, सीकर जिला अध्यक्ष बलदेव यादव, नीमकाथाना तहसील अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव, मंडल अध्यक्ष माली राम यादव झाड़ली, नीमकाथाना ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मदन लाल सैनी सहित पाटन एवं नीमकाथाना तहसीलों के किसान महापंचायत के विभिन्न ग्राम इकाई अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने कहा कि ग्रीन एक्सप्रेस-वे से प्रभावित होने वाले किसानों की समस्याओं और आपत्तियों को गंभीरता से सुना जाए तथा परियोजना को लेकर किसानों की सहमति एवं उनके हितों को प्राथमिकता दी जाए। किसानों ने विधायक से विधानसभा में मजबूती से पक्ष रखते हुए सरकार के समक्ष इस मांग को उठाने का आग्रह किया।

किसान महापंचायत के नेतृत्व में किसानों ने विधायक सुरेश मोदी को ज्ञापन सौंपा।

- **किसानों ने विधायक से प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे का मुद्दा विधानसभा में उठाने तथा किसानों की मांग को सरकार तक पहुंचाने की अपील की**

आदिवासी दिवस पर ''पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ'' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया

'पेड़ पर्यावरण का आधार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ भविष्य की गारंटी'

जमवारामगढ़ क्षेत्र में वृक्षारोपण एवं वृक्ष-वितरण कार्यक्रम आयोजित किया ।

■ पौधारोपण एवं वृक्ष-वितरण कार्यक्रम में डॉ. हर सहाय मीणा एवं सुमन मीणा ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

मनोहरपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट, कानड़ियावाला एवम टीएसएम जमवारामगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 'पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ अभियान - 2026' के तहत जमवारामगढ़ क्षेत्र में वृक्षारोपण एवं वृक्ष-वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का आयोजन टीम सुमन मीणा, जमवारामगढ़ द्वारा किया गया।

अभियान के तहत कानड़ियावाला, निझरा महादेव, बाड़ियावाला, भानपुरकलां, मालियों की ढाणी, नांगल तुलसीदास, सुरेड़ी, घाटा जलधारी एवं बासना सहित विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण एवं पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देना तथा आमजन को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर डॉ. हर सहाय मीणा, आईएएस ने अपने संबोधन में कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण का आधार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और घटते भूजल स्तर जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक रूप से पौधारोपण को जनआंदोलन बनाना आवश्यक है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में पेड़ लगाने के साथ-साथ लगाए गए पौधे की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए। सुमन मीणा, जमवारामगढ़ ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व आदिवासी दिवस हमारी प्रकृति, जल - जंगल - जमीन और पर्यावरण से जुड़ी आदिवासी परंपराओं एवं संस्कृति को याद करने का भी अवसर है।

आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता आया है।उन्होंने कहा कि इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए 'पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ अभियान' के माध्यम से क्षेत्र के प्रत्येक गांव में हरियाली बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हर साल दो पेड़ लगाएं, धरती मां का कर्ज चुकाएं। पहला पेड़ अपने लिए और दूसरा पेड़ अपनों के लिए लगाएं। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पर्यावरण प्रेमियों,युवाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संक्षिप्त

भाजपा की बैठक में चुनाव को लेकर चर्चा

राजगढ़। पंचायती राज एवं नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी राजगढ़ मंडल की बैठक शनिवार को तुषार गार्डन, कारोठ रोड राजगढ़ में सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित नें की एवं राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा प्रभारी देशराज खरेरा, भाजपा प्रत्याशी डॉ. बन्ना राम मीणा की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।बैठक में आगामी पंचायती राज एवं नगरीय निकाय चुनावों को लेकर संगठन की तैयारियों, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।
पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा पार्टी की योजनाओं एवं विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने का आव्हान किया गया।इस अवसर पर जनप्रतिनिधि विजय समर्थलाल शिवलाल मीना एसटी मोर्चा के जिलाप्रभारी रूपनारायण मीना एव दुहारिया नगरपालिका निवर्तमान अध्यक्ष लोकेश रावत उमेश मंडावरा भूपेंद्र शर्मा प्रीति शर्मा अंजुबाला मोहन लाल मीना सैनी उमेश किरोड़ीवाल मुन्ना लखपती रामकिशन नाजिर राजेश शर्मा हिंगवाले विश्वास मित्तल प्रमोद शर्मा हिंगवाले दीपू सैन शेकर तमोली सतेंद्र सैनी बसंत गुप्ता खेम सिंह आर्य राजेंद्र जैन प्रदीप महावर गोरधन लाल गुरूजी कन्यालाल गुरूजी बाबू लाल शर्मा नंदू सैनी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध मादक पदार्थ के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में चलाये जा रहे नशा मुक्त व अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में दत्तवास थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए महाराज कंवरपुरा क्षेत्र से एक कार से 5.30 ग्राम स्मैक व 1 लीटर हथकढ़ शराब जब्त कर मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्यवाही के दौरान आरोपियों के कब्जे से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के 2900 रुपए एवं कार व तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस टीम ने तलाशी के दौरान पिन्टू कुमार सैनी और कृष्ण कुमार तंवर के कब्जे से 5.30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं 1 लीटर हथकढ़ शराब बरामद की हैं। वही पुलिस ने मामले में प्रकाश सैनी, पिन्टू कुमार सैनी और कृष्ण कुमार तंवर को गिरफ्तार किया है, जिनके खिलाफ दत्तवास थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों से स्मैक की खरीद-फरोख्त और इससे जुड़े नेटवर्क के संबंध में पूछताछ जारी है।

'14 को विभाजन विभीषिका दिवस'

खैरथल। देशभक्ति के रंग में सराबोर होगा खैरथल-तिजारा जिला। राजस्थान सरकार के निर्देश पर 9 से 17 अगस्त तक ''हर घर तिरंगा अभियान'' और 14 अगस्त को ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' मनाया जाएगा। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने अभियान के सफल संचालन के लिए कार्ययोजना जारी कर अधिकारियों के दायित्व तय कर आदेश दिए हैं। अभियान के समग्र पर्यवेक्षण के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर को जिम्मा दिया गया है। एसीईओ जिला परिषद नोडल अधिकारी और आयुक्त नगर परिषद सह-नोडल होंगे। ब्लॉक स्तर पर उपखंड अधिकारी और पंचायत स्तर पर विकास अधिकारी अभियान की मॉनिटरिंग करेंगे।

ज्ञापन सौंपा

कोटपूतली। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के वंचित दिव्यांगजनों को स्कूटी और रोजगार के साधन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर 'दिव्यांग युवा शक्ति संगठन राजस्थान' के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गुर्जर ने क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र के दिव्यांगों के लिए विधायक कोष से 51 स्कूटी स्वीकृत की गई थीं, लेकिन कई जरूरतमंद दिव्यांगजन अब भी इसके लाभ से वंचित हैं। इसके अलावा विधायक द्वारा रोजगार के लिए 10 दुकानें उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था, जिसके तहत 10 दिव्यांगजनों ने अपना लिखित रजिस्ट्रेशन भी करवा लिया है। संगठन ने मांग की है कि शेष बचे वंचित दिव्यांगजनों को शीघ्र स्कूटी वितरित की जाएं। साथ ही रोजगार के लिए 10 दुकानों की नगर परिषद से नियमित स्वीकृति दिलवाकर उन्हें पक्की बनवाने की व्यवस्था की जाए, ताकि दिव्यांगजन स्वावलंबन के साथ अपना जीवनयापन कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। इस मौके पर राजेश जांगल, महेश चौधरी, ममता, मुकेश सैनी, ओमप्रकाश सहित अन्य दिव्यांगजन मौजूद रहें।

भारत छोड़ो आंदोलन की 84 वीं वर्षगांठ मनाई

भरतपुर (निसं)। जिला कांग्रेस एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में ऐतिहासिक अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन कार्यक्रम को अगस्त क्रांति दिवस के रूप में जिला कांग्रेस कार्यालय पर मनाया गया। कांग्रेस संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि 9 अगस्त के ऐतिहासिक दिन अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की आज 84 वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला, ब्लाक, महिला कांग्रेस तथा विभिन्न प्रकोष्ठों एवं मंडलों के पदाधिकारीयों ने सर्वप्रथम इस आंदोलन के प्रणेता पूज्य राष्ट्रिपता महात्मा गांधी जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में विभिन्न वक्ताओं ने कहा कि 9 अगस्त सन 1942 को मुंबई के टैंक मैदान में पूज्य महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में देश को आजाद कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन की शुरुआत की गई थी। जिसमें पूज्य महात्मा गांधी जी ने देशवासियों को करो या मरो का नारा दिया था। इस नारे से प्रेरित होकर देशवासियों ने भी पूज्य महात्मा गांधी, सुखदेव, भगत सिंह, राजगुरु, सुभाष चंद्र बोस आदि का साथ देते हुए इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया तथा जान की कुर्बानियां देकर देश को आजाद कराया।

10 माह पहले बना नाला, बिना निकासी के पानी छोड़ने से लोग परेशान

■ किशनगढ़ बास के गांव रायपुर मेवान में जल निकासी के लिए बनाया नाला बिना निकासी छोड़ देने से पुराना कुआं धंस रहा है और ग्रामीणों को हादसे का डर लगा है

किशनगढ़ बास। विकास के नाम पर बना नाला ही ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गया। खैरथल-तिजारा जिले के रायपुर मेवान गांव में 10 माह पहले बना नाला बिना निकासी के छोड़ दिया गया। नतीजा यह निकला कि बरसात का सारा पानी आबादी के पास बने पुराने कुएं में जा रहा है। कुआं लगातार धंस रहा है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों की शिकायतों के बाद भी पंचायत से लेकर नगर परिषद तक किसी ने कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला।

ग्राम पंचायत नूरनगर द्वारा करीब 10 माह पहले रायपुर मेवान में नाला निर्माण कराया गया था। लेकिन नाले के अंतिम छोर पर पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। अब मानसून में पहाड़ी से आने वाला सारा पानी गांव की आबादी के पास स्थित एक पुराने कुएं में भर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद समाधान के नाम पर जेसीबी से कुएं को तोड़ दिया गया, लेकिन निकासी का स्थायी इंतजाम नहीं हुआ।

गांव के लोगों ने बताया लगातार पानी भरने से कुएं की मिट्टी कमजोर हो गई है। कुआं धीरे-धीरे धंस रहा है और उसके आसपास के रास्ते भी दरकने लगे हैं।

कुएं के पास लोगों की रोजाना आवाजाही रहती है, ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों में दहशत है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो रास्ता पूरी तरह बंद हो जाएगा और कुएं के साथ आसपास की जमीन भी धंस सकती है।

ग्रामीणों ने पहले ग्राम पंचायत नूरनगर और अब नगर परिषद खैरथल के अधिकारियों को लिखित-मौखिक शिकायतें दी हैं। अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बारिश में मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने अतिरिक्त कलेक्टर शिवपाल जाट से भी फोन पर बात की। अतिरिक्त कलेक्टर ने मौके का निरीक्षण कराकर तुरंत कार्रवाई का भरोसा दिया है।

गांव वालों की प्रशासन से मांग हैं कि ''हादसे का इंतजार न किया जाए। बरसात में हर दिन खतरा बढ़ रहा है। इसलिए शीघ्र पुराने कुएं को तुरंत सुरक्षित किया जाए तथा नाले के पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई जाने के लिए संबंधित विभागों की संयुक्त टीम भेजकर मौके का निरीक्षण कराया जाए। जिससे लोग सुरक्षित महसूस करें।

किशनगढ़बास में कांग्रेस की बैठक आयोजित

किशनगढ़बास। पंचायत और नगर निकाय चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस ने कमर कस ली है। रविवार को किशनगढ़ बास रोड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में कोटकासिम ब्लॉक कांग्रेस की विशेष बैठक विधायक दीपचंद खेरिया के नेतृत्व में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारी में तेजी लाने पर जोर दिया गया बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर ने की। इसमें खैरथल-तिजारा जिला कांग्रेस के सह-प्रभारी पुष्पेंद्र धाभाई और किशनगढ़बास विधानसभा प्रभारी देव कसाना विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान विधायक दीपचंद खेरिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव का समय पास आ चुका है। सभी कार्यकर्ता आज से ही जुट जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले नगर निकाय और पंचायती राज चुनाव में टिकट वितरण सर्वे के आधार पर किया जाएगा। बैठक को कोटकासिम प्रधान व महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमारी सांगवान, पीसीसी महासचिव अजीत यादव, एडवोकेट वीरनारायण यादव, किसान नेता जसवंत यादव और एससी विभाग के जिला अध्यक्ष भूपेश लहकरा ने भी संबोधित किया।

पावटा में विश्व आदिवासी दिवस पर बिरसा मुंडा को किया नमन

भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

■ जल, जंगल, जमीन-आदिवासी समाज की पहचान और अधिकार का लिया संकल्प

पावटा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय, पावटा के समीप स्थित आदिवासी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस दौरान आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संघर्ष, संस्कृति और देश के विकास में योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, अधिकार, सम्मान और स्वाभिमान के लिए एकजुट होने का दिन है। समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत को संरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर आदिवासी समाज की गौरवशाली संस्कृति, परंपरा, एकता और स्वाभिमान को समर्पित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान जल, जंगल, जमीन-हमारी पहचान, हमारा अधिकार का संदेश भी दिया गया।

कोटपूतली में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली। विधायक हंसराज पटेल के जन्मदिवस 01 अगस्त के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शुरू किया गया 15 दिवसीय 'सेवा पखवाड़ा' निरंतर जारी है। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान के 09 वें दिन रविवार को कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में विभिन्न सेवा, स्वच्छता, सामाजिक, धार्मिक, वृक्षारोपण और जनहितैषी कार्यक्रमों का आयोजन किया। अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले गोपालपुरा रोड़ स्थित बाबा साहब अंबेडकर छात्रावास परिसर में एक विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर श्रमदान किया और छात्रावास परिसर को स्वच्छ बनाया। इसके पश्चात बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए छात्रावास परिसर में कार्यकर्ताओं द्वारा सघन वृक्षारोपण भी किया गया और पौधों की देखरेख का संकल्प लिया गया। इसके बाद सेवा पखवाड़े का कारवां हरिहर उदासीन आश्रम, अमरपुरा पहुंचा। जहाँ भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंदिर में देव दर्शन कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। कार्यकर्ताओं ने आश्रम के महंत महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद एवं आशीर्वचन प्राप्त किए। संतों का सानिध्य पाकर कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर में भी बढ़-चढ़कर सेवा कार्य और स्वच्छता गतिविधियों में हाथ बंटाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम संयोजक, मुख्य वक्ता एवं पूर्व चेयरमैन एड. महेंद्र कुमार सैनी ने कहा कि विधायक हंसराज पटेल का जीवन हमेशा जनसेवा को समर्पित रहा है। उनके जन्मदिन को केवल उत्सव के रूप में ना मनाकर, पीड़ित मानवता की सेवा, पर्यावरण संरक्षण और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के रूप में मनाना ही उनके प्रति सच्ची शुभकामना है।

चौमूं में मीणा समाज ने उत्साह के साथ आदिवासी दिवस मनाया

रामचन्द्र मीणा की अध्यक्षता में आदिवासी दिवस समारोह मनाया।

■ जनजाति समाज के हितों के लिए सकारात्मक चर्चा

चौमूं / कालाडेरा । राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ के तत्वावधान में मीणा समाज ने सभाभवन में उत्साह व उमंग के बीच मीणा समाज अध्यक्ष रामचन्द्र मीणा की अध्यक्षता में आदिवासी दिवस समारोह मनाया गया। अध्यक्ष रामचन्द्र मीणा ने कहा की आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए एकजुटता के साथ प्रयास किए जाएंगे और कहा कि आदिवासी सभ्यता का संरक्षण पर्यावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण पहलू है। भारत के मूल आदिवासियों के समक्ष वर्तमान में आ रही चुनौतियों व उनके समाधान के लिए वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला इस दौरान संरक्षक हनुमान फ़ौजी, प्रभु खोडा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भोलू राम मीणा, उपाध्यक्ष माली राम मीणा,दौलत सिंह मीणा, संगठन मंत्री एवं मीन सेना प्रदेश महामंत्री प्रकाश हाटवाल, भामाशाह तोफान मीणा, रघुनाथ हाटवाल रामनिवास पीटीआई,विकास अधिकारी सी आर मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह मीणा, जगदीश प्रसाद मीणा, एसोसिएट प्रोफेसर मान प्रकाश मीणा,सुरेंद्र मीणा , समाजसेवी मक्खन मीणा,सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ओम प्रकाश मीणा, चिरंजीलाल मीणा,सह संगठन मंत्री रतन हाटवाल,सुरेंद्र मीणा खेजरोली, तेजपाल मीना गुड़लिया ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर बिरसा मुंडा एवं आदिवासी इतिहास के बारे में भी चर्चा की गई।कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने समाज भवन के सामने पौधारोपण किया तथा समाज बंधुओं को मीणा समाज अध्यक्ष रामचंद्र मीणा द्वारा पौधे वितरित किए गए तथा भामाशाह माली राम मीणा द्वारा समाज भवन के लिए माइक सैट म्यूजिक सिस्टम देने की घोषणा की गई समाज भवन रखरखाव व विकास कार्यो के लिए कर्मचारियों व व्यवसायियों द्वारा सालाना एक हज़ार रुपए न्यूनतम सहयोग राशि देने का प्रस्ताव लिया गया अंत में आदिवासी दिवस पर समारोह में शामिल समाज बंधुओं को लड्डू खिलाए गए इस अवसर पर ओमप्रकाश रणजीतपुरा, भुवनेश्वर सिंह मीणा, रामचंद्र डोला का बास,कमलेश बाई का बास,प्रधानाचार्य सीता राम मीणा,संजय मीणा,रामस्वरूप बारस,रमेश आलीसर, रिछपाल मीणा, रामकरण मीणा, सुरेश मीणा, जितेन्द्र मीणा, छाजू हाटवाल, जितेंद्र मीणा, मुकेश बागड़ी, शेष मानुतवाल ,सांवर मल मीणा, सुरेश चीथवाड़ी, हरफूल झीड़ा, अनिल हाटवाल, फूलचंद झीड़ा सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन मुकेश हाटवाल एवं मदन कुमार मीणा ने किया।

सार-समाचार

महिला शिविर का आयोजन

मानपुरा माचेडी । रविवार को पंचायत भवन में इसरा फाउंडेशन द्वारा संचालित नंद घर योजनाओं का द्वार वेदांता ग्रुप के तत्वाधान में शिविर का आयोजन हुआ । इसरा प्रोजेक्ट मेनेजर अजय थोमस ने बताया कि योजना में महिला एवं बाल विकास से सम्बन्धित राजस्थान सरकार की कई योजनाएं संचालित है।उनमें से नन्द घर योजनाओं का द्वार भी एक योजना है ।शिविर में उपस्थित महिलाओं को योजना की जानकारी दी।योजना में लगभग 110 महिलाओं ने पंजीयन करवाया ।शिविर में राजस्थान इसरा टीम लीडर कैलाश चन्द्र दिल्ली से आये इसरा टीम के सदस्य सुस्तुती और शिवान ने भी योजनाओं की जानकारी देते हुए विचार व्यक्त किये।शिविर में इसरा फाउंडेशन टीम जयपुर से रामस्वरूप महेन्द्र और राजेश मौजूद रहें। कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को राजस्थान सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को निचले स्तर तक पहुंचाना है ।

गंगोत्री और हरिद्वार से 40 कांवड़ियों का जत्था पावटा पहुंचा

पावटा। सावन माह में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन कांवड़ियों का आगमन लगातार जारी है। पावटा कस्बा स्थित बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर से मंदिर महंत जयराम दास त्यागी महाराज के सान्निध्य में 10 शिवभक्तों का जत्था 15 जुलाई को गंगोत्री एवं 30 शिवभक्तों का जत्था हरिद्वार के लिए 26 जुलाई को रवाना हुआ था। गंगोत्री व हरिद्वार धाम से 40 सदस्यीय कांवड़ियों का जत्था पवित्र गंगाजल भरकर बाबा भूतनाथ के जलाभिषेक के लिए कठिन पर्वतीय मार्गों से पैदल यात्रा करते हुए भगवान शिव के जयघोष, भजन कीर्तन और हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ अपनी आस्था का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 8 अगस्त को क्षेत्र में प्रवेश किया। बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर कमेटी के अनुसार यात्रा पूर्ण होने के बाद 10 एवं 11 अगस्त को जोहड़ा धाम (पावटा) में भव्य धार्मिक आयोजन होंगे। इस दौरान 10 अगस्त को सुबह 10 बजे पावटा पेट्रोल पंप के पास एमके कांवड़ सेवा समिति शिविर स्थल से आकर्षक शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, युवा एवं ग्रामीण भाग लेंगे। इसके बाद 11 जुलाई को बाबा भूतनाथ का पवित्र गंगाजल से विधि-विधानपूर्वक जलाभिषेक, महाआरती एवं विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, युवा एवं ग्रामीण भाग लेंगे।

राजगढ़ में कलश यात्रा निकाली

राजगढ़। बजरंग सेना की ओर से हनुमंत कथा के आयोजन को लेकर रविवार को भारी संख्या में महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। विशाल कलश यात्रा का प्रमुख मार्ग में धर्म प्रेमी लोगों की ओर से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इससे पूर्व मेला चौराहा स्थित नसिया जी जैन मंदिर से विशाल कलश यात्रा रविवार को प्रातः 11 बजे श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ प्रारंभ हुई। रोचक भजनों की प्रस्तुति पर महिलाओं ने भावपूर्ण नृत्य कर इस आयोजन को चार चांद लगाए। विशाल कलश यात्रा कस्बे के स्टेशन मार्ग, सराय बाजार, गोल मार्केट, चोपड़ बाजार, गोविंद देव जी बाजार, गोविंद देव जी मंदिर के सामने से खादी भंडार बगीची कथा स्थल पर पहुंची। बगीची में हनुमंत कथा 14 अगस्त तक आयोजित होगी। हनुमंत कथा दोपहर 12:15 से 4 तक प्रतिदिन आयोजित होगी। कथा वाचन सच्चिदानंद जी महाराज करेंगे। इस अवसर पर लायंस क्लब के खेम सिंह आर्य, पार्षद पवन नरूका, जगदंबा प्रसाद, विष्णु जांगिड़, सुरेश मिश्रा, एवं भारी संख्या में सेना से जुड़े कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।

एड. हीरालाल रावत जिला सतर्कता समिति के सदस्य मनोनीत

कोटपूतली। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासनिक तंत्र को अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार द्वारा जिला स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति का गठन कर इसके सदस्यों की घोषणा की गई है। इस नवगठित समिति में भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एड. हीरालाल रावत को सदस्य मनोनीत किया गया है। एड. रावत की इस नियुक्ति से स्थानीय कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह एवं हर्ष का माहौल है। अपनी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर एड. हीरालाल रावत ने राज्य के शीर्ष नेतृत्व के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह व क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल का आभार जताते हुए कहा कि संगठन और सरकार ने मुझ पर जो विष्वास जताया है, मैं उस पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से खरा उतरूँगा। मेरा मुख्य उद्देश्य पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की आवाज को जिला प्रशासन तक पहुँचाकर उन्हें न्याय दिलाना होगा। एड. हीरालाल रावत के इस समिति में शामिल होने से स्थानीय जनता को उम्मीद है कि अब प्रशासनिक स्तर पर उनकी समस्याओं की सुनवाई और अधिक संवेदनशीलता तथा तेजी से होगी। जिला स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति सीधे आमजन के हितों से जुड़ी होती है।

सहायक अभियंता पुष्पेंद्र चौधरी ने सामोद में हनुमान जी के दर्शन किए

मनोहरपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, मनोहरपुर के सहायक अभियंता श्रीमान पुष्पेंद्र चौधरी जी ने शनिवार को सामोद पहाड़ी पर स्थित प्रसिद्ध वीर हनुमान जी मंदिर में दर्शन किए। दर्शन के दौरान चौधरी जी ने बजरंग बली के समक्ष भारत देश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।उन्होंने देशवासियों के जीवन में सुख - समृद्धि और अमन-चैन बना रहे, इसके लिए प्रार्थना की।डिस्कॉम का टारगेट और उपभोक्ता सेवा पर फोकस मंदिर में दर्शन के बाद पुष्पेंद्र चौधरी जी ने कहा कि बजरंग बली से प्रार्थना है कि जयपुर डिस्कॉम द्वारा सौंपा गया लक्ष्य समय पर पूरा हो। उन्होंने कहा कि निगम के सभी अधिकारी और कर्मचारी सुरक्षित रहें और पूरी निष्ठा से कार्य करें। चौधरी जी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता उपभोक्ताओं को हर संभव राहत पहुंचाना है। बिजली आपूर्ति सुचारू रहे, फॉल्ट का तुरंत निस्तारण हो और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवा मिले, इसके लिए पूरी टीम तत्परता से काम कर रही है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से फील्ड में कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील भी की। इस अवसर पर डिस्कॉम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। दर्शन के बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरु रविदास जयंती पर कलश वंदन यात्रा कल

पावटा। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान के तहत विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में पवित्र रज कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 11 जुलाई 2026 को यात्रा विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से होकर गुजरेगी। यात्रा का शुभारंभ सुबह 9 बजे दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, मैड़ से होगा। इसके बाद 11 बजे पंचवटी आश्रम, विराटनगर, दोपहर 1 बजे शिव मंदिर, पंचायत के सामने, ढाणी गैसकान, दोपहर 3 बजे केशव सागर धर्मशाला मंदिर, सुभाष चौक, पावटा तथा शाम 5 बजे वाल्मीकि मंदिर, प्रागपुरा में कार्यक्रम आयोजित होगा। आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। संत गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

भूपेन्द्र यादव ने अलवर में अमित शाह के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कलक्ट्रेट सभागार में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के 16 अगस्त को अलवर में प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम एवं सभा स्थल की तैयारियों के संबंध समीक्षा बैठक लेकर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान जल संसाधन विभाग मंत्री सुरेश सिंह रावत एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा भी मौजूद रहे।

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 16 अगस्त को अलवर दौरे पर रहकर विजय नगर मैदान में सभा करेंगे तथा इस दौरान 3 लाख लीटर क्षमता के सरस डेयरी प्लांट के शिलान्यास व राजीविका के महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 38 सीएचएस भवन सहित लगभग 700

मंत्री भूपेंद्र यादव ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम एवं सभा स्थल की तैयारियों के संबंध समीक्षा बैठक ली।

करोड रूपये एवं कोटपूतली-बहरोड व खैरथल-तिजारा सहित 1100 करोड रूपये तथा राजस्थान के लिए 5 हजार करोड रूपये के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही रोजगार मेले का आयोजन होगा तथा महिलाओं को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोडने के लिए बुकलेट का विमोचन किया जाएगा। उन्होंने सभा स्थल की तैयारियों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन कर कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से पूर्ण करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि सभा स्थल पर बडी संख्या में किसान एवं आमजन की मौजूदगी रहेगी इसको दृष्टिगत रखते हुए यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देते हुए कार्यक्रम स्थल पर

■ मंत्री अमित शाह 16 अगस्त को अलवर दौरे पर रहकर विजय नगर मैदान में सभा करेंगे

पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था रहे तथा यातायात प्रभावित ना हो इसको दृष्टिगत रखते हुए उचित स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर छाया, बैठक व्यवस्था, बेरिकेटिंग आदि सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की कार्यक्रम से पूर्व ही तैयारी कर पूर्ण लेवे तथा सुनिश्चित करें कि सभा स्थल की समुचित साफ-सफाई व्यवस्था रहे तथा कार्यक्रम स्थल के पास पर्याप्त पेयजल व्यवस्था, मेडिकल टीम, सीसीटीवी, चल शौचालयों आदि की माकूल व्यवस्था रहे।

बैठक में केंद्रीय वन मंत्री ने डेयरी एवं राजीविकास समूह की महिलाओं के प्रतिनिधियों से संवाद किया, जिस पर प्रतिनिधियों ने कहा कि डेयरी में 3 लाख लीटर क्षमता के नवीन दुग्ध संयंत्र से किसानों व पशुपालकों एवं राजीविका महिला समूह की प्रतिनिधियों ने 38 सीएचएस भवन के शिलान्यास कार्यक्रम पर खुशी जाहिर करते हुए की इससे आजीविका में वृद्धि होगी तथा उन्हें आर्थिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सभा कार्यक्रम में बडी संख्या में किसान, पशुपालक एवं महिलाएं भाग लेंगी।

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने केंद्रीय वन मंत्री को अवगत कराया कि गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री के सभा कार्यक्रम हेतु संबंधित अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं, जिनकी आपसी समन्य के साथ अक्षरशः पालना सुनिश्चित कराई जाएगी।

आदिवासी दिवस : संस्कृति व परंपराओं की झलक दिखी

चंदवाजी। रविवार को विश्व आदिवासी दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने डीजे के साथ रैली के रूप में भाग लिया। समारोह के दौरान पारंपरिक लोक नृत्यों,गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बिरसा मुंडा और मीन भगवान के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं पारंपरिक पूजा-अर्चना और प्रकृति वंदना के साथ हुआ। आदिवासी समाज के बुजुर्गों ने समाज की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और पर्यावरण संरक्षण के लिए पारंपरिक रीति-रिवाजों से प्रार्थना की। समारोह में आदिवासी संस्कृति का अनूठा रूप देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में सजे युवक-युवतियों और बुजुर्गों ने वृक्ष की छाल लपेटकर हाथों में तीर कमान,भाले और हल लेकर ढोल, मांदल और चंग की थाप पर पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत किए।

इस दौरान विभिन्न गांवों से आए दलों आदिवासी संस्कृति के अनुरूप झांकियां सजाई गई जिसमें पारंपरिक तीर कमान भाले हल आदि का प्रदर्शन किया गया कार्यक्रम में वक्ताओं ने आदिवासी समुदाय में शिक्षा के प्रसार और विशेषकर बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलाने पर सबसे ज्यादा जोर दिया। इसके साथ ही समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों और नशाखोरी को दूर करने का संकल्प लिया गया। योजनाओं की जानकारी दी । इस अवसर पर पूर्व सरपंच महादेव प्रसाद मीना नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष मीना सेवा संघ सत्यप्रकाश मीना आमेर इकाई अध्यक्ष लाल चंद मीना चंदवाजी भगवान सहाय मीना चितानु पूर्व पंचायत समिति सदस्य अनिल मीना पूर्व इकाई अध्यक्ष, विनोद मीणा , लक्ष्मीनारायण मौर्य आदि उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट की कमेटी के दौरे को लेकर कोटपूतली में आक्रोश

कोटपूतली। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद अरावली पर्वत श्रृंखला की जमीनी हकीकत जांचने निकली हाई लेवल कमेटी के दौरे को लेकर कोटपूतली क्षेत्र में भारी आक्रोश और निराशा का माहौल है। दौरे से ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों को उम्मीद थी कि कमेटी उनकी सुध लेने आयेगी, लेकिन आरोप है कि जमीनी स्तर पर प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बजाय कमेटी केवल 'चोटियां जोन' पहुँचकर औपचारिकता निभा गई और सीधे आगे के लिए रवाना हो गई।

जोधपुरा क्षेत्र में अरावली संरक्षण को लेकर जोधपुरा संघर्ष समिति का आंदोलन पिछले 1340 दिनों से लगातार जारी है। समिति के सचिव कैलाश यादव व दिल्ली से आई सामाजिक कार्यकर्ता नीलम आहुवालिया ने बताया कि धरना स्थल

■ होटल में नाश्ता कर लौटी टीम, 'कागजी खानापूर्ति' का आरोप, क्षेत्र के ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों में निराशा

और आसपास के गाँवों के करीब 200 से 250 ग्रामीण इस उम्मीद में सुबह से पलकें बिछाए बैठे थे कि कमेटी सीधे उनसे संवाद करेगी। ग्रामीणों का मानना था कि कमेटी के आने से यहाँ हो रहे कथित अवैध खनन, अवैध क्रशरों के संचालन और धड़ल्ले से हो रही अवैध ब्लास्टिंग का सच देश के सामने आयेगा। जोधपुरा संघर्ष समिति ने प्रशासन और खनन माफियाओं पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। सामाजिक कार्यकर्ताओं के अनुसार हाई लेवल कमेटी प्रभावित गाँवों के बीच जाने के बजाय राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक होटल में रुकी। वहाँ नाश्ता-पानी करने के बाद टीम बिना किसी पीड़ित ग्रामीण से मिले सीधे आगे की ओर बढ़ गई। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन ने असल हकीकत छिपाने के लिए कमेटी को प्रभावित क्षेत्रों से दूर रखा। यदि कमेटी यहाँ आती तो प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग और खनन विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े होते।

क्षेत्र में अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट की खनन गतिविधियों के चलते केवल एक-दो नहीं बल्कि दर्जनों गाँव सीधे तौर पर प्रभावित हैं। इनमें जोधपुरा, कुजोता, अजीतपुरा, भैंसलाना, पवाना अहीर, बेरीबांध, मीरापुर, बुचारा बांध, जीणगौर, पिचाणी, शुक्लावास, कांसली आदि गाँव शामिल हैं जो वर्षों से इस संकट को झेल रहे हैं। संघर्ष समिति के मुताबिक कुजोता क्षेत्र में जहाँ भारी खनन गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं, वहाँ पहाड़ी की ऊँचाई 100 मीटर से भी अधिक है। यह पहाड़ी कुजोता से लेकर कांसली सीमा तक लगभग 4 किलोमीटर की लंबाई में फैली हुई है। समिति का दावा है कि यह पूरा हिस्सा अरावली पर्वत श्रृंखला का एक अभिन्न अंग है और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के तहत इसका मौके पर गहन भौतिक निरीक्षण होना बेहद आवश्यक है। सामाजिक कार्यकर्ता राधेष्याम शुक्लावास, पर्यावरण प्रेमियों व संघर्ष समिति ने सुप्रीम कोर्ट और हाई लेवल कमेटी से माँग की है कि कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र के लिए एक बार फिर से नए सिरे से दौरे का समय निर्धारित किया जाए।

शाहपुरा में सत्संग भजन प्रोग्राम आयोजित

शाहपुरा। राजपुरा में स्थित शनि महाराज मंदिर का वार्षिक पाटोत्सव परमानंद धाम खोरी के महन्त हरिओम दासजी महाराज व मन्दिर के पुजारी मंगल दासजी के सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम महन्त हरिओम दासजी ने महाराज के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद मंत्र उच्चारण के द्वारा पं. आशु शर्मा के द्वारा पंचामृत स्नान करवाया गया। इस दौरान संगीतमय रामधुनी एवं सत्संग भजन का प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें प्रसिद्ध हास्य कवि व गायक कलाकार कलाकार विनोद कुमार शर्मा एंड पार्टी के द्वारा भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम में शाहपुर नगरपरिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रविश खटाणा सहित कई राजनेता भी पधारे। मंदिर के महंत मंगल दासजी महाराज ने अभिषेक करवाया तथा पूजा की। श्रद्धालुओं ने खीर पुरी की पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर सुरेंद्र जांगिड़, राजकुमार शर्मा, अनिल, शिवराम बाडीगर, मदन यादव, मदन जाट, सीताराम बुनकर, कमलेश यादव, धर्मेंद्र शर्मा, चंदा यादव, ओम प्रकाश सैनी, मूनीर खान, कैलाश यादव, सीताराम जांगिड़ सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

चौमूं में तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा की बैठक आयोजित

चौमूं / कालाडेरा । भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा की अध्यक्षता में खादी बाग रोड स्थित भाजपा कार्यालय चौमूं पर पार्टी कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा के सफल संचालन और आगामी नगर परिषद चुनाव 2026 की तैयारियों एवं रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

■ शहर में 13 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि देशप्रेम और राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक के रूप में 13 अगस्त 2026 को चौमूं में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा गढ़ गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर सुभाष सर्किल तक पहुंचेगी, जिसमें शहरवासी और कार्यकर्ता देशभक्ति के रंग में रंगे नजर आएंगे। बैठक के दौरान आगामी नगर परिषद चुनाव 2026 को लेकर भी कार्यकर्ताओं के साथ गहन मंथन किया गया। रामलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताते

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने चौमूं में पार्टी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की।

हुए उन्हें चुनाव की तैयारियों में अभी से जुटने का आव्हान किया। साथ ही, तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन तथा आगामी चुनावों के संदर्भ में कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियों और प्रभारों का आवंटन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आशीष दुसाद, तिरंगा यात्रा के संयोजक अरविंद यादव, सहसंयोजक विजय सैनी, गुलाब लांबा, मोहनलाल सैनी, पार्षद संदीप शर्मा, बाबूलाल यादव, अनिता कुमावत, गजेंद्र यादव, सुनील अग्रवाल, मातादीन अग्रवाल, किशोर गंगवाल, राहुल शर्मा, पूर्व पार्षद अनिल मीणा, मुकेश सैनी जनरल फुटवियर अध्यक्ष पवन सैनी, मेहुल अग्रवाल, मनीष गोयल, धर्मेंद्र बंजारा, संदीप कुमावत, बजरंग कुमावत, चेतन सैनी, अर्पित सैनी, आलोक जांगिड़, बलदेव, मनोज कुमावत सहित भाजपा नगर कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं उपस्थित रहे।

पावटा में जाम से लोग परेशान, सड़कों पर घंटों फंसे वाहन

पावटा। सावन माह में कांवड़ यात्रा के चलते क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से यातायात व्यवस्था को लेकर पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। सड़कों पर लग रहे जाम के कारण आमजन के साथ-साथ कांवड़ लेकर गुजर रहे शिवभक्तों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पावटा क्षेत्र में दिनभर वाहनों का दबाव बना रहने से कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था चरमराती नजर आई। जाम में वाहन चालक घंटों फंसे रहे। वहीं कांवड़ लेकर पैदल चल रहे शिवभक्तों को भी भारी यातायात के बीच रास्ता तय करना पड़ रहा है। इससे हादसे की आशंका भी बनी हुई है। कांवड़ यात्रा को लेकर नहीं दिखी विशेष यातायात व्यवस्था

सावन में हर साल बड़ी संख्या में कांवड़िए क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। इसके बावजूद कांवड़ियों के लिए अलग मार्ग, यातायात नियंत्रण, बैरिकेडिंग और पर्याप्त पुलिसकर्मियों की तैनाती जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से नजर नहीं आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब कांवड़ यात्रा का समय पहले से निर्धारित है तो प्रशासन ने यातायात

■ कांवड़ियों को भी उठानी पड़ रही परेशानी-यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल

व्यवस्था को लेकर पहले से ठोस प्लानिंग क्यों नहीं की। लगातार लग रहे जाम के कारण स्थानीय लोगों, व्यापारियों, दुपहिया वाहन चालकों और बाहर से आने-जाने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

कई बार एंबुलेंस और अन्य जरूरी सेवाओं के वाहनों के भी जाम में फंसने की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन को प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात करने, यातायात को व्यवस्थित करने और कांवड़ियों के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

आमजन ने प्रशासन से मांग की है कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को तत्काल प्रभावी बनाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था के साथ-साथ आमजन की परेशानी का भी समाधान हो सके।

पीएम के लोकार्पण के बाद भी खैरथल स्टेशन का प्रतीक्षालय यात्रियों को समर्पित नहीं

खैरथल। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 13 करोड़ खर्च कर सजाया-संवारा गया खैरथल रेलवे स्टेशन यात्रियों के लिए अब भी अधूरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को वर्चुअल लोकार्पण कर इसे खैरथल की जनता को समर्पित किया था, लेकिन लोकार्पण के 22 दिन बाद भी स्टेशन पर बना आधुनिक प्रतीक्षालय बंद पड़ा है। यात्री अभी बाहर बैठने को मजबूर हैं, जबकि अंदर लगे महंगे फर्नीचर और सुविधाएं शोपीस बनी है।

अमृत भारत योजना के तहत खैरथल स्टेशन का करीब 13 करोड़ खर्च कर कायाकल्प किया गया। नए भवन, प्लेटफॉर्म सुधार और यात्रियों के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय बनाया गया। भव्य बनाएं गए स्टेशन का 17 जुलाई को हुए भव्य लोकार्पण समारोह में अलवर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय भाजपा नेता सहित बड़ी संख्या लोगों मौजूद रहे। इन सब की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया था। लेकिन प्रधानमंत्री के लोकार्पण के

■ लोकार्पण के 22 दिन बाद भी स्टेशन पर बना आधुनिक प्रतीक्षालय बंद पड़ा है। यात्री अभी बाहर बैठने को मजबूर हैं

22 दिन बाद भी आज जमीनी हकीकत कुछ और है। स्टेशन परिसर में बनाया गया नया आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रतीक्षालय अभी तक आम यात्रियों के लिए नहीं खुल सका है जो विभाग की ढिलाई को बयां करता है। स्टेशन पहुंचे संवाददाता ने जब प्रतीक्षालय बंद देखा और वहां स्टाल पर खड़े मालिक से मालूम किया तो बताया गया कि बंद ही रहता है। हकीकत जानने के लिए संवाददाता स्टेशन अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। वहां अघीक्षक नहीं थें वहां बैठे कर्मचारी ने बताया अभी कुछ काम से गए हैं। उन से जब बंद प्रतीक्षालय को लेकर पूछा गया तो बताया अभी टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। जल्द ही प्रक्रिया पूरी होने पर खोल दिया जाएगा।

वन राज्यमंत्री ने अलवर चिकित्सालय में दो दवा वितरण केंद्रों का उद्घाटन किया

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को सामान्य चिकित्सालय अलवर में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के अंतर्गत दो दवा वितरण केंद्रों का उद्घाटन किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जिला मुख्यालय स्थित सामान्य चिकित्सालय में अलवर जिले ही नहीं वरन आसपास के राज्य के लोग अपना इलाज कराने आते हैं।

मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के अंतर्गत शुरू किए गए दो दवा वितरण केंद्रों से मरीजों को दवा उपलब्ध होने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा तंत्र को मजबूती प्रदान करने हेतु निरन्तर काम कर रही है।

मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया हो सके इसके लिए मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ किया जा रहा है। वहीं निःशुल्क दवा एवं जांच

राज्यमंत्री संजय शर्मा ने चिकित्सालय अलवर में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के अंतर्गत दो दवा वितरण केंद्रों का उद्घाटन किया।

योजना के लाभ के साथ-साथ मरीजों को गंभीर बीमारियों में चिकित्सकीय खर्च से राहत प्रदान करने हेतु आयुष्मान योजना के तहत उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

■ मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया हो सके इसके लिए मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ किया जा रहा

इसके उपरान्त वन राज्यमंत्री ने सामान्य चिकित्सालय परिसर में एक पेड मां के नाम अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि पौधे लगाने का यह सबसे उपयुक्त समय है। अतः प्रत्येक व्यक्ति धरती मां के प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित करते हुए ना केवल पौधा लगाए, बल्कि उसकी सार संभाल भी करें। आने वाले समय में यह पौधों बडा होकर पेड का रूप लेगा जिससे आने वाली पीढियों को शुद्ध हवा व स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा।

सार-समाचार

हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रभात फेरी का आयोजन

कोटपूतली। रविवार को जिला स्तरीय 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित प्रभात फेरी का आयोजन जिला स्तर पर राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय सहित जिले में विभिन्न स्थानों पर किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं देश की एकता-अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया गया। प्रभात फेरी में सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, एनसीसी, स्काउट के विद्यार्थियों, पुलिस कार्मिकों एवं नगर परिषद तथा शिक्षा विभाग के अध्यापकों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत प्रभात फेरी में शामिल हुए। प्रभात फेरी के माध्यम से आमजन को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने तथा राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को केवल तिरंगा फहराने तक सीमित न रखते हुए इसे व्यापक जन-जागरूकता अभियान का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक इस अभियान से जुड़कर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका निभाए। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आव्हान करते हुए कहा कि सामूहिक भागीदारी से अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने आमजन से अपने घरों, वाहनों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

रक्तदान महादान ही नहीं बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा : अखिलेश माथुर

सांभरझील, (निसं)। यहां श्याम प्रेम मंडल समिति के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कायस्थ समाज के जनरल सेक्रेटरी अखिलेश माथुर ने मां शाकंभरी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान महादान ही नहीं बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है क्योंकि जब दुर्घटना में घायल, किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीज, प्रसूता अथवा किसी मासूम बच्चों के लिए यह जीवन की आखिरी उम्मीद की किरण बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि रक्तदान के संबंध में फैली भ्रांतियां को पूरी तरह से समाप्त किए जाने की जरूरत है ताकि लोगों का रक्तदान करने की प्रति जो डर अभी भी कायम है उसे दूर किया जा सके व समाज में एक नई चेतना जागृत हो सके। शिविर के दौरान 174 जनों रक्तदान किया। सभी रक्तदान करने वालों को समिति किसी तरफ से प्रशस्ति पत्र दिए गए तथा माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन भी किया तथा अपेक्षा कि गई भविष्य में भी इसी प्रकार का योगदान कर समाज के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत बने। इस मौके पर समिति के अशोक कयाल ने उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार जताया जिन्होंने रक्तदान शिविर में अपना हर संभव योगदान दिया।

अलवर में हर घर तिरंगा थीम पर तिरंगा प्रभात फेरी का आयोजन

अलवर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार स्वाधीनता दिवस की वर्षगांठ पर जिले में 17 अगस्त तक आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज प्रातः इंदिरा गांधी स्टेडियम से अमर जवान ज्योति स्मारक तक हर घर तिरंगा थीम पर तिरंगा प्रभात फेरी आयोजित की गई। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि तिरंगा प्रभात फेरी में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी व कार्मिक,युवा, स्टूडेंट्स व बड़ी संख्या में आमजन ने बढचढकर उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी सक्रिय सहभागिता निभाकर देशप्रेम का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत17 अगस्त तक देश की आजादी के पर्व को हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है जिसमें विद्यालयों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों, सरकारी कार्यालयों आदि में आमजन के सहभागिता से तिरंगा रैली, निबंध, चित्रकला, रंगोली इत्यादि गतिविधियां आयोजित कर देशभक्ति व एकता का संदेश दिया जा रहा है। इसी प्रकार जिले के समस्त उपखण्ड, नगरीय निकाय, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत पर भी प्रभात फेरी का आयोजन हुआ, जिसमें युवाओं एवं आमजन ने भाग लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारों से वातारण गुंजायमान कर दिया।

जलभराव की समस्या को लेकर भरतपुर विधायक को ज्ञापन सौंपा

भरतपुर (निसं)। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लोगो के प्रतिनिधि मंडल ने भरतपुर विधायक व पूर्व राज्यमंत्री डॉ सुभाष गर्ग से मिलकर के शहर व ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के निदान के लिए ज्ञापन दिया। भरतपुर विधायक व पूर्व राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग से मिलकर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगो ने मिलकर शिष्टाचार भेंट की व हाल ही में हुई बरसात के कारण शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जलभराव की समस्या के निदान के लिए ज्ञापन दिया। विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने जल्द से जल्द समस्या के निदान का आश्वासन दिया ।

मंत्री रावत ने शाह के प्रस्तावित सभा स्थल का भूमि पूजन किया

अलवर। जल संसाधन विभाग मंत्री सुरेश सिंह रावत एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज विजय नगर मैदान में पहुंचकर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित सभा स्थल के सफल आयोजन हेतु विधि विधान के साथ भूमि पूजन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

‘मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100 प्रतिशत से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।’

- वीवीएस लक्ष्मण

पुर्व भारतीय खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के चोटिल होने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जैक लिबी

ऋतुराज गायकवाड़ के लिस्ट ए क्रिकेट के सबसे ज्यादा बल्लेबाजी औसत के वर्ल्ड रिकॉर्ड को इंग्लैंड के जैक लिबी ने पीछे छोड़ दिया। लिबी ने वनडे कप में लगातार तीन मैचों में 109-109 रन की शानदार पारियां खेलकर अपना औसत 61।40 तक पहुंचा दिया। गायकवाड़ के नाम अभी तक लिस्ट ए में सबसे अधिक औसत का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज था, जिसे लिबी ने लगातार तीन मैचों में तीन शतक जड़कर तोड़ दिया है। लिस्ट ए (50-50) ओवर के क्रिकेट में अभी तक गायकवाड़ राज कर रहे थे और उनका बल्लेबाजी औसत 58।61 का था, जो दुनिया में बाकी किसी बैटर का नहीं था।

क्या आप जानते हैं ?।। ब्राजील: 5 बार (1958, 1962, 1970, 1994, 2002)। ब्राजील एकमात्र ऐसी टीम है जो हर फीफा विश्व कप (1930-2026) में शामिल रही है।

भारत ने वॉर्मअप मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर की लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। कोलंबो में मैच के आखिरी दिन रविवार का खेल समाप्त होने से पहले भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा के ओवर की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। हालांकि, भारत की जीत के बाद भी खेल जारी रहा।

उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। फिर श्रीलंका क्रिकेट ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका- ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?: भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। दरअसल प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी: वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में राहुल ने कप्तानी की। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा था- ‘एहतियात के तौर पर गिल श्रीलंका क्रिकेट के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।’

जडेजा और बरार ने 2-2 विकेट लिए : श्रीलंका- ने दूसरी पारी में 45 ओवर में 6 विकेट पर 200 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। निशान फर्नांडो ने 63 रन बनाए, जबकि निपुन धनंजया ने 46 और अंजला बंडारा ने 35 रन का योगदान दिया। रमेश मेंडिस 16 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा और गुरनूर बरार ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला।

पडिक्कल ने नाबाद 142 रन बनाए : भारत ने पहली पारी में 90 ओवर में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी घोषित की। देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन की नाबाद पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने 63, केएल राहुल ने 40, मानव सुथार ने 41 और गुनूर बरार ने नाबाद 36 रन बनाए। श्रीलंका- की ओर से रमेश मेंडिस और असंका मनोज ने 2-2 विकेट लिए, जबकि विश्वा फर्नांडो और केशारा नुवान्था को एक-एक सफलता मिली।

कोरियन मास्टर्स जीतकर अशिमता चालिहा ने रचा इतिहास, सिंधु के मुकाम पर रखा कदम

नई दिल्ली। भारतीय शटलर अस्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। अस्मिता ने इंजरी के बाद वापसी करते हुए अपने करियर का पहला वर्ल्ड टूर टाइटल कोरियन मास्टर्स 300 टूर्नामेंट अपने नाम किया। इसके साथ ही वह भारत के लिए साल 2026 में वर्ल्ड टूर टाइटल जीतने वाली चौथी भारतीय महिला शटलर बन गईं। इस लिस्ट में सिंधु, देविका और तन्वी शर्मा का नाम भीशामिल है।

अस्मिता चालिहा ने रचा इतिहास: असम से आने वाली अस्मिता चालिहा ने शानदार खेल का नजारा पेश किया और कोरिया मास्टर्स सुपर 300 का खिताब अपने नाम किया। अस्मिता ने फाइनल में चीन की हान कीआन सी को तीन गेम तक चलने वाले मुकाबले में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इसके साथ ही अस्मिता ने अपने करियर का पहला वर्ल्ड टूर टाइटल हासिल किया, जिससे वो भारत के लिए वर्ल्ड टूर टाइटल में वीमेंस सिंगल्स का खिताब जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं। इससे पहले भारत की तन्वी शर्मा ताइपे ओपन में, पीवी सिंधु जापान ओपन में और देविका सिंहाग थाईलैंड मास्टर्स में जीत हासिल कर चुकी हैं, जबकि साइना नेहवाल भी वर्ल्ड टूर टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं। **अस्मिता चालिहा ने इंजरी के बाद की वापसी:** 26 साल की अस्मिता की बात करें तो फाइनल मुकाबले से पहले वह 50वीं रैंक की खिलाड़ी थीं। अब फाइनल जीतने के बाद उनकी रैंक 39वीं हो गई है। हालांकि असम से आने वाली स्टार शटलर अस्मिता इस माह भारत में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सकेंगी।

बीकानेर में पहली बार फ्लड लाइट में लगे निशाने, हर तीर के साथ गूंजती रहीं तालियां

बीकानेर। रेलवे ग्राउंड पर रविवार को नजारा किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी मैदान से कम नहीं था। कारण की पहली बार अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक फ्लड लाइट में तीरदांजी के मुक़ाबले हुए। सामने लक्ष्य, हाथों में धनुष और पूरी एकाग्रता के साथ निशाना साधते तीरंदाज।।। जैसे ही तीर लक्ष्य के बीचोंबीच जाकर लगा, मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में चल रही सीनियर राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप-2026 के दूसरे दिन इंटरनेशनल, नेशनल और स्टेट लेवल के तीरंदाजों के बीच कई रोचक मुकाबले हुए। सभी मुकाबले दुधिया रोशनी में हुए।

रविवार होने के कारण मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी रेलवे ग्राउंड पहुंचे। दर्शक हर सटीक निशाने पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। कई मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। प्रतियोगिता के दौरान कई नए रिकॉर्ड बने और कुछ पुराने रिकॉर्ड भी ध्वस्त हुए।

राजस्थान में तीरंदाजी का माहौल मजबूत हुआ : गुर्जर- राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि बीकानेर में आयोजित यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में तीरंदाजी का वातावरण लगातार मजबूत हुआ है। प्रदेश के तीरंदाज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर राजस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और संघ के निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि राजस्थान ने तीरंदाजी में अपनी अलग पहचान बनाई है।

उम्मीद से ज्यादा खिलाड़ी पहुंचे, प्रतियोगिता बनी चयन का आधार: आयोजन सचिव एवं भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच अनिल जोशी ने कहा कि प्रतियोगिता में उम्मीद से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि खिलाड़ी पारदर्शी और बेहतर आयोजन में विश्वास जताते हैं। उन्होंने कहा कि बीकानेर ने राजस्थान में तीरंदाजी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यहां से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं? भुवनेश्वर कुमार ने भविष्य पर पहली बार तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुएभुवनेश्वर कुमारने कमाल की बॉलिंग की। उन्होंने इस फ्रेंचाइज के लगातार दूसरे बार खिताब जीतने के अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई। इस प्रदर्शन के बाद से उम्मीद की जा रही है कि भुवनेश्वर कुमार को भारतीय टीम में फिर से खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन अभी तक उनका सेलेक्शन नहीं हुआ है। भुवी ने अब इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि अगर टीम इंडिया की कॉल आती है तो वे बिल्कुल खेलेंगे। इसके लिए मना क्यों करेंगे।

36 साल के भुवनेश्वर ने आईपीएल 2026 में 16 मैच में 28 विकेट लिए थे जो 7।95 की इकॉनमी के साथ आए थे। वे टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। अभी वे यूपीटी20 में खेलते हुए नज़र आएंगे। इससे पहले आज तक से बात करते हुए भुवी ने टीम इंडिया में सेलेक्शन के सवाल पर कहा, मेरा काम क्रिकेट खेलना है। मैं इसलिए यूपी टी20 खेलने आया हूं और मैं यह इसलिए खेलने नहीं आया हूं कि मुझे कहीं और जाना है या किसी और लेवल पे जाना है। आईपीएल खेलते हैं, क्योंकि पता है खेलना है, परफॉर्म करना है, क्योंकि टीम को जिताना है। मैं इसलिए खेलने नहीं आया हूं कि मुझे कहीं और पिक होना है या किसी ने कुछ कहा है।

भुवी के लिए इन सीरीज में बन सकता है मौका: आईपीएल 2026 के बाद से भारतीय टीम ने आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के साथ टी20 सीरीज खेली है। अब एशियन गेम्स है। साथ ही वेस्ट इंडीज और अफगानिस्तान के साथ भी टी20 सीरीज प्रस्तावित है। एशियन गेम्स और वेस्ट इंडीज सीरीज का शेड्यूल आपस में टकरा रहा है। ऐसे में भुवी के लिए जगह बन सकती है। आर अश्विन जैसे कई पूर्व क्रिकेटर भी इस तेज गेंदबाज को फिर से शामिल करने की मांग कर चुके हैं। भुवनेश्वर कुमार ने सेलेक्शन के सवाल पर क्या कहा: भुवी ने इस बारे में कहा, जो सब बोल रहे हैं वह उनकी राय है। मेरा काम क्रिकेट खेलने का है। मैं इसलिए नहीं आया हूं कि मुझे अच्छा करना है या जैसे मैंने बोला कि मुझे आगे जाना है।

जयपुर की गंगानगर पर 4-0 से शानदार जीत

जयपुर, 9 अगस्त।कोच विश्वजीत सिंह के मार्गदर्शन में जयपुर ने गंगानगर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत से ही जयपुर ने बेहतरीन सामरिक समझ, अनुशासित खेल और मजबूत टीमवर्क का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। टीम ने पूरे मैच के दौरान प्रभावशाली आक्रामक फुटबॉल खेली और बेहतरीन तालमेल के साथ गंगानगर की टीम पर दबाव बनाए रखा। जयपुर की ओर से युवराज ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन हैट्रिक लगाई और टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं नील नीरज ने एक और गोल करते हुए जयपुर के स्कोर को 4-0 तक पहुंचाया। जयपुर की टीम ने पूरे मुकाबले में उत्कृष्ट सामरिक अनुशासन, बेहतर पासिंग और प्रभावी आक्रमण का परिचय देते हुए शुरुआत से अंत तक खेल पर अपनी पकड़ बनाए रखी।

शाहनवाज खान ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज जीता

अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट शाहनवाज खान ने रविवार को अमेरिका के यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर पोडियम स्थान हासिल किया। 18 साल के शाहनवाज इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले शनिवार को आशीष यादव ने जेवलिन थ्रो में और बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता।

तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग: एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रविवार को पोस्ट कर लिखा, शाहनवाज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के लिए पदक संख्या तीन। फेडरेशन ने आगे लिखा, यह जुझारूपन से भरी प्रतियोगिता थी। शुरुआत में पीछे रहने के बाद शाहनवाज ने पूरी ताकत लगाई। उन्होंने तीसरे राउंड में शानदार 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ इसे मजबूत किया।

इटली के इंजोली ने जीता स्वर्ण: इटली के इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

बासंत मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता: इससे पहले बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के शहर अनूपगढ़ के 19 साल क मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की थी। उन्होंने चैंपियनशिप के चौथे और अंतिम से एक पहले दिन शनिवार को यह उपलब्धि हासिल की। यह 2.21 मीटर की छलांग उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने गोल्ड और ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

साई सुदर्शन की जगह सरफराज को मिलेगा मौका?

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में चोटिल साई सुदर्शन की जगह भारत के बल्लेबाज सरफराज खान को शामिल किए जाने की संभावना है। माना जा रहा है कि सुदर्शन को चोट लगी है, जिसके कारण वे आने वाली सीरीज से बाहर हो सकते हैं। टीम को लेकर अंतिम -फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा लिए जाने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने एएनआई को बताया कि, श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में चोटिल साई सुदर्शन की जगह सरफराज खान को शामिल किए।

सीकर बीकानेर जयपुर कोटा ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

जयपुर, 9 अगस्त। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में ग्राम फरड़ोद में राजस्थान जूनियर बालक राज्य फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जो आज 7 अगस्त से 10 अगस्त तक आयोजन हो रहा है राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया, आज खेले गए मैचों में जयपुर ने गंगानगर को 4- 0 से हराया, बीकानेर ने प्रतापगढ़ को 5-0 से हराया , कोटा ने अलवर के बीच 7-0 से हराया, सीकर ने भीलवाड़ा को 5-0 से पराजित किया राजस्थान फुटबाल संघ के चेयरमैन डॉ प्रहलाद फ़रदौद ने सेमी फाइनल में पहुंचने वाली सभी टीमों को बधाई दी। कल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच कल सुबह 8:00 बजे और 9:30 बजे खेले जाएंगे।

बांग्लादेश दौरे को लेकर हरकत में आया बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारत के बांग्लादेश दौरे का भविष्य अभी भी अंधेरे में है। टीम इंडिया को पिछले साल ही बांग्लादेश का दौरा करना था, जहां तीन वनडे और उतने ही टी20 मैच खेले जाने थे। भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय टीम वहां खेलने के लिए नहीं गई थी। भारत सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसको लेकर हरकत में आ गई है। सूत्रों की मानें, तो बीसीसीआई ने बांग्लादेश के दौरे को लेकर सरकार से बातचीत करने का फैसला किया है। बता दें कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के लिए अगस्त सितंबर की विंडो निकाली है। इसके लिए उन्होंने तारीख भी निर्धारित कर लिया है। हालांकि, ये दौरा भारत सरकार की अनुमति पर ही निर्भर करता है।

बीसीसीआई सरकार से करेगा बातचीत: बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि बोर्ड इस समय अपने स्तर पर कोई निर्णय नहीं ले सकता। वे सरकार से अनुमति और दिशा-निर्देश मांगेंगे। अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है लेकिन जल्द ही सरकार से बात की जाएगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई को पत्र लिखा है और दोनों बोर्ड लगातार संपर्क में हैं। जल्द ही स्थिति और साफ होने की उम्मीद है। बीसीबी के मुताबिक सीरीज का शेड्यूल: बीसीबी ने 29 अगस्त से 15 सितंबर के बीच सफेद गेंद की सीरीज के लिए विंडो रखी है।

पीएम मोदी कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिले

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर प्लेयर्स के साथ एक रील शेयर की। 32 सेकेंड की इस रील में वे गोल्ड मेडलिस्ट मुक्केबाज साक्षी चौधरी और अन्य प्लेयर्स के साथ नजर आए। इसमें प्रधानमंत्री ने कहा- ‘जो खेलेगा, वो खिलेगा।’ उन्होंने आगे कहा- ऑल्वेज चीयर फॉर भारत...भारत माता की जय। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा। **मुक्केबाजों ने सबसे ज्यादा मेडल जीते:** भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते। यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला। वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

मलिंगा-असलंका के कहर से गॉल ने पहली बार जीता लंका प्रीमियर लीग का खिताब

नई दिल्ली। साल 2020 से शुरू होने वालीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में गॉल गैलेंट्स ने इतिहास रच दिया. गॉल की टीम ने फाइनल में जाफना किंग्स के खिलाफइशान मलिंगा (3 विकेट) और चरित असलंका (3 विकेट) ने कहर बरपा दिया. जिससे तीन बार की चैंपियन टीम जाफना किंग्स 123 पर ही ढेर हो गई और इसके जवाब में गॉल ने आसानी से पांच विकेट से जीत दर्ज करके पहली बार लंका प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया। **123 पर ही ढेर हो गई तीन बार की चैम्पियन:** लंका प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला कोलंबो के मैदान पर खेला गया. इसमें जाफना किंग्स पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो इशान मलिंगा और चरित असलंका ने किसी को टिकने नहीं दिया. जाफना के लिए सबसे अधिक 32 गेंद में 41 रन सिर्फ सलामी बैटर कामिल मिषारा ही बना सके. जबकि उनके अलावा बाकी कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर सका. असलंका ने चार ओवर के स्पेल में 20 रन देकर तीन विकेट झटके तो मलिंगा ने भी चार ओवर में सिर्फ 25 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए. इन दोनों की कहर गेंदबाजी के आगे जाफना की टीम फाइनल में 19.3 ओवर तक बैटिंग करके 123 रन ही बना सकी।

गॉल पहली बार बनी चैम्पियन: जाफना किंग्स के बाद जब गॉल की टीमबैटिंग करने मैदान पर आई तो उसकेअभी 10 रन पर दो विकेट गिर चुके थे। तभी थॉमस रोजर्स ने 27 गेंद में 34 रन बनाए तो 19 गेंद में 31 रन की पारी दिनुरा ने खेली। इन दोनों की छोटी पारी से ही मैच हल्का हो गया था और गॉल की टीम ने आसानी से 15.5 ओवर में ही पांच विकेट पर 126 रन बनाकर पांच विकेट से मैच को अपने नाम कर लिया. जिससे साल 2020 से शुरू होने वाली इस लीग के छठे एडिशन में गॉल ने पहली बार ट्रॉफी को अपने नाम किया. वहीं जाफना ने लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई तो उसे इस बार रनर-अप से संतोष करना पड़ा।

रोहित शर्मा को लेकर पूर्व भारतीय दिग्गज ने अगरकर को दी सलाह

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा खेलेंगे या नहीं, इसको लेकर बहस तेज हो गई है, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के शुरुआती मैच में फ्लॉप होने के बाद हिट मैन के संन्यास की बातें सामने आने लगी थी लेकिन लॉर्ड्स वनडे में रोहित ने शतक लगाकर आलोचकों को करार जवाब दे दिया था। लेकिन इसके बाद भी रोहित के फ्यूचर प्लान को लेकर बीसीसीआई की आलोचना हो रही है। भारत के सीनियर खिलाड़ियों के साथ बीसीसीआई की ओर से सीधा संवाद न करने से पूर्व दिग्गज भी हैरान हैं और अपना माथा पकड़ लिया है। ऐसे में अब हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अजींक्य रहाणे ने को दो टूक सलाह दी है। रहाणे का सीधा मानना है कि रोहित से सीधा संवाद होना चाहिए। उन्हें यह बता देना चाहिए कि आप वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं खेलेंगे। लुका छिपी का खेल बंद होना चाहिए। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए रहाणे ने इस बारे में अपनी राय दी और कहा, ''मुझे लगता है कि रोहित शर्मा को यह बताना जरूरी है कि वह 2027 वर्ल्ड कप खेलेंगे। अगर आप इतने सालों में उनका योगदान देखें, तो यह कमाल का रहा है। इसलिए आपको वर्ल्ड कप में ऐसे खिलाड़ी के अनुभव की जरूरत है। यह चर्चा होनी ही नहीं चाहिए।

चार रिकॉर्ड के साथ मायरा बनीं ‘गोल्ड गर्ल’

जयपुर, 9 अगस्त: दिल्ली की मायरा सिंह साध 42वीं सब-जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप की ‘गोल्ड गर्ल’ बनकर उभरीं। उन्होंने चार स्वर्ण पदक जीते और चारों स्पर्धाओं में नए मीट रिकॉर्ड बनाए। प्रतियोगिता का आयोजन यहां एसएमएस स्टेडियम स्विमिंग पूल में हुआ।

मायरा ने रविवार को अंतिम दिन भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में नए मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की लक्ष्मी सहस्त्रा सिरापरापु ने रजत और कर्नाटक की गायत्री सोमयाजी ने कांस्य पदक जीता। लड़कों के वर्ग में तमिलनाडु के अब्दुल हफीज, कर्नाटक के एस। कृष्ण और ओडिशा के सौरव पटेल ने भी अपने-अपने मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

लड़कियों की अन्य स्पर्धाओं में असम की कस्तूरी गोगोई ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक की इंचारा एचआर ने रजत और सिरी प्रीतम ने कांस्य पदक जीता। कर्नाटक की रिथान्या शिवकुमार ने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु की कनेश्का एस। शिवकुमार ने रजत और दिल्ली की मायरा सिंह साध ने कांस्य पदक जीता।

बंगाल की सानिथि मुखर्जी ने 200 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक की मान्या आर। वाधवा ने रजत और गुजरात की ध्यानि पटेल ने कांस्य पदक जीता। तमिलनाडु की धिवाश्री केसवन ने लड़कियों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण पदक जीते। 50 मीटर बैकस्ट्रोक में केरल की श्रेया बिनी ने रजत और हरियाणा की सेरेना सरोहा ने कांस्य पदक जीता।

100 मीटर फ्रीस्टाइल में तेलंगाना की शिवानी कार्रा ने रजत और केरल की इंद्रायनी एम। मेनन ने कांस्य पदक जीता। तमिलनाडु के हफीज ने लड़कों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता। मणिपुर के डेविड सपाम ने रजत और मंगहलसाना थांगजाम ने कांस्य पदक जीता।

कर्नाटक के एस। कृष्ण ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु के एपी आर्या सथार ने रजत और तेलंगाना के आरुष दास ने कांस्य पदक जीता।

एसएससीबी के आयुष चौहान ने लड़कों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक के डैनियल इमैनुएल साल्दान्हा दूसरे और छत्तीसगढ़ के गौरव राज तीसरे स्थान पर रहे। ओडिशा के सौरव पटेल ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश के शिवेंद्र यादव ने रजत और असम के हृदस्पंदन सरमा ने कांस्य पदक जीता। लड़कों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल का स्वर्ण पदक एसएससीबी के अविनाश निषाद ने जीता। दिल्ली के युवराज ने रजत और बिहार के श्रेयांश यादव ने कांस्य पदक जीता।

राजस्थान के एकमात्र पदक की उम्मीद देव कुमार 100 मीटर फ्रीस्टाइल में गलत शुरुआत (फॉल्स स्टार्ट) के कारण दुर्भाग्य से अयोग्य घोषित कर दिए गए। राजस्थान स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल व्यास ने बताया कि ओवरऑल मेडल टैली में तमिलनाडु 13 स्वर्ण पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा। कर्नाटक 10 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे और बंगाल छह स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

व्यास ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों, सदस्यों और सभी टीमों के अधिकारियों का धन्यवाद किया। मुख्य अतिथि डीजीपी राजीव शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

जब तिरंगा हाथ में होता है, तो स्वाभिमान बढ़ जाता है- भजनलाल

जयपुर में बारिश के बीच नड्डा व भजनलाल के नेतृत्व में भाजपा ने तिरंगा यात्रा निकाली

- केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि तिरंगा यात्रा देश की गहरी भावनाओं और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा जन आंदोलन है।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 15 अगस्त 1947 में फहराया गया पहला तिरंगा दौसा से बनकर गया था।

जयपुर, 9 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को जयपुर में बारिश के बीच भव्य राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली गई। अल्बर्ट हॉल से शुरू हुई इस यात्रा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहनदास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाथों में तिरंगा लेकर भाग लिया। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा अल्बर्ट हॉल से रवाना होकर रामनिवास बाग चौराहा और सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पहुंची, जहां इसका भव्य समापन हुआ।

तिरंगा यात्रा से पूर्व अल्बर्ट हॉल पर सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि देश की गहरी भावनाओं और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा जनआंदोलन है। तिरंगा भारत की एकता, विविधता और राष्ट्रीय गौरव का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगे का राजस्थान की वीर धरा से गहरा ऐतिहासिक संबंध है। 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के अवसर पर पहली बार फहराया गया तिरंगा राजस्थान के दौसा से बनकर गया था। उस समय दौसा जयपुर रियासत का हिस्सा था।

जयपुर में रविवार को बारिश के बीच अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा हाथ में तिरंगा लहराते चल रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जब भी हमारे हाथ में तिरंगा होता है, हमारा स्वाभिमान और राष्ट्रगौरव और अधिक बढ़ जाता है। तिरंगा हमारी अनेकता में एकता और विविधता का सबसे बड़ा प्रतीक है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि स्कूल के दिनों में गलियों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरियां निकाली जाती थीं और विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे देशभक्ति के गीत गूंजते थे। आज निकाली जा रही तिरंगा यात्रा युवाओं में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रसेवा के उसी भाव को मजबूत कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा में शामिल हुए सभी अतिथियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन का आभार व्यक्त किया। अल्बर्ट हॉल पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

अंतिम चरण में है होर्मुज़ पर ईरान और ओमान के बीच वार्ता

अमेरिका व ईरान के बीच फिलहाल मध्यस्थों के माध्यम से ही बातचीत हो रही है

- ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि विशेषज्ञ नये मार्गों पर काम कर रहे हैं। पुराने मार्गों के स्थान पर नये समुद्री रास्तों का इस्तेमाल किया जा सकता है। पर इसका मतलब होर्मुज़ को पूरी तरह खोलना नहीं है।

तेहरान, 09 अगस्त। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत दोबारा शुरू करने की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि जब तक वाशिंगटन समझौता ज्ञापन के कथित उल्लंघन को समाप्त नहीं करता और उसके लिए मुआवजा नहीं देता, तब तक तेहरान बातचीत की मेज पर लौटने के लिए तैयार नहीं है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम न्यूज के हवाले से बताया कि रविवार को तेहरान में पत्रकारों से बातचीत में अराघची ने कहा कि फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच कोई सीधी वार्ता नहीं हो रही है। हालांकि, मध्यस्थों के जरिए दोनों देशों के बीच संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थ बातचीत दोबारा शुरू करने के संभावित रास्ते तलाश रहे हैं।

अराघची ने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ वार्ता बहाल करने के लिए समझौते के कथित उल्लंघन को खत्म करना और उसकी भरपाई जरूरी है। उनके मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों में प्रत्यक्ष बातचीत फिर शुरू होने की कोई संभावना नहीं है।

ईरानी विदेश मंत्री ने ओमान के साथ होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही के लिए नए समुद्री मार्ग तय करने पर बातचीत अंतिम चरण में है।

अराघची के अनुसार, विशेषज्ञ नए मार्गों पर काम कर रहे हैं और पुराने मार्गों के स्थान पर नए समुद्री रास्तों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि नए समुद्री मार्ग पर समझौता होने का मतलब होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलना नहीं है।

उन्होंने कहा कि जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने का फैसला कई शर्तों पर निर्भर करेगा।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई भी पहले कह चुके हैं कि फिलहाल तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत नहीं हो रही है। उनके मुताबिक, ओमान के साथ चल रही बातचीत का उद्देश्य होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित समुद्री आवाजाही के लिए अस्थायी व्यवस्था तैयार करना है।

इस्माइल बकाई ने कहा कि यह मामला ईरान और ओमान से जुड़ा है क्योंकि दोनों देश होर्मुज़ जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

बारामती में ट्रेनिंग विमान फिसला, दोनों पायलट सुरक्षित

मुंबई, 09 अगस्त। महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर रविवार को एक ट्रेनिंग विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में विमान में सवार इंस्ट्रक्टर और ट्रेनी पायलट दोनों सुरक्षित हैं।

बारामती पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि निजी फ्लाइट ट्रेनिंग संस्थान कार्वर एविएशन का सैसना-172 ट्रेनिंग विमान रविवार दोपहर बारामती एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था। इसी दौरान विमान रनवे से फिसल गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान का एक हिस्सा पास के लाइट पोल से टकराया और इसके बाद विमान रनवे की सीमा से बाहर चला गया। हादसे के समय विमान में दो लोग सवार थे। दोनों पायलट सुरक्षित हैं और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और एयरपोर्ट प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच कार्य शुरु किया।

एनर्जी ड्रिंक्स पर अजीबो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाना मुश्किल है। दुनिया के कुछ रैगुलेटर्स ने एनर्जी ड्रिंक को लेकर स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं जताई हैं। उनकी चिंता है कि इनमें अधिक मात्रा में कैफीन, चीनी और टॉरिन (एक तरह का एमीनो एसिड) की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इंग्लैंड में अगले साल अप्रैल से 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए इनकी बिक्री पर रोक लगा दी जाएगी।

उद्योग के सूत्रों ने यह भी बताया कि बैवरेज बनाने वाली कंपनियां भारत सरकार से गुहार लगा रही हैं कि कुछ राज्य सरकारों द्वारा एनर्जी ड्रिंक को जब्त करने की कार्यवाही रोकी जाए। पिछले महीने भारत के राजस्थान राज्य ने अपनी कार्रवाई के तहत पेप्सी के "स्टिंग", रिलायंस के "कैंपा एनर्जी" और रेड बुल की हजारों बोतलें और कैन जब्त किए थे। रॉयटर्स को दिए एक बयान में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के खाद्य सुरक्षा कार्यालय ने कहा कि वहां भी स्टॉक जब्त किया जाएगा। कार्यालय ने कहा, जब्ती की कार्रवाई जिला स्तर पर पहले से चल रहे इंस्पैक्शन अभियान का हिस्सा है। कार्यालय ने बताया कि दुकानदारों और वितरकों के पास मौजूद पेय पदार्थों के लेबल की जांच की जा रही है।

रविवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी और अन्य घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। पुलिस कंट्रोल रूम के आंकड़ों के अनुसार यात्रा शुरू होने से अब तक कुल 3 करोड़ 80 लाख 18 हजार शिवभक्त पवित्र गंगाजल लेकर देश के विभिन्न राज्यों को रवाना हो चुके हैं। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रमुख स्नान घाटों, कांवड़ पटरी मार्ग और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीमें 24 घंटे तैनात हैं।

रुस ने भारत को सीधे ट्रेन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बाहर निकलने का रास्ता बोस्फोरस और फारस की खाड़ी का मुख्य द्वार होर्मुज जलडमरूमध्य दोनों ही रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील और असुरक्षित हो चुके हैं। अमेरिका और इजरायल से जंग छिड़ने के बाद खाड़ी का रास्ता खतरनाक हो चुका है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार, यह मालगाड़ी मार्ग रूस से शुरू होकर मध्य एशिया और दक्षिण एशिया के प्रमुख देशों से गुजरेगा। इसका रूट रूस-तुर्कमेनिस्तान-ईरान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान और फिर भारत (हिंद महासागर) होगा। इस रूट के बनने से व्यापारिक जहाजों पर लगने वाला हफ्तों का समय बचेगा और समुद्री पायरेसी और सैन्य नाकेबंदी जैसे खतरों से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी।

'हर घर तिरंगा' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पहले तिरंगा उत्सव में 'सूर्यपथ तिरंगा' के माध्यम से दुनिया भर के भारतीयों को एकजुट करते हुए देखें। इसका हिस्सा बनें। अपने घर पर तिरंगा फहराएं और अपनी सेल्फी अपलोड करें।

धार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर करीब एक बजे पंचकवासा गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने श्रद्धालुओं की वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर पहुंचे तथा स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला।

पटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठक में नीचे बताए गए न्यायाधीशों को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की गई है।"

सिफारिश के अनुसार, दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवींद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है। कोलीजियम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी को बॉम्बे हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की भी सिफारिश की है।इसके अलावा, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में कार्यरत न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा को इसी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। उनका मूल हाईकोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908